निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1972 : युगांडा के नेता इदी अमीन ने एशियाई मूल के लोगों को देश छोड़कर चले जाने का आदेश दिया।

1985 : गीत सेठी ने विश्व अमेच्योर बिलियर्ड्स चैंपियनशिप जीती।

1990 : अमेरिका ने सऊदी अरब में ऑपरेशन डेजर्ट शील्ड शुरू किया।

1998 : केन्या एवं तंजानिया में स्थित अमेरिकी दूतावासों पर आतंकी हमले में 200 से अधिक लोगों की मृत्यु।

• बोकारो, गुरुवार, 7 अगस्त 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 82 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में अधेड़ की मौत

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग पर बुधवार की सुबह सड़क हादसे में 55 वर्षीय जगदीश सिंह की मौत हो गई। हादसा केंदुआ बाजार स्थित श्रीराम टी स्टाल के पास हुआ। केंदुआ निवासी जगदीश सिंह सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित हाइवा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से वे सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

एके-47 की 83 जिंदा गोलियों के साथ धराया

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। चतरा पुलिस ने टीएसपीसी उग्रवादी संगठन के लिए काम करने वाले एक व्यक्ति को गोलियों के साथ गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मनोज तिग्गा (33) के रूप में हुई है, जो पिपरवार थाना क्षेत्र के खंधार गांव का निवासी है। पुलिस ने उसके घर से एके-47 राइफल की 7.62 एमएम की 83 जिंदा गोलियां बरामद की है।

नदी में डूबने से बच्चे की मौत

मेदिनीनगर (नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिले के पांडू थाना अंतर्गत कजरूखुर्द गांव में बुधवार को छह वर्षीय बच्चे की नदी में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान अजित सिंह के पुत्र इंदल सिंह के रूप में हुई है। इंदल सिंह अपने दोस्तों के साथ गांव के पास बह रही बांकी नदी में नहाने गया था। नहाने के दौरान गहराई का अंदाजा न लग पाने के कारण वह पानी में डूबने लगा। गांव के ही एक व्यक्ति की नजर उस पर पड़ी। उसने तत्काल बच्चे को पानी से बाहर निकाला और पांडू स्वास्थ्य केंद्र ले गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पूर्व उपायुक्त छवि रंजन की जमानत याचिका खारिज

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड हाइकोर्ट के जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अदालत ने बरियातू रोड में सेना की कब्जेवाली 4.55 एकड़ जमीन से जुड़े मनी लॉउंड्रिंग मामले में आरोपी पूर्व उपायुक्त छवि रंजन की जमानत याचिका पर फैसला सुनाया। अदालत ने पूर्व उपायुक्त छवि रंजन को राहत देने से इनकार कर दिया। साथ ही उनकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया। 25 जुलाई को मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रार्थी व इडी का पक्ष सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

शव बरामद

साहिबगंज(नबिटा ब्यूरो)। हरिपुर इलाके में बुधवार की अहले सुबह बाढ़ के पानी में एक व्यक्ति का शव पाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर उमड़ पड़ी। सूचना पाकर नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को पानी से बाहर निकालवाया। मृतक की पहचान हबीबपुर निवासी उमेश कुमार मोदी के रूप में हुई है। उनके बड़े भाई अरुण मोदी ने बताया कि उमेश घर के बाहर ज्यादा समय बिताता था और नशे की लत के कारण परिवार परेशान रहता था।

मुठभेड़ में 15 लाख का इनामी माओवादी ढ़ेर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गुमला। झारखंड में पीपल्स लिब्रेशन फ्रंट ऑफ इंडिया को बड़ा झटका लगा है। गुमला पुलिस ने गुप्त सूचना पर पीएलएफआई सुप्रीमो मार्टिन केरकेट्टा को पारही छंगाबारी जंगल में एनकाउंटर में मार गिराया है। मार्टिन पर झारखंड पुलिस ने 15 लाख का इनाम घोषित कर रखा था। गुमला एसपी हारिश बिन जमा और एसडीपीओ नाजिर अख्तर की टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, मार्टिन अपनी टीम के साथ कामडारा में किसी कारोबारी से लेवी लेने पहुंचा था। इसकी सूचना मिलने पर एसपी ने एक टीम गठित कर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर मार्टिन ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलीबारी की जिसमें मार्टिन मारा गया। उसके पास से हथियार भी बरामद किए गए हैं। इस एनकाउंटर में केवल गुमला पुलिस की टीम शामिल थी। बता दें कि एनआईए और झारखंड पुलिस के संयुक्त प्रयास से पीएलएफआई के पूर्व सुप्रीमो दिनेश गोप को नेपाल से गिरफ्तार किया गया था। दिनेश गोप पर 25 लाख रुपए का इनाम था। उसके जेल जाने के बाद मार्टिन को संगठन का सुप्रीमो बनाया गया था। जो संगठन का बिस्तर करने में लगा था। मार्टिन पीएलएफआई की पूरी कमान संभाल रहा था। वह जगह-जगह वारदातों को अंजाम देकर पीएलएफआई के नाम पर खौफ पैदा कर रहा था। उसके द्वारा सबसे ज्यादा रंगदारी मांगने की वारदातें की जा रही थीं। मार्टिन के पास से दो हथियार बरामद किए गए हैं। क्षेत्र में दो अन्य उग्रवादियों को भी गोली लगने की बात सामने आई है। गुमला एसपी हरीश बिन जमा ने घटना की पुष्टि की है। क्षेत्र में अभी भी सर्च ऑपरेशन जारी है। मार्टिन मूल रूप से कामडारा के रेड़मा गांव का रहने वाला था और पीएलएफआई की केंद्रीय समिति का सक्रिय सदस्य था। लेवी वसूली, धमकाने और फायरिंग की रणनीति वही तय करता था। पुलिस को उसकी लंबे समय से तलाश थी। दिनेश गोप की वजह से मार्टिन का संगठन में कद बड़ा था। मार्टिन और दिनेश गोप बचपन के साथी थे। दोनों एक साथ लापुंग के महुगांव स्थित स्कूल में पढ़ाई करते थे। बाद में दोनों ने एक साथ संगठन का विस्तार किया।

फाइल फोटो

पेड़ से लटका मिला युवक-युवती का शव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। जिले के पटमदा क्षेत्र में बुधवार को एक युवक और युवती का शव जंगल में पेड़ से लटका मिला। दोनों पिछले तीन माह से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। युवती शादीशुदा थी। सुबह स्थानीय ग्रामीणों ने जंगल के पास एक पेड़ से दोनों के शव को फांसी के फंदे से लटकते देखा। उन्होंने तुरंत पटमदा थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया। पटमदा थाना प्रभारी करमपाल भगत स्वयं अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। प्रथम दृष्टया इस घटना को सुसाइड माना जा रहा है। हालांकि आत्महत्या की वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। युवक की पहचान जमीनी सिंह के रूप में हुई है, जो पोकला बेड़ा गांव का रहने वाला था। वहीं युवती की पहचान गाड़ी ग्राम निवासी चंदन सिंह की पत्नी के रूप में की गई है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में युवक के परिजनों से पूछताछ की। इधर घटना के बाद पूरे पोकलाबेडा और आसपास के इलाकों में सनसनी फैल गई है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि युवक-युवती को अक्सर साथ देखा जाता था। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मौत का असली कारण और समय पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट रूप से बताया जा सकेगा। पुलिस आत्महत्या के कारणों को लेकर सभी संभावित पहलुओं से जांच कर रही है।

अमित शाह पर टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी को मिली जमानत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को झारखंड के चाईबासा की एक एमपी-एमएलए अदालत ने 2018 में एक रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से जुड़े एक मामले में बुधवार को जमानत दे दी। जानकारी के मुताबिक राहुल गांधी सुबह करीब 10.55 बजे अदालत में पेश हुए। इस दौरान कांग्रेस सांसद के वकील ने कहा कि राहुल गांधी झारखंड उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार अदालत में पेश हुए। उन्होंने जमानत मांगी थी, जो मंजूर हो गई। अब हम प्रक्रिया को आगे बढ़ाएंगे। बता दें कि राहुल गांधी मंगलवार को झारखंड पहुंचे थे। वे यहां पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल होने आए थे, जो रामगढ़ जिले के उनके पैतृक गांव नेमरा में हुआ। यह मामला 2018 में चाईबासा में एक चुनावी रैली के दौरान दिए गए भाषण से जुड़ा है, जिसमें राहुल गांधी ने अमित शाह पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसी को लेकर प्रताप कुमार नाम के एक शख्स ने चाईबासा के मजिस्ट्रेट कोर्ट में उनके खिलाफ मानहानि का केस दर्ज कराया था। प्रताप कुमार का आरोप है कि राहुल गांधी ने जान-बूझकर अमित शाह की छवि को नुकसान पहुंचाने के इरादे से यह बयान दिया था। इससे पहले राहुल गांधी ने 2 जून को झारखंड उच्च न्यायालय का रुख किया था और विशेष अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उन्हें 26 जून को पेश होने का निर्देश दिया गया था। कांग्रेस सांसद के वकील ने 10 जून को उच्च न्यायालय को सूचित किया था कि उनके मुवक्किल निर्धारित दिन पर पेश नहीं हो पाएंगे, और इसके बजाय उन्होंने 6 अगस्त की तारीख देने का अनुरोध किया था।उच्च न्यायालय ने उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया था।

मां, बेटी और दामाद की हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

साहिबगंज। जिले के तालझारी थाना अंतर्गत दुधकोल गांव में बुधवार को एक ही परिवार के तीन लोगों की रॉड से मारकर हत्या कर दी गई। घटना की वजह जमीन विवाद है। वारदात के बाद आरोपी ने थाना में सरेंडर कर दिया। मृतकों में नोहा बेसरा, नथानिएल हांसदा और बड़की मुर्मू शामिल हैं। आरोपी बज्जल हेंब्रम ने सबसे पहले नोहा बेसरा की हत्या की। इसके बाद उसकी बेटी बड़की मुर्मू और दामाद नाथियल हसदा पर वार कर उनकी जान ले ली। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है। आरोपी बज्जल हेंब्रम मृतकों का रिश्तेदार और पड़ोसी है। वारदात को अंजाम देने के बाद उसने खुद को तालझारी थाना में सरेंडर कर दिया। इधर, सूचना मिलते ही राजमहल डीएसपी विमलेश कुमार त्रिपाठी और तालझारी थाना प्रभारी नीतीश कुमार पांडे मौके पर पहुंचे। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वहीं, दूधकोल गांव में ट्रिपल मर्डर की घटना से आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। पुलिस जब पहुंची तो उसे तीन लाश तीन जगह पड़ी मिली। एक शव आंगन में, एक सड़क पर और एक लाश घर में थी। साहिबगंज के एसपी अमित कुमार सिंह ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना में प्रयुक्त रॉड भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

बागबेड़ा में स्थापित होगी शिबू सोरेन की प्रतिमा

जमशेदपुर (नबिटा ब्यूरो)। बागबेड़ा में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा को स्थापित किया जायेगा। यह निर्णय बुधवार को पंचायत प्रतिनिधियों ने लिया। पश्चिम बागबेड़ा पंचायत भवन में बुधवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस दौरान पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने शिबू सोरेन की उपलब्धियों व उनके द्वारा किये गये कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। मुखिया जमुना हांसदा ने बताया कि बागबेड़ा क्षेत्र में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा स्थापित होने से हमेशा उनके योगदान व कार्यों को याद किया जायेगा। वे सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेंगे। मुखिया जमुना हांसदा, सुनील किस्कु, धनमनी मार्डी, मायावती टुडू, पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, चंद्राय टुडू, सविता टुडू, नीलू देवी, आंगनबाड़ी सेविका, ग्रामीण महिला और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की हालत गंभीर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों के अनुसार उन्हें अब तक होश नहीं आया है। वे लगातार लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर हैं। मंगलवार को भी उनके ऑपरेशन को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया जा सका। अब आज डॉक्टरों की एक बोर्ड बैठक होगी, जिसमें ऑपरेशन सहित आगे की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा। रामदास सोरेन को बीते शनिवार सुबह ब्रेन स्ट्रोक आया था। इसके बाद वे अपने घर के बाथरूम में फिसलकर गिर गए जिससे उनके मस्तिष्क में गंभीर चोट आई। तत्काल उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद एयर एम्बुलेंस के जरिए दिल्ली के अपोलो अस्पताल भेजा गया। फिलहाल वे वहीं डॉक्टरों की सघन निगरानी में हैं। सूत्रों के अनुसार सोमवार को उनका एप्निया टेस्ट होना था लेकिन तकनीकी कारणों से यह नहीं हो सका। यह टेस्ट मंगलवार को किए जाने की संभावना थी पर वह भी नहीं हो सकी है। एप्निया टेस्ट के जरिए यह पता लगाया जाएगा कि मस्तिष्क किस हद तक सक्रिय है। जीवनरक्षक प्रणाली के सहारे के बिना शरीर कितनी प्रतिक्रिया दे सकता है। इस टेस्ट में मरीज की सांस कुछ समय के लिए रोकी जाती है और यह देखा जाता है कि बढ़े हुए कार्बन डाईऑक्साइड के स्तर पर मस्तिष्क कैसे प्रतिक्रिया करता है। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी शिक्षा मंत्री के साथ हैं। उन्होंने बताया कि रामदास सोरेन की हालत में फिलहाल कोई खास सुधार नहीं हुआ है लेकिन स्थिति स्थिर है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीमें लगातार हर पहलू पर नजर रख रही हैं। डॉक्टरों की एक टीम के साथ इलाज को लेकर चर्चा चल रही है। इसके बाद ही आगे के इलाज की दिशा तय होगी। इधर, रामदास सोरेन की स्थिति को लेकर उनके परिवार के सदस्य और पार्टी के कार्यकर्ता गहरी चिंता में हैं। अस्पताल में लगातार लोग उनके स्वास्थ्य की जानकारी ले रहे हैं।

अनोखा समाज का दो दिवसीय झूलनोत्सव 9 से

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। देवघर परंपराओं और धार्मिक आस्था का शहर है। यह न केवल श्रावणी मेले और बाबा बैद्यनाथ मंदिर के लिए प्रसिद्ध है बल्कि यहां की लोक परंपराएं भी उतनी ही जीवंत हैं। इन्हीं में से एक है झूलनोत्सव, जो श्रावण मास के अंतिम चरण में श्रद्धा और उत्साह से मनाया जाता है। बाबा बैद्यनाथ मंदिर परिसर के अलावा शहर के विभिन्न मोहल्लों में झूलनोत्सव की धूम रहती है। इस परंपरा को निभाते हुए राम मंदिर रोड झौसागाड़ी स्थित अनोखा समाज द्वारा इस वर्ष भी दो दिवसीय झूलनोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 9 और 10 अगस्त को होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकाश चारण मिश्रा करेंगे। इस आयोजन की विशेषता यह होगी कि अनोखा समाज के रंगमंच पर भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला की मनमोहक झांकी प्रस्तुत की जाएगी। यह दर्शकों को श्रीकृष्ण की लीलाओं का जीवंत अनुभव कराएगी। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में दैत्य रूपों की कलाकारी, चलंत झांकियां और आधुनिक विद्युत सज्जा पूरे क्षेत्र को धार्मिक मेले का रूप देंगी। झांकी मार्ग पर मोहल्ले को रंग-बिरंगी लाइट और सांस्कृतिक झरोखों से सजाया जा रहा है। इस आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय लोगों, नगर प्रशासन और जिला प्रशासन का भी सहयोग मिल रहा है। अनोखा समाज के कार्यकर्ता इन दिनों तैयारियों में दिन-रात जुटे हुए हैं।

हाईकोर्ट का रिम्स को नियुक्ति का आदेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में रिम्स में रिक्त पदों पर भरने और मेडिकल उपकरण खरीदने के मामले में दाखिल जनहित याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने रिम्स निदेशक को रिक्त पदों पर चार सप्ताह में नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। अदालत ने नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर कोर्ट को इसकी जानकारी भी देने को कहा है। अदालत ने निदेशक को योगदान देने के बाद से सरकार से कितना फंड मिला और राशि से किन-किन उपकरणों और मशीनों की खरीद की गई और कितनी राशि वापस की गई। एमआरआइ सहित अन्य मशीनें अभी तक क्यों नहीं खरीदी गई हैं। इसकी जानकारी शपथपत्र के माध्यम से सात अगस्त तक देने को कहा है। एनपीए लेने वाले जिन डॉक्टरों की उपस्थिति कम है, उन पर अभी तक क्या कार्रवाई की गई है या फिर क्या कार्रवाई करने की योजना है। इससे भी कोर्ट को अवगत कराने का निर्देश दिया गया है। सात अगस्त को अदालत ने निदेशक को कोर्ट में उपस्थित रहने को कहा है। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश के आलोक में स्वास्थ्य सचिव और रिम्स निदेशक अदालत में उपस्थित हुए। कोर्ट ने स्वास्थ्य सचिव से पूछा कि रिम्स को जो राशि जारी की जाती है उसका उपयोग क्यों नहीं होता है। राशि के बारे में विभाग जानकारी क्यों नहीं लेता हैं। राशि खर्च नहीं होने पर कार्रवाई क्यों नहीं की जाती। इस पर सचिव ने कहा कि रिम्स स्वायत्तशाषी संस्था है। रिम्स की संचालन समिति है। समिति के निर्णय के अनुसार ही राशि खर्च की जाती है। सरकार समय-समय पर फंड देती है। प्रार्थी ज्योति शर्मा ने जनहित याचिका दाखिल कर रिम्स में रिक्त पदों पर नियुक्ति नहीं किए जाने और जरूरी मशीन नहीं होने का मामला उठाया गया है। इस पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने मंगलवार को स्वास्थ्य सचिव और रिम्स निदेशक को अदालत में हाजिर होने का निर्देश दिया था। सरकार की ओर से बताया गया कि रिम्स को फंड दिए जाते हैं और रिम्स की ओर से फंड वापस भी किया जाता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट के बताया गया था कि रिम्स के कई चिकित्सक निजी प्रैक्टिस नहीं करने का भत्ता भी लेते हैं और प्राइवेट प्रैक्टिस भी कर रहे हैं। इस पर कोर्ट ने ऐसे सभी चिकित्सकों का बायोमेट्रिक अटेंडेंस लेकर कोर्ट में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

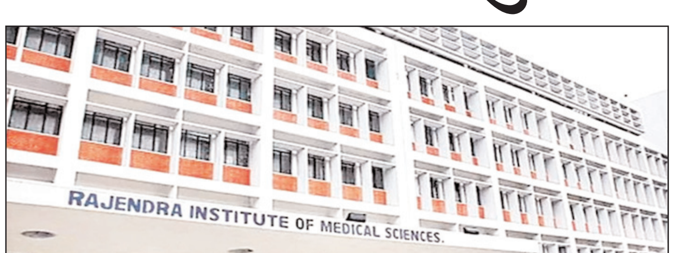

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :

Manaitand, Near Water Tank

Dhanbad, Jharkhand- 826001

Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

बिहार में बिजली घर बनाएगा अदाणी ग्रुप
2400 मेगावाट होगा उत्पादन, रोजगार की भी बहार

पटना, एजेंसी। बिहार में अब तक का सबसे अधिक निजी निवेश देश का नामी औद्योगिक समूह अदाणी करेगा। अदाणी ने भागलपुर के पीरपैंती में प्रस्तावित 24 सौ मेगावाट की बिजली परियोजना के लिए सबसे कम बोली लगाई है। अदाणी समूह पीरपैंती बिजली घर को बनाने में 25 हजार करोड़ का निवेश करेगा। बिहार सरकार अदाणी समूह से 6.08 रुपये प्रति यूनिट की दर से अगले 30 वर्षों तक बिजली खरीदेगी। एजेंसी का चयन होने के साथ ही इस परियोजना के शिलान्यास की तैयारी शुरू कर दी गई है। पांच साल में यहां से बिहार को बिजली मिलने लगेगी।

अधिकारियों के अनुसार, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने वर्ष 2035 तक बिहार में बिजली की खपत 17 हजार मेगावाट होने की उम्मीद जताई है। पीरपैंती बिजली घर इस जरूरत को पूरा करने में सहायक साबित होगा। बिहार की यह अपनी और सबसे बड़ी बिजली इकाई है। इस परियोजना से डेढ़ हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। पीरपैंती में 800 मेगावाट की तीन इकाई का निर्माण होगा, जो अत्याधुनिक तकनीक सुपर क्रिटिकल पर आधारित होगा। यानी अभी जितना कोयले में 660 मेगावाट बिजली उत्पादित होती है, उतने से ही 800 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा।

बिजली घर के लिए पीरपैंती में एक हजार एकड़ से अधिक जमीन पहले से ही अधिग्रहित है। हालांकि जरूरत के अनुसार सरकार और जमीन का अधिग्रहण कर सकती है। बिहार सरकार के अनुरोध पर कोयला मंत्रालय ने पीरपैंती बिजली घर को झारखंड के राजमहल से कोल ब्लॉक आवंटित किया है। अगले 30 वर्षों के लिए 12 मिलियन टन कोयला इस बिजली घर को मिलेगा। बिजली घर बनाने के लिए जारी निविदा में जेएसडब्ल्यू इनर्जी, एमबी पावर, टॉरेंट पावर और अदाणी पावर ने भाग लिया था। मगर 4.16 रुपये प्रति यूनिट फिक्सड चार्ज और 1.92 रुपये प्रति यूनिट फ्यूल चार्ज और ट्रांसपोटेशन चार्ज की बोली लगाकर अदाणी समूह ने बाजी मार ली।

जमीन हस्तांतरण पर कैबिनेट ने मुहर लगाई

पीरपैंती में पहले सोलर पावर प्लांट लगना था, लेकिन इसकी व्यवहारिकता नहीं होने से राज्य सरकार ने ताप विद्युत घर बनाने का निर्णय लिया। सबसे कम बोली लगाने वाली एजेंसी को सरकार ने निबंधन एवं मुद्रांक शुल्क की अदायगी पर एक रुपये प्रतिवर्ष के हिसाब से 33 वर्षों के लिए जमीन हस्तांतरित कर दी। मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इसकी मंजूरी दे दी गई। साथ ही पीरपैंती में 800 मेगावाट की तीन इकाई बनने का रास्ता साफ हो गया। बिहार के ऊर्जा, योजना एवं विकास मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने कहा कि राज्य सरकार की सबसे बड़ी बिजली घर परियोजना पीरपैंती है। नियमानुसार एजेंसी का चयन कर लिया गया है। चयनित एजेंसी इसमें पैसा खर्च कर बिजली घर का निर्माण करेगी। सरकार बिजली की खरीदारी करेगी। यह परियोजना बिहार में निजी निवेश की सबसे बड़ी परियोजना होगी। इससे बिहार को आने वाले वर्षों में बिजली की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

पटना में हवाला का 55 लाख बरामद : 20 दिन से पटना में ठहरे थे तीन संदिग्ध, गुजरात से हैं तीनों आरोपी

पटना, एजेंसी। पटना के जक्कनपुर थाना क्षेत्र के मीठापुर बाईपास चेकपोस्ट से तीन संदिग्ध पकड़े गए हैं। इनके पास से 55 लाख मिले हैं। इसका स्पष्ट तौर पर जवाब नहीं दे पा रहे हैं। तीनों से जक्कनपुर थाने में पूछताछ हो रही है। तीनों आरोपी दर्शन, निलेश, कन्नू हैं, जो पाटन गुजरात के रहने वाले हैं। 70 फीट से ओला बुक कर बोरिंग रोड नेहरू नगर रोड नम्बर 4 में किसी व्यक्ति को हवाला के रुपए देने जा रहे थे। इसी दौरान वाहन चेकिंग के दौरान पकड़े गए। तीनों बोरिंग रोड में रेंट पर ठहरे थे। तीनों अलग अलग जवाब दे रहे हैं। कोई दो दिन पहले तो कोई 20 दिन पहले पटना आने की बात कह रहा है। सही जवाब नहीं दे रहे हैं। इन्होंने कहा है कि कोई सुरेश नाम के शख्स को डिलिवरी देने जा रहे थे। पुलिस की ओर से सनहा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की ओर से इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को सूचित किया गया है। टीम इसकी जांच पड़ताल करेगी। पुलिस को इनके मोबाइल से हवाला के साक्ष्य मिले हैं। पुलिस इनसे रुपए का हिसाब मांग रही है। लेकिन खबर लिखे जाने तक इन लोगों ने जवाब नहीं दिया था।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र से सोने के बर्तन चोरी कर पहुंचा मधुबनी, 2 राज्य की पुलिस मिलकर की छापेमारी

मधुबनी, एजेंसी। मधुबनी नगर थाना क्षेत्र के बरा बाजार स्थित सोनारपट्टी इलाके में महाराष्ट्र पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से छापेमारी की। छापेमारी महाराष्ट्र में दर्ज एक चोरी के मामले से जुड़ी थी। महाराष्ट्र पुलिस के अनुसार, वहां के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी के घर से कीमती सोने के बर्तनों की चोरी हुई थी। इस मामले में एक आरोपी के मधुबनी जिले में छिपे होने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर महाराष्ट्र पुलिस की एक विशेष टीम मधुबनी पहुंची। नगर थाना से सहयोग प्राप्त कर सोनारपट्टी क्षेत्र में स्थित एक मकान की घेराबंदी कर छापेमारी की गई। नगर थाना अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार ने बताया कि इस संयुक्त अभियान के दौरान एक युवक को हिरासत में लिया गया है। वह उक्त मामले में संलिप्त होने का संदेह है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पूछताछ के दौरान कुछ अहम सुराग मिलने की संभावना है। इससे चोरी के पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सकता है। छापेमारी की खबर फैलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में रखा। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार युवक का कनेक्शन चोरी की घटना से है या वह किसी गिरोह से जुड़ा है, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि पूछताछ में और नाम सामने आते हैं, तो आगे और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है और महाराष्ट्र पुलिस आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रही है।

खगड़िया समाहरणालय का कर्मी गन हाउस मामले में अरेस्ट

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया के हाई प्रोफाइल विशाल गन हाउस मामले में पुलिस ने हथियार की खरीद फरोख्त के धंधे में शामिल इन्द्रजीत कुमार के पार्टनर को भी धर दबोचा है। अविनाश खगड़िया समाहरणालय के सामान्य शाखा के आर्म्स सेक्शन का कार्यपालक सहायक निकला। के.हाट थाना और एसटीएफ की टीम ने खगड़िया के कचहरी पथ से इसे गिरफ्तार किया। कार्यपालक सहायक अविनाश कुमार ही मुर्दे के हथियार का लाइसेंस हथियार तस्कर को उपलब्ध कराया करता था। पुलिस की पूछताछ में अविनाश ने खुद ये बात कुबूल की, जिसके बाद के.हाट थाना की पुलिस ने अविनाश कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इससे पहले हथियार की खरीद फरोख्त के मामले में पुलिस और एसटीएफ ने विशाल गन हाउस के मालिक इंद्रजीत कुमार को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में इन्द्रजीत ने अविनाश कुमार का नाम उगला था। साथ ही ये बताया था कि अविनाश खगड़िया समाहरणालय के सामान्य शाखा के आर्म्स सेक्शन में कार्यपालक सहायक है। इसी के बाद अविनाश की गिरफ्तारी के लिए के.हाट थाना और एसटीएफ की संयुक्त टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने खगड़िया के कचहरी पथ से आर्म्स सेक्शन के कार्यपालक सहायक अविनाश कुमार को धर दबोचा और फिर उसे गिरफ्तार कर पूर्णिया के के.हाट थाना लाया गया। सख्ती से पूछताछ में अविनाश कुमार ने बताया कि वो खगड़िया समाहरणालय के सामान्य शाखा के आर्म्स सेक्शन में कार्यपालक सहायक है। वो और इंद्रजीत अवैध रूप से हथियार तस्करी के धंधे में एक दूसरे से जुड़े रहे। अविनाश ने आगे बताया कि उसने ही खगड़िया के रहने वाले जगदीश प्रसाद निराला और शेखपुरा के मृत लाइसेंसधारी के लाइसेंस को विशाल गन हाउस के संचालक इंद्रजीत कुमार को उपलब्ध कराया था। विशाल गन हाउस के संचालक इन्द्रजीत कुमार ने खगड़िया के रहने वाले जगदीश प्रसाद निराला के नाम पर फर्जी तरीके से 90 कारतूस बेचे थे। इसी साल जून में अलग-अलग तारीखों में ये कारतूस बेचे गए थे।

मुजफ्फरपुर में 20 लाख की एनसीईआरटी-बीटीबीसी की नकली किताबें जब्त

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर की नगर थाना पुलिस ने मंगलवार मोतीझील के पी.एन. राय गली स्थित 'शंकर पुस्तक भंडार' के गोदाम में छापेमारी की है। यहां से 20 लाख रुपए से अधिक मूल्य की नकली एनसीईआरटी- और बीटीबीसी की किताबें जब्त की हैं। इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 318 बीएनएस व कॉपीराइट एक्ट 1957 की धारा 63/65 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। एनसीईआरटी के कोलकाता कार्यालय से शिकायत मिलने के बाद स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई थी। कोलकाता से आई लीगल टीम, जिसमें अधिकारी जितेश लुहाने शामिल थे। इन्होंने गुप्त जांच के बाद नगर थाना पुलिस की मदद से छापेमारी की। छापेमारी के दौरान हजारों की संख्या में नकली पाठ्यपुस्तकें बरामद हुईं। आरोपी अवैध तरीके से इन पुस्तकों को बाजार में बेचकर कम समय में अधिक मुनाफा कमाने की फिराक में थे। पुलिस को शक है कि इस नेटवर्क में कई अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं।

दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा : ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने इस कार्रवाई को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, ÷शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में नकली सामग्री की बिक्री एक गंभीर अपराध है, जिससे न केवल छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ होता है बल्कि सरकार को राजस्व की नुकसान भी होती है। दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।÷ फिलहाल पुलिस इस अवैध नेटवर्क की गहन जांच में जुटी है और जल्द ही संदिग्धों की गिरफ्तारी की उम्मीद जताई जा रही है। एनसीईआरटी के कोलकता रीजन के बिजनेस मैनेजर गीतेश सुहाने ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि मुजफ्फरपुर में एनसीईआरटी के नकली पुस्तकों की बिक्री की जा रही है।

दरभंगा में ससुर ने नर्सिंग छात्र को गोली मारी, मौत

गुस्साए लोगों ने आरोपी को पीटा, इंटर कास्ट लव मैरिज से नाराज था

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा डीएमसीएच परिसर में मंगलवार शाम एक छात्र की गोली मार कर हत्या कर दी गई। बीएससी नर्सिंग कॉलेज के हॉस्टल गेट पर छात्र का मर्डर हुआ है। मृतक की पहचान राहुल कुमार (24) के रूप में हुई है, जो बीएससी नर्सिंग, सेकेंड सेमेस्टर का छात्र था।

घटना को अंजाम राहुल की पत्नी तन्नू प्रिया के पिता प्रेमशंकर झा (45) दिया है। प्रेमशंकर सहरसा जिले के वनगांव के रहने वाले हैं। आक्रोशित छात्रों ने प्रेमशंकर को मौके पर पकड़कर जमकर पिटाई की। आरोपी की हालत गंभीर बताई जा रही है और वह डीएमसीएच में ही इलाजरत है। राहुल ने करीब चार महीने पहले अपने कॉलेज की ही फर्स्ट सेमेस्टर की छात्र तन्नू प्रिया (22) से लव मैरिज किया था। राहुल हॉस्टल के ऊपरी तल्ले पर रहता था, जबकि तन्नू प्रिया निचले तल्ले पर रहती थी। इंटर कास्ट मैरिज से लड़की के परिजन नाराज थे।

राहुल कुमार, मृतक

सीने में मारी गोली

मंगलवार शाम हॉस्टल के सामने उपस्थिति दर्ज कराकर लौट रहे राहुल को अचानक प्रेमशंकर झा ने नजदीक से पिस्तौल सटाकर गोली मार दी। गोली सीधे सीने में लगने से राहुल की मौके पर ही मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनते ही हॉस्टल में अफरा-तफरी मच गई। छात्रों ने मौके पर मौजूद आरोपी को घेर लिया और पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। बाद में उसे पुलिस ने कब्जे में लेकर इलाज के लिए डीएमसीएच इमरजेंसी में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना से गुस्साए नर्सिंग कॉलेज के छात्रों ने इमरजेंसी विभाग के मेन गेट को जाम कर दिया और उग्र प्रदर्शन करते हुए चिकित्सा सुविधाओं को ठप कर दिया। सूचना पर बेंता थाना समेत भारी संख्या में पुलिस बल कैंपस पहुंची। समझाने के दौरान छात्रों से धक्का-मुक्की भी हुई। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। मौके पर हंगामा बढ़ता देख जिलाधिकारी कौशल कुमार और वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी भी डीएमसीएच पहुंचे। छात्र-छात्राओं को शांत कराने का प्रयास किया। फिलहाल कैंपस में शांति बनी हुई है। पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। सदर एसडीएम विकास कुमार, सदर एसडीपीओ राजीव कुमार सहित करीब 6 थाने की पुलिस मौके पर पहुंची हुई है।

मामले की जांच जारी

पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। आरोपी पर हत्या का मामला दर्ज करते हुए कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी ने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि मृतक छात्र ने कॉलेज की ही एक स्टूडेंट से प्रेम विवाह किया था, जिससे नाराज होकर लड़की के पिता ने घटना को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीओ व सदर एसडीपीओ मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि मृतक छात्र ने लव मैरिज की थी और इसी कारण गुस्से में आकर लड़की के पिता ने हॉस्टल गेट पर गोली मार दी। आरोपी की पहचान प्रेमशंकर झा (सहरसा निवासी) के रूप में हुई है।

केवटसा-कटरा-रुन्नीसैदपुर रोड में पथ निर्माण विभाग बनाएगी नाला

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। पथ प्रमंडल दो मुजफ्फरपुर केवटसा-कटरा-रुन्नीसैदपुर रोड में 32वें किमी पर जल निकासी के लिए नाला का निर्माण कराएगी। इस पर करीब 1.29 करोड़ की लागत से निर्माण होगा। इसके निर्माण के लिए छह महीने का समय रखा गया है। निर्माण के लिए पथ प्रमंडल दो मुजफ्फरपुर के कार्यपालक अभियंता ओमप्रकाश ने टेंडर निकाला है। टेंडर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण का कार्य शुरू होगा।

पूर्णिया एयरपोर्ट का 25 अगस्त को पीएम नरेंद्र मोदी कर सकते हैं उद्घाटन

पटना, एजेंसी। बिहार के पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन 25 अगस्त को होने की संभावना है। उद्घाटन को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं।सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस नये हवाई अड्डे का उद्घाटन कर सकते हैं। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) उद्घाटन की तैयारियों में जुट गया है। पहले चरण में इंडिगो एयरलाइंस ने यहां से उड़ान की सुविधा देने में दिलचस्पी दिखाई है।

इंडिगो पूर्णिया से दिल्ली के लिए नियमित उड़ान सेवा शुरू करेगी, जिससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा। पटना, गया, दरभंगा के बाद यह बिहार का चौथा नागरिक एयरपोर्ट होगा, जहां से विमानों का संचालन हो सकेगा। पूर्णिया एयरपोर्ट का निर्माण क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के लिए किया गया है। यह हवाई अड्डा कोसी और सीमांचल क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। यह आर्थिक और सामाजिक विकास को गति देगा। एयरपोर्ट के शुरू होने से न केवल पूर्णिया बल्कि आसपास के जिलों जैसे कटिहार, अररिया और किशनगंज के लोगों को भी सुविधा होगी। यात्रियों को बागडोगरा, दरभंगा या पटना एयरपोर्ट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

समस्तीपुर में संदिग्ध हालत में महिला की मौत

इंटर कास्ट मैरिज की थी, सब्जी बेचने के दौरान हुआ था प्यार

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर में संदिग्ध हालत में एक महिला की मौत हो गई। डेढ़ साल पहले इंटर कास्ट लव मैरिज की थी। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान बबलू यादव की पत्नी सोनम कुमारी(20) के तौर पर हुई है। घटना दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के केवटा गांव की है। मृतका की बड़ी बहन फुलो देवी ने बताया कि सोनम दो साल पहले दलसिंहसराय मंडी में सब्जी बेचने का काम करती थी। इस दौरान बबलू यादव से उसकी दोस्ती हो गई। वो भी मंडी में सब्जी बेचता था। जान-पहचान बढ़ने पर डेढ़ साल पहले दोनों ने मंदिर में शादी कर ली। कुछ दिन बाद परिवार की रजामंदी से साथ रहने लगे। इस दौरान सोनम ने एक बच्चे को जन्म दिया। शादी के कुछ दिन बाद से ही ससुराल वाले दहेज के लिए तंग करने लगे। कैश और जेवरात की डिमांड करने लगे। नहीं देने पर उसे पीटा जाता

था। इस बात की चर्चा कई बार उसने फोन पर की थी। परिवार के सदस्यों ने कई बार बबलू का समझाया। एक-दो दिन ठीक रहते थे। फिर परेशान करने लगते थे। पति के साथ मिलकर ससुराल वालों ने जहर देकर मेरी बहन को मार डाला।

पूरा परिवार घर छोड़कर भाग गया

फुलो देवी ने आगे कहा कि मौत की सूचना पर हमलोग केवटा गांव पहुंचे। देखते ही बबलू भड़क गया। मारपीट करने लगा। जिसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही पूरा परिवार घर छोड़कर भाग गया।

आवेदन के आधार पर होगी कार्रवाई

इस संबंध में दलसिंहसराय के डीएसपी विवेक शर्मा ने कहा कि मामला संदिग्ध है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही हत्या की वजह स्पष्ट हो सकेगी। अभी तक परिवार के लोगों ने आवेदन नहीं दिया। आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्जकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

नालंदा में बन रहा देश का दूसरा बहाई मंदिर: अगले साल बन कर तैयार होगा

दिल्ली के लोटस टेंपल की तरह दिखेगा

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के बिहारशरीफ प्रखंड के हरगांवा गांव में इतिहास रचा जा रहा है। यहां देश का दूसरा और बिहार का पहला बहाई मंदिर (उपासना गृह) बनकर तैयार हो रहा है, जो 2026 के अंत तक श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का 30 प्रतिशत निर्माण काम पूरा हो चुका है। दिल्ली के प्रसिद्ध लोटस टेंपल की भांति इस उपासना गृह का डिजाइन तैयार किया गया है। दिल्ली की स्पेश मेटर्स संस्था की ओर से तैयार किए गए इस डिजाइन में स्थानीय संस्कृति और आध्यात्मिक पृष्ठभूमि का सुंदर समावेश किया गया है। गुंबदनुमा संरचना वाले इस मंदिर की सबसे आकर्षक विशेषता इसकी कलाकृति होगी। गुंबद पर न केवल आकर्षक नक्काशी होगी, बल्कि प्रसिद्ध मधुबनी कला भी देखने को मिलेगी। मेहरावों और छत की संरचना पंखों और पत्तियों के ताने-बाने जैसी होगी, जिसमें बने सुराखों से दिन में प्राकृतिक प्रकाश भीतर आएगा और रात में अंदर की रोशनी बाहर निकलेगी।

बहाई समुदाय के केवल पांच उपासना स्थल : यह जानना दिलचस्प है कि हरगांवा में बनने वाला यह मंदिर विश्व का छठा बहाई उपासना गृह होगा। वर्तमान में पूरी दुनिया में बहाई समुदाय के केवल पांच उपासना स्थल हैं। इस परियोजना की घोषणा 2012 में इजराइल के हाइफा स्थित बहाईयों की सर्वोच्च संस्था विश्व न्याय मंदिर की ओर से की गई थी, जो अब मूर्त रूप ले रही है। इस उपासना गृह की सबसे बड़ी विशेषता इसका धर्मनिरपेक्ष चरित्र है। यहां सभी धर्मों, संप्रदायों और क्षेत्रों के लोग अपने-अपने इष्टदेव के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए प्रार्थना और इबादत कर सकेंगे। बहाई धर्म की मान्यता के अनुसार सभी धर्मों की नींव और उद्देश्य एक ही है - प्रेम, शांति, एकता और सद्भावना की स्थापना। यहां लोग जीवन, धर्म और अध्यात्म से जुड़े गहरे प्रश्नों के उत्तर तलाश सकेंगे। यह स्थल गौरव, शांति और बेहतर वातावरण का उत्कृष्ट आध्यात्मिक केंद्र बनेगा। लगभग आठ एकड़ क्षेत्र में फैले इस परिसर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। तालाब और उद्यान के लिए अतिरिक्त भूमि भी अधिग्रहीत की जा रही है। उपासना गृह के निर्माण के बाद विकास के अगले चरण में कई लोकोपकारी संस्थाओं की स्थापना होगी। इनमें अस्पताल, औषधालय, वृद्धाश्रम, अनाथालय, विद्यालय और शिक्षा केंद्र शामिल हैं। जब ये सभी संस्थाएं पूरी रूप से कार्यशील हो जाएंगी, तो सेवा और उपासना की वास्तविक भावना साकार हो जाएगी।

कार में शराब पार्टी करते लड़कों ने महिला को कुचला, एक पकड़ाया और 3 फरार

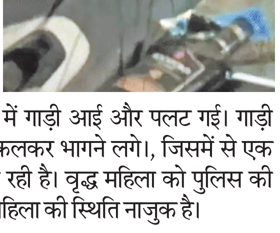

पटना, एजेंसी। पटना के गांधी मैदान थाना क्षेत्र के गेट नंबर 5 के पास एक बेकाबू गाड़ी ने सड़क किनारे बैठी महिला को कुचल दिया। गाड़ी में 4 से 5 की संख्या में युवक मौजूद थे। कार के अंदर ही बैठकर सभी शराब पार्टी कर रहे थे। तभी रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से हाई स्पीड में गाड़ी आई और पलट गई। गाड़ी पलटने के बाद अंदर मौजूद युवक निकलकर भागने लगे।, जिसमें से एक पकड़ा गया है। फिलहाल पूछताछ चल रही है। वृद्ध महिला को पुलिस की मदद से पी.एम.सी.एच. भेजा गया है। महिला की स्थिति नाजुक है।

एमपी से पटना आए थे सभी युवक

गांधी मैदान एडिशनल एसएचओपरितोष कुमार ने बताया कि पकड़े गए युवक का नाम विशाल भदौरिया है। कार में 4 युवक सवार थे। सभी मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं। विशाल ने पूछताछ में बताया है कि आज ही पटना आए थे। कार के अंदर शराब पार्टी कर रहे थे। इनके तीन साथी फिलहाल फरार हैं, जिनका नाम निखिल कुशवाहा, संजू भदौरिया, आशीष भदौरिया है। तीनों पढ़ाई करते हैं। अभी पूछताछ जारी है।--

तीन बार राज्यसभा के लिए चुने गए गुरुजी, लेकिन कभी पूरा नहीं कर सके कार्यकाल, यहां जानिए कब और क्यों छोड़नी पड़ी सदस्यता

रांची, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन राज्यसभा के लिए तीन बार निर्वाचित हुए, लेकिन तीनों बार वे कार्यकाल पूरा नहीं कर सके।

पूर्व में दोनों बार किसी न किसी कारणों से उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। तीसरे कार्यकाल में उनके निधन होने के कारण कार्यकाल पूरा नहीं हो सका।

गुरुजी तीसरी बार 22 जून 2020 को राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे, जिनका कार्यकाल 21 जून 2026 को पूरा होना था। शिबू सोरेन सबसे पहली बार आठ जुलाई 1998 को राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। उस समय उनके विरुद्ध चुनाव में खड़े तथा प्राप्त मतों में दूसरे स्थान पर रहे दयानंद सहाय ने उनके निर्वाचन को पटना उच्च न्यायालय में चुनौती दी।

यह कहते हुए चुनाव याचिका दायर थी कि वे झारखंड क्षेत्र स्वशासी परिषद (जैक) के अध्यक्ष होने के कारण लाभ के पद पर थे। न्यायालय ने चुनाव याचिका को स्वीकार करते हुए शिबू सोरेन के निर्वाचन को रद कर दिया था। शिबू सोरेन ने पटना उच्च न्यायालय के आदेश के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में अपील दाखिल की थी।

इनकी अपील शीर्ष न्यायालय ने जैक के अध्यक्ष का पद लाभ का पद बताते हुए 19 जुलाई 2001 को निरस्त कर दी थी। हालांकि शिबू ने इससे एक दिन पहले 18 जुलाई 2001 को ही राज्यसभा के सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया था।

शिक्षा मंत्री की हालत नाजुक, विश्व आदिवासी दिवस पर होने वाला कार्यक्रम स्थगित

रांची, एजेंसी। विश्व आदिवासी दिवस के खास मौके पर झारखंड में प्रस्तावित 9 अगस्त से 11 अगस्त तक तीन दिनों का कार्यक्रम स्थगित कर दिया है. राज्य सरकार ने शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के अस्वस्थ होने के कारण बताते हुए आदिवासी महोत्सव स्थगित कर दिया है. आदिवासी दिवस आयोजित करने के लिए इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी के चयन संबंधी टेंडर भी कल सोमवार को स्थगित कर दिया गया.

तीन दिवसीय आदिवासी महोत्सव स्थगित किये जाने के बाद अब राज्य सरकार एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने पर विचार कर रही है. यह एक दिवसीय कार्यक्रम 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के दिन करने का विचार किया जा रहा है. ऐसे में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर एक छोटा का कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा.

मालूम हो शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की स्थिति गंभीर बनी हुई है. शनिवार 2 अगस्त को वह अपने बाथरूम में बेसुध होकर गिर पड़े थे, जिसके बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए दिल्ली ले जाया गया. दिल्ली के अपोलो अस्पताल में फिलहाल उनका इलाज चल रहा है. डॉक्टर के अनुसार उनके मस्तिष्क में ब्लड क्लोटिंग हो गयी है. डॉक्टर्स उनके ऑपरेशन पर विचार कर रहे हैं. अभी लाइफ सपोर्ट सिस्टम के सहारे उनकी सांसें चल रही हैं.

वास्को डी गामा एक्सप्रेस से चार नाबालिग किये गये रेस्क्यू

धनबाद, एजेंसी। आरपीएफ व जीआरपी की संयुक्त टीम ने सोमवार को बाल तस्करी का प्रयास विफल कर दिया. टीम ने गाड़ी संख्या 17323 (वास्को डि गामा एक्सप्रेस) से चार नाबालिग बच्चों को रेस्क्यू किया. उन्हें काम कराने के लिए कर्नाटक ले जाया जा रहा था.

चाइल्ड हेल्प डेस्क धनबाद को सूचना मिली थी कि ट्रेन के जनरल कोच और बी वन कोच में कुछ नाबालिग बच्चे यात्रा कर रहे हैं, जिन्हें बालश्रम के लिए दक्षिण भारत भेजा जा रहा है. इसके बाद प्रभारी निरीक्षक, आरपीएफ पोस्ट धनबाद के नेतृत्व में और चाइल्ड लाइन की टीमों ने प्लेटफार्म संख्या छह पर ट्रेन की संयुक्त जांच की. इस दौरान जनरल कोच से तीन नाबालिग लड़कों को बरामद किया गया. इस दौरान ट्रेन कतरास के लिए रवाना हो गयी. इसके बाद टीम कतरास स्टेशन पहुंची, जहां जनरल कोच से एक और नाबालिग लड़के को रेस्क्यू किया गया. आरपीएफ ने बताया कि पूछताछ में लड़कों ने बताया कि उन लोगों को काम कराने कर्नाटक ले जाया जा रहा है. रस्क्यू किये गये लड़कों में बिहार के जमुई जिला के सोनो थाना क्षेत्र के बाबूडीह निवासी शहबाज अंसारी, बांका जिला के चूरौली निवासी अनीश अंसारी, झारखंड के गोड्डा जिला के बलबड़ा कुठिया निवासी अफताब शेख व गोड्डा के बसंत तराई स्थित मसटिकरी निवासी गुलाम अंसारी शामिल हैं. सभी चारों बच्चों को चाइल्ड लाइन अग्रतर कार्रवाई के लिए अपने साथ ले गयी.

चेक बाउंस मामले में बॉलीवुड अभिनेता विक्रम सिंह को एक साल जेल की सजा

रांची, एजेंसी। एक करोड़ रुपए का चेक बाउंस से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी दिव्या राघव की अदालत ने आरोपी बॉलीवुड अभिनेता रांझा विक्रम सिंह को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने अभिनेता को एक साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने उसे चेक बाउंस की राशि एक करोड़ रुपए एवं हर्जाना 20 लाख मिलाकर कुल 1.20 करोड़ रुपया मामले के शिकायतकर्ता निलोय कुमार झा के पक्ष में भुगतान करने का आदेश दिया है।

माओवादियों पर सुरक्षाबलों का एक्शन, एके-47 की 83 गोलियों के साथ एक माओवादी गिरफ्तार

पिपरवार, एजेंसी। पिपरवार थाना क्षेत्र के खंधार गांव में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति के घर से एके-47 राइफल में प्रयुक्त भारी मात्रा में जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। यह अवैध कारतूस (गोलियां) कथित तौर पर टीएसपीसी उग्रवादी संगठन से संबंधित बताए जा रहे हैं। पुलिस ने मौके से एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान 33 वर्षीय मनोज तिग्गा पिता लिबनुस तिग्गा ग्राम खंधार पोस्ट बहेरा थाना पिपरवार जिला चतरा के रूप में हुई है। गुप्त सूचना के आधार पर टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन कर 5 अगस्त की रात को यह कार्रवाई की गई।

छापेमारी के दौरान मनोज तिग्गा के घर से एक एके-47 में प्रयुक्त 7.62 एमएम की कुल 83 जिंदा गोलियां बरामद की गईं। पुलिस के अनुसार, यह हथियार टीएसपीसी उग्रवादी संगठन से जुड़ा बताया जा रहा है।

आरोपी के विरुद्ध पिपरवार थाना कांड संख्या 23/2025 के तहत आर्म्स एक्ट और सीएलए एक्ट की

संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी को चतरा जेल भेज दिया गया।

इस छापेमारी अभियान में टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार के अलावा पिपरवार थाना प्रभारी अभय कुमार, पुअनि सुरेन्द्र उपाध्याय, सअनि बंसत कुमार महतो, आरक्षी शंभू यादव, संतोष यादव सहित पिपरवार थाना के अन्य सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पिपरवार पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में उग्रवाद के विरुद्ध एक बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। इससे माओवादी हमलों को रोकने में मदद मिलेगी।

पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल को सूचना मिली थी कि खंधार गांव में टीएसपीसी के लिए काम करने वाला एक व्यक्ति संगठन द्वारा दिए गए हथियार छुपाकर रखे हुए है। सूचना की पुष्टि के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (डीएसपी) टंडवा प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

गांव के घर से बीती रात दबोचा गया: टीम ने 5 अगस्त की रात को खंधार गांव स्थित मनोज तिग्गा के घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान उसके घर से एके-47 की 83 जिंदा गोलियां बरामद हुईं। पुलिस ने मौके से मनोज तिग्गा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ कि वह टीएसपीसी उग्रवादियों के लिए काम करता था और उनके निर्देश पर हथियारों को छुपाकर रखा था। इस मामले में पिपरवार थाना में आर्म्स एक्ट और सीएलए एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

नक्सलियों को नियंत्रित करने के लिए चलता रहेगा अभियान: पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उग्रवादी गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। फिलहाल, पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई करते हुए अन्य उग्रवादियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। इस ऑपरेशन में डीएसपी टंडवा प्रभात रंजन बरवार के साथ-साथ थाना प्रभारी अभय कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक सुरेन्द्र उपाध्याय, सहायक अवर निरीक्षक बसंत कुमार महतो, आरक्षी शंभु यादव, संतोष यादव सहित अन्य सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

तेज रफ्तार हाइवा ने मजदूर को कुचला, मौके पर मौत, मचा कोहराम

केंदुआ, एजेंसी। धनबाद–बोकारो मुख्य मार्ग पर आज बुधवार की सुबह एक बार फिर रफ्तार का कहर टूटा और एक जिंदगी असमय थम गयी. केंदुआडीह थाना क्षेत्र के श्रीराम टी एंड स्वीट्स दुकान के समीप तेज रफ्तार हाइवा ने एक दिहाड़ी मजदूर को कुचल दिया. हादसे में मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गयी. मृतक की पहचान 55 वर्षीय जगदीश सिंह के रूप में हुई है. यह दर्दनाक घटना सुबह करीब 6 से 6-45 बजे के बीच की है. सुबह जगदीश सिंह रोजाना की तरह टहलने निकले थे और डिवाइडर के कट से सड़क पार कर रहे थे. इसी दौरान धनबाद की ओर से आ रही तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भयानक थी कि उनका सिर बुरी तरह कुचल गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी. मजदूर को टक्कर मारने के बाद चालक हाइवा लेकर मौके से फरार हो गया. मजदूर का शव देख मौके पर मौजूद लोग सन्न रह गये. घटना की जानकारी मिलते ही मृतक की पत्नी सोनी देवी समेत परिजन मौके पर पहुंचे. परिजनों का रोरोकर बुरा हाल है. घटना के विरोध में आक्रोशित स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए और धनबाद–केंदुआ मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया.

फिल्मी अंदाज में फायरिंग, सीसीटीवी से पहचाने गए हमलावर, रवि यादव की पुरानी फाइल पर भी पुलिस की नजर

जमशेदपुर, एजेंसी। परसुडीह थाना क्षेत्र के कीताडीह, ग्वाला पट्टी में मंगलवार शाम करीब 5 बजे राष्ट्रीय जनता दल के जिला सचिव कन्हैया यादव के पुत्र रवि यादव पर अपराधियों ने सनसनीखेज ढंग से घेराबंदी कर ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस हमले में रवि को पांच गोलियां लगीं, जिससे उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

उन्हें पहले सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां से टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) रेफर किया गया। घटना की सूचना पर परसुडीह और बागबेड़ा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल से चार खोखे बरामद हुए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो अपराधियों की पहचान कीताडीह पुराना पोस्ट ऑफिस रोड निवासी नेहाल तिवारी उर्फ शुभम और रेलवे ट्रैफिक कॉलोनी के समीर सिंह के रूप में हुई। अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। बुधवार की सुबह एक और संदिग्ध की पहचान लिए गए हैं। पुलिस का दावा है, सभी हमलावर जल्द शिकंजे में होंगे।

पुलिस ने एक अपराधी के घर के पास से घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रवि बाइक से घर लौट रहा था, तभी दो बाइक सवार अपराधियों ने उसका पीछा शुरू किया। रवि ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिया के पास स्कूटी सवार दो अन्य अपराधियों ने उसे घेर लिया। इसके बाद नौ राउंड गोलियां चलाई गईं, जिनमें पांच रवि को लगीं। भागते समय अपराधियों ने हवाई फायरिंग की, जिससे

इलाके में दहशत फैल गई।

लोग डर से घरों में दुबक गए। बाद में स्थानीय लोगों ने रवि को अस्पताल पहुंचाया। जांच में फायरिंग का कारण आपसी रंजिश सामने आया। रवि कुछ माह पहले जेल से रिहा हुआ था। नेहाल तिवारी का नाम जुगसलाई शिव घाट में पहले हुई फायरिंग से भी जुड़ा है। रवि ने पुलिस को बताया कि स्कूटी सवार अपराधी दोनों हाथों से गोलियां चला रहे थे।

पुलिस ने बुधवार सुबह एक अन्य संदिग्ध की पहचान की, जिसका नाम गोपनीय है। सीसीटीवी फुटेज से अपराधियों के भागने का रास्ता पता चला। पुलिस ने विशेष दस्ता गठित कर अपराधियों की तलाश तेज कर दी है। घटना से इलाके में आक्रोश है। भाजपा नेता ललन यादव समेत कई लोग टीएमएच पहुंचे। पुलिस ने शांति बनाए रखने की अपील की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, कीताडीह निवासी रवि यादव साकची थाना क्षेत्र कालीमाटी रोड में संपत्ति विवाद को लेकर हुए दो पक्ष में मारपीट, हरवे हथियार से जानलेवा हमला और पत्थरबाजी मामले में भी शामिल था, जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। कीताडीह मनसा मंदिर के पास रिंकू खान के घर में घुसकर जबरदस्त मारपीट की थी। इस मामले में वह जेल गया था। टाटा मुख्य अस्पताल में दाखिल रवि यादव से पुलिस टीम पूछताछ कर रही है।

जर्जर सड़क के कारण नहीं पहुंची एम्बुलेंस, खाट पर लादकर मरीज को ले जाया गया अस्पताल, हुई मौत

खूंटी, एजेंसी। जिले में एम्बुलेंस नहीं मिलने के कारण परिजन बेहोश बुजुर्ग को कंधों पर ढोकर सड़क तक लाये और किसी तरह सदर अस्पताल पहुंचे. लेकिन अफसोस बुजुर्ग बच नहीं सका. अस्पताल में उसकी मौत हो गई. मृतक की पहचान तोरपा प्रखंड क्षेत्र के चुरगी पंचायत के अंबाटोली गांव निवासी दयाल भेंगरा के रूप में हुई, जो घर में गिरने के कारण बेहोश हो गए थे.

मृतक की बेटी पुष्पा भेंगरा ने बताया कि दयाल भेंगरा 11 बजे के लगभग घर में गिरा और बेहोश हो गया. करीब एक घंटे बाद उसे होश आया तो लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस को फोन किया, लेकिन 4 बजे तक एम्बुलेंस नहीं पहुंचा. जिसके बाद गांव वाले दयाल को खटिया के सहारे बांस बांध कर उसे गांव से बाहर निकाला और निजी वाहन से सदर अस्पताल खूंटी ले गए. जहां उसकी मौत हो गई.

विडंबना है कि खूंटी सिमडेगा हाइवे से महज 2 किमी अंदर बसा गांव आमटोली में वाहन जाने तक की सुविधा नहीं है. करीब पांच बजे सदर पहुंचने के बाद चिकित्सकों ने दयाल को रिम्स रेफर कर दिया. जबकि साथ गए ग्रामीणों का कहना है कि जब उसकी मौत हो चुकी थी तो उसे रेफर क्यों किया गया. इस बात को लेकर ग्रामीणों ने सदर अस्पताल में जमकर बवाल काटा.

सिविल सर्जन नागेश्वर मांझी ने परिजनों को समझाकर शांत कराया और मृतक के लिए शव वाहन उपलब्ध कराकर गांव भेज दिया. सिविल सर्जन ने बताया कि एम्बुलेंस गांव तक क्यों नहीं पहुंचा, इसकी जांच की जाएगी. इसमें जो भी दोषी होंगे उसके खिलाफ कार्रवाई होगी.

उत्पादन में अविलंब सुधार करें बीसीसीएल - कोयला सचिव

धनबाद, एजेंसी। लगातार हो रही बारिश के कारण बीसीसीएल की कई महत्वपूर्ण कोयला खदानों भर गयी हैं. ऐसे में कंपनी का उत्पादन आधे से भी कम हो गया है. वर्तमान में कंपनी रोज औसतन 70 से 80 हजार टन ही कोयला उत्पादन व डिस्पैच कर पा रही है. स्थिति यह है कि बीसीसीएल का वार्षिक उत्पादन ग्रोथ घट कर 17.22 प्रतिशत व डिस्पैच ग्रोथ 12.2 प्रतिशत निगेटिव हो गया है. इधर कोयला उत्पादन, उत्पादकता व डिस्पैच में सुधार को लेकर कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने वीडियो कांफ्रेंसिंग कर बीसीसीएल की समीक्षा बैठक की. उन्होंने बीसीसीएल प्रबंधन को उत्पादन में अविलंब सुधार करने और सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी जरूरी एहतियात बरतने का निर्देश दिया. उन्होंने खदानों से पानी की निकासी के लिए पंप समेत अन्य जरूरी उपाय करने पर जोर दिया, ताकि उत्पादन में बढ़ोतरी सुनिश्चित हो सके. बीसीसीएल के आंकड़ों के मुताबिक कंपनी का लक्ष्य अगस्त माह में (1 से 4 अगस्त तक) 0.440 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित था. जिसके मुकाबले कंपनी अबतक महज 0.300 मिलियन टन ही कोयला उत्पादन कर सकी है.

गुमला में मुठभेड़;15 लाख का इनामी नक्सली ढेर

गुमला, एजेंसी। झारखंड में पीपल्स लिब्रेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) को बड़ा झटका लगा है। गुमला पुलिस ने गुप्त सूचना पर पीएलएफआई सुप्रीमो मार्टिन केरकेट्टा को पारही छंगाबारी जंगल में एनकाउंटर में मार गिराया है। मार्टिन पर झारखंड पुलिस ने 15 लाख का इनाम घोषित कर रखा था। गुमला एसपी हारिश बिन जमा और एसडीपीओ नाजिर अख्तर की टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, मार्टिन अपनी टीम के साथ कामडारा में किसी कारोबारी से लेवी लेने पहुंचा था। इसकी सूचना मिलने पर एसपी ने एक टीम गठित कर घेराबंदी की।

पुलिस को देखते ही शुरू की थी फायरिंग: पुलिस को देखकर मार्टिन ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलीबारी की। जिसमें मार्टिन मारा गया। उसके पास से हथियार भी बरामद किए गए हैं। इस एनकाउंटर में केवल गुमला पुलिस की टीम शामिल थी। एनआईए और झारखंड पुलिस के संयुक्त प्रयास से पीएलएफआई के पूर्व सुप्रीमो दिनेश गोप को नेपाल से गिरफ्तार किया गया था। दिनेश गोप पर 25 लाख रुपए का इनाम था। उसके जेल जाने के बाद मार्टिन को संगठन का सुप्रीमो बनाया गया था। जो संगठन का बिस्तर करने में लगा था।

मार्टिन के जिम्मे ही था पूरा संगठन: मार्टिन पीएलएफआई की पूरी कमान संभाल रहा था। वह जगह-जगह वारदातों को अंजाम देकर पीएलएफआई के नाम पर खौफ पैदा कर रहा था। उसके द्वारा सबसे ज्यादा रंगदारी मांगने की वारदातें की जा रही थीं। मार्टिन के पास से दो हथियार बरामद किए गए हैं। क्षेत्र में दो अन्य उग्रवादियों को भी गोली लगने की बात सामने आई है। गुमला एसपी हरीश बिन जमा ने घटना की पुष्टि की है। क्षेत्र में अभी भी सर्च ऑपरेशन जारी है।

दिनेश गोप के बचपन का साथी था, साथ पढ़ाई भी की: मार्टिन मूल रूप से कामडारा के रेड़मा गांव का रहने वाला था और पीएलएफआई की केंद्रीय समिति का सक्रिय सदस्य था। लेवी वसूली, धमकाने और फायरिंग की रणनीति वही तय करता था। पुलिस को उसकी लंबे समय से तलाश थी। दिनेश गोप की वजह से मार्टिन का संगठन में कद बड़ा था। मार्टिन और दिनेश गोप बचपन के साथ थे। दोनों एक साथ लापुंग के महुगांव स्थित स्कूल में पढ़ाई करते थे। बाद में दोनों ने एक साथ संगठन का विस्तार किया।

धनबाद में फुटपाथ दुकानदारों का अनोखा विरोध, अर्धनग्न होकर किया प्रदर्शन

धनबाद, एजेंसी। धनबाद में राष्ट्रपति के दौरे से पहले हटाए गए पुलिस लाइन क्षेत्र के फुटपाथ दुकानदारों ने सोमवार को जिला प्रशासन और नगर निगम के खिलाफ अर्धनग्न होकर विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों दुकानदार फुटपाथ पर एकत्रित हुए और नारेबाजी करते हुए अपने रोजगार वापस देने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने भावनात्मक पोस्टर लेकर अपनी पीड़ा व्यक्त की। पोस्टर पर लिखा था - बिना गुनाह किए गुनहगार बना दिया गया, हमारी गलती क्या थी जो रोजगार छीन लिया गया, मिलकर लेंगे बुलडोजर से आजादी और हरिद्वार मॉडल पर 8×6 की दुकानें बसाई जाएं। फुटपाथ दुकानदारों का कहना है कि वे पिछले कई सालों से पुलिस लाइन में दुकान लगाते आ रहे हैं। उन्हें राष्ट्रपति के आगमन से पहले हटाया गया था। तब प्रशासन ने आश्वासन दिया था कि राष्ट्रपति के जाने के बाद फिर से दुकान लगाने दिया जाएगा। लेकिन अब प्रशासन अपने वादे से मुकर रहा है। दुकानदारों ने चेतावनी दी कि अगर उन्हें रोजगार नहीं मिला तो उनके परिवार भूखे मरेंगे। कुछ ने तो आत्महत्या की धमकी भी दी। उनका आरोप है कि प्रशासन उन्हें धमकी दे रहा है कि अगर दुकान लगाई तो झूठे मुकदमे में फंसा दिया जाएगा। एक सब्जी विक्रेता ने बताया कि वह करीब 50 सालों से दुकान चला रहा है। अब रोजगार छिन जाने से घर चलाना मुश्किल हो गया है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि उन्हें वैकल्पिक स्थान पर बसाया जाए। वे पशुपालन अस्पताल परिसर या किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर दुकान लगाना चाहते हैं। जिला प्रशासन और नगर निगम की ओर से अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

इंस्टाग्राम से लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर यौन शोषण में लखनऊ का छात्र गिरफ्तार

चिरकुंडा (धनबाद), एजेंसी। इंस्टाग्राम के माध्यम से लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर यौन शोषण करने का आरोपित 19 वर्षीय अर्पित शर्मा को झारखंड के चौपारण से धनबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अर्पित यूपी के लखनऊ के आलमबाग का रहने वाला है।

पुलिस ने चिरकुंडा क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाली किशोरी को भी बरामद कर लिया है, जिसे अर्पित ने बरगलाकर प्रेमजाल में फंसाया था। लड़की सात जून को अपना घर छोड़कर उसके साथ चली गई थी। आरोपित को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में धनबाद जेल भेज दिया गया। लड़की का न्यायालय में पुलिस ने बयान कराया है। आरोपित ने पुलिस को बताया कि वह कई लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर यौन शोषण कर चुका है। जानकारी के अनुसार, अर्पित लखनऊ के न्यू पब्लिक स्कूल पवनपुरी से 12वीं की परीक्षा

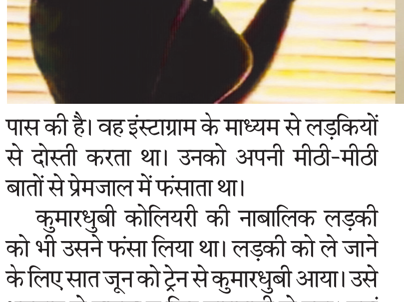

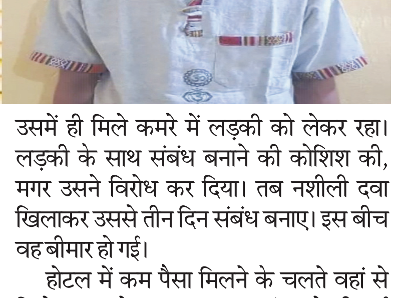

पास की है। वह इंस्टाग्राम के माध्यम से लड़कियों से दोस्ती करता था। उनको अपनी मीठी-मीठी बातों से प्रेमजाल में फंसाता था।

कुमारधुबी कोलियरी की नाबालिक लड़की को भी उसने फंसा लिया था। लड़की को ले जाने के लिए सात जून को ट्रेन से कुमारधुबी आया। उसे धनबाद से हावड़ा व फिर वाराणसी ले गया। वहां मंदिर भी गया। फिर एक होटल में काम किया, उसमें ही मिले कमरे में लड़की को लेकर रहा। लड़की के साथ संबंध बनाने की कोशिश की, मगर उसने विरोध कर दिया। तब नशीली दवा खिलाकर उससे तीन दिन संबंध बनाए। इस बीच वह बीमार हो गई।

होटल में कम पैसा मिलने के चलते वहां से सिहोर मध्यप्रदेश चला गया। वहां पहले भी कई लड़कियों को लेकर जा चुका है।

लंबित भू-अर्जन मामलों का करें निष्पादन : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को जिला कार्यालय सभागार में एनएच (राष्ट्रीय राजमार्ग) एवं एनटीपीसी (नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन) से संबंधित भू-अर्जन मामलों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कोल माइनिंग परियोजनाओं समेत एनएच व एनटीपीसी से जुड़े भू-अर्जन के विभिन्न बिंदुओं जैसे स्टेटमेंट 6, म्यूटेशन की प्रगति, आंगनबाड़ी केंद्रों, पंचायत भवनों, पैक्स केंद्रों और विद्यालयों के स्थानांतरण, भूमि मापन (मेजरमेंट), वनाधिकार अधिनियम (एफआरए), लीज बंदोबस्ती आदि की विस्तृत समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सभी लंबित कार्यों की गति बढ़ाएं और योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं के समाधान के लिए परस्पर समन्वय स्थापित करें। विद्यालयों व अन्य भवनों के स्थानांतरण के लिए उपयुक्त भूमि का चयन शीघ्र सुनिश्चित करने को कहा गया। मेजरमेंट कार्यों के लिए तय किए गए शेड्यूल के अनुरूप भवन निर्माण विभाग (बीसीडी) और जिला भू-अर्जन पदाधिकारी (डीएलओ) स्तर पर पत्राचार कर सभी जरूरी सूचनाएं भेजने का निर्देश भी दिया गया। साथ ही अंचलाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सभी लंबित मामलों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्य करें। बैठक में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के अलावा अपर समाहर्ता, डीएलओ, सदर एवं बरही एसडीओ, बरही डीसीएलआर, संबंधित अंचलाधिकारी, एनएच व एनटीपीसी के अधिकारी एवं अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

दो जिलों को जोड़ने वाली बदहाल सीमावर्ती सड़क को ग्रामीणों ने श्रमदान कर किया समतल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत गाल्होबार पंचायत और बोकारो जिले के पेंक पंचायत को जोड़ने वाली सीमावर्ती सड़क की जर्जर हालत से परेशान ग्रामीणों ने स्वयं पहल कर श्रमदान से सड़क को समतल बनाने का कार्य शुरू किया। इस नेक पहल की शुरुआत 75 वर्षीय मासूक शाह ने की। उन्होंने अकेले ही एक कुदाल और गमले की मदद से सड़क किनारे की मिट्टी काट-काटकर समतलीकरण कार्य शुरू कर दिया। राह चलते लोगों ने जब मासूक शाह को इस सेवा कार्य में लगे देखा तो वे भी प्रेरित हुए और श्रमदान में जुट गए। देखते ही देखते दशरथ महतो, मरकरी मालाकार,

हरीलाल महतो,धीरज शर्मा सहित दर्जनों ग्रामीणों ने सहयोग करते हुए सड़क के गड्ढों को भरना शुरू किया। गौरतलब है कि यह मार्ग पेंक पंचायत नवाडीह (बोकारो जिला) और गाल्होबार पंचायत (विष्णुगढ़, हजारीबाग जिला) को जोड़ता है। हर साल बारिश के दौरान इस सड़क पर बना पुल बह जाता है और पूरी सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे हो जाते हैं, जिससे बस, ऑटो और अन्य वाहनों का परिचालन पूरी तरह से बाधित हो जाता है। दोपहिया वाहन चालक और पैदल राहगीरों को भी जान जोखिम में डालकर इस मार्ग से गुजरना पड़ता है। सड़क और पुल की दुर्दशा के कारण आए दिन दुर्घटना का भय बना रहता है। इसके पूर्व कई घटनाएं भी हो चुकी है। ग्रामीणों ने श्रमदान से अस्थायी रूप से रास्ता तो दुरुस्त कर दिया, लेकिन उन्होंने सरकार से मांग की है कि इस महत्वपूर्ण सीमावर्ती मार्ग और पुल का शीघ्र निर्माण कराया जाए, ताकि आवागमन बाधित न हो और लोगों को आवागमन में राहत मिल सके।

प्रवासी मजदूर शनीचर मरांडी के परिजनों से मिले बीडीओ व सीओ, दिया राहत सामग्री व सरकारी योजनाओं का लाभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखंड के गोविन्दपुर पंचायत अंतर्गत मोसरीतरी गांव में मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी एक बार फिर सामने आई, जब गांव के प्रवासी मजदूर शनीचर मरांडी की 28 जुलाई 2025 को कर्नाटक के काकीनाड़ा में मृत्यु हो गई। मृतक का शव 3 अगस्त को गांव लाया गया, लेकिन सड़क और पुल नहीं होने के कारण एंबुलेंस घर तक नहीं पहुंच सकी। ग्रामीणों ने शव को खटिया पर रखकर, बांस की बल्ली के सहारे नाला पार कराया।

इस हृदयविदारक घटना को मीडिया द्वारा प्राथमिकता से उठाए जाने के बाद प्रशासन हरकत में आया। बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) अखिलेश कुमार एवं अंचलाधिकारी (सीओ) नित्यानंद दास मोसरीतरी पहुंचे और मृतक के परिजनों से मिलकर पूरे मामले का गंभीरता से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मृतक की पत्नी को तत्काल विधवा पेंशन, बिरसा हरित क्रांति योजना के तहत आम बागवानी, तथा बिरसा कूप योजना के तहत एक कुआं निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही, परिवार को 50 किलो अनाज भी उपलब्ध कराया गया, ताकि भरण-पोषण में सहायता मिल सके।

पेयजल संकट को देखते हुए अधिकारियों ने दो खराब चापानलों की मरम्मत का तत्काल आदेश दिया। वहीं, खस्ताहाल कच्ची सड़क को लेकर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क और पुलिया निर्माण हेतु कार्यपालक अभियंता को पत्राचार कर अनुशंसा की गई है। बीडीओ अखिलेश कुमार ने बताया कि गांव के जरूरतमंदों को पेंशन, आवास, कूप और बागवानी जैसी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता पर दिया जाएगा, ताकि आदिवासी बहुल यह क्षेत्र विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके।

ग्रामीणों ने प्रशासन की इस त्वरित पहल की सराहना की और आशा जताई कि मोसरीतरी जैसे उपेक्षित गांवों को भी अब विकास का अधिकार मिलेगा।

दिशोम गुरु के निधन पर शोक सभा आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विष्णुगढ़। झारखंड के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर भाकपा माले विष्णुगढ़ प्रखंड कमेटी द्वारा अल्पिटो पंचायत भवन में शोक सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान दिशोम गुरु की तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई और दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। शोक सभा में वक्ताओं ने दिशोम गुरु के योगदान को याद करते हुए उन्हें झारखंड की आत्मा और संघर्ष का प्रतीक बताया। भाकपा माले प्रखंड सचिव घनश्याम पाठक ने कहा कि शिबू सोरेन केवल एक राजनीतिक नेता नहीं, बल्कि जल, जंगल, जमीन और जनजातीय अधिकारों की लड़ाई को राष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले महान योद्धा थे।

जिला महिला अध्यक्ष अर्चना सिंहा एवं महामंत्री रश्मि लाला के नेतृत्व में सावन महोत्सव आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, जिला इकाई हजारीबाग (जिला अध्यक्ष अरुण प्रभात सिन्हा) के महिला प्रकोष्ठ द्वारा जिला महिला अध्यक्ष अर्चना सिंहा एवं जिला महिला महामंत्री रश्मि लाला के नेतृत्व में सावन महोत्सव का आयोजन जिले की विभिन्न उप समितियों - मंडई, शिवपुरी, शिवदयाल नगर, रामनगर, कुम्हरटोली, कोरा, मटवारी, सिंदूर, ओकनी एवं दारू में उत्साहपूर्वक एवं गरिमामय रूप से किया गया।

हालांकि इस बार महासभा के जिला महामंत्री शशिकांत की माता स्वर्गीय सरोज सिन्हा के आकस्मिक निधन के कारण सावन महोत्सव का आयोजन केंद्रीय रूप से नहीं किया गया, किंतु श्रद्धांजलि स्वरूप इसे उप समितियों में पारंपरिक रीति से छोटे स्तर पर आयोजन कर भावपूर्ण रूप

से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान चित्रगुप्त की आरती से हुई एवं स्व. सरोज सिन्हा जी की आत्मा की शांति हेतु एक मिनट का मौन रखा गया। कार्यक्रम में हौजी, म्यूजिकल चेयर, गायन-वादन, समूह नृत्य, बच्चों द्वारा नाट्य प्रस्तुति जैसे विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। महिला प्रतिभागियों की भागीदारी, उत्साह और ऊर्जा देखते ही बनती थी। इस आयोजन में उपसमिति की अध्यक्षाएं ममता सिन्हा, नीलू रंजन, प्रीति बाला सिन्हा, पुष्पा सिन्हा, कुमकुम सिन्हा, बबीता सिन्हा, मनोरमा सिन्हा, सरिता सहाय तथा उनके सहयोग में नीलम सिन्हा, पूजा सिन्हा, नीलिमा सिन्हा, बबली सिन्हा, पम्मी सिन्हा, उषा सिन्हा, सरिता सिन्हा, निक्की सिन्हा, सुधा सिन्हा, बबीता दयाल, मोहित सिन्हा, बीनीता सिन्हा, अंजना सिन्हा, सुनीता श्रीवास्तव ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

महिला महामंत्री रश्मि लाला ने आभार प्रकट करते हुए सभी उप समितियों, उनके अध्यक्षों, महामंत्रियों, पदाधिकारियों और सहयोगी सदस्यों को धन्यवाद दिया, जिनके अथक प्रयासों से यह आयोजन सफल हो सका।

डॉ. बसंत नारायण सिंह उच्च विद्यालय में सचिव राजदेव यादव का जोरदार स्वागत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड के बसरिया स्थित डॉ. बसंत नारायण सिंह उच्च विद्यालय में बुधवार को नवनियुक्त विद्यालय सचिव राजदेव यादव का विद्यालय परिवार द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक रजक के नेतृत्व में सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उन्हें बुके भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर स्थानीय मुखिया मंजू देवी भी उपस्थित रहीं, जिनका विद्यालय परिवार की ओर से सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव राजदेव यादव ने कहा कि विद्यालय किसी भी समाज की रीढ़ होता है और अनुशासन के बिना कोई भी संस्था प्रगति नहीं कर सकती। उन्होंने विद्यालय में समय पालन, स्वच्छता और नैतिक मूल्यों के पालन पर जोर देते हुए कहा कि वे एक ऐसा वातावरण बनाना चाहते हैं जहाँ बच्चे आत्मविश्वास के साथ शिक्षा प्राप्त करें और शिक्षक प्रेरक भूमिका में नजर आएं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में विद्यालय में सुधार और विकास कार्य किए जाएंगे, लेकिन किसी भी विशेष व्यक्ति के कार्यक्रम या खाद्य सामग्री की भरपाई सरकारी निकाय से नहीं की जाएगी। उन्होंने शिक्षकों संग बैठक कर उन्हें भी अनुशासित रहकर बच्चों को अनुशासन सिखाने की बात कही। मुखिया मंजू देवी ने भी विद्यालय को संबोधित करते हुए कहा कि आज का बच्चा ही कल का भविष्य है और सभी बच्चों को पढ़ाना और उन्हें आगे बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यालय को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने और हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

झापा पंचायत में फुटबॉल वितरण, खेलों को लेकर युवाओं में दिखा उत्साह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड क्षेत्र के झापा पंचायत अंतर्गत ग्राम झापा में युवाओं और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हेतु फुटबॉल का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि विनोद कुमार सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे। फुटबॉल वितरण के दौरान श्री सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि खेलकूद न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि गाँव के युवाओं को बेहतर मंच मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को नशा और गलत संगति से दूर रखने में मददगार साबित होते हैं। खेल के माध्यम से युवा अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाकर अपना और अपने गाँव का नाम रोशन कर सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों और खिलाड़ियों ने मुखिया प्रतिनिधि के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की और आग्रह किया कि ऐसे आयोजन आगे भी निरंतर होते रहें। इस अवसर पर कई स्थानीय ग्रामीण, खेलप्रेमी और युवा खिलाड़ी उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी बच्चों की पोशाक अब जीविका दीदियां करेंगी तैयार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। अब जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में नामांकित बच्चों की पोशाक की सिलाई का कार्य जीविका दीदियाँ करेंगी। इसके लिए चयनित जीविका दीदियों को सिलाई-कटाई में दक्ष बनाने हेतु प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में रजौली एवं नरहट प्रखंड में 5 अगस्त से सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई है, जिसमें कुल 50 जीविका दीदियां भाग ले रही हैं। समाज कल्याण विभाग एवं जीविका के बीच हुए एकरारनामे के तहत नवादा जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की पोशाक की आपूर्ति का कार्य जीविका समूहों के माध्यम से किया जाएगा। इस योजना से बच्चों को समय पर गुणवत्तापूर्ण पोशाक की आपूर्ति सुनिश्चित होगी, वहीं जीविका दीदियों को रोजगार का एक स्थायी माध्यम भी प्राप्त होगा। जिले में कुल 1615 जीविका दीदियों को इस कार्य के लिए चिन्हित किया गया है, जिनमें कई दीदियां पहले से ही सिलाई-कटाई में दक्ष हैं। अब उन्हें बच्चों की पोशाक की विशेष डिजाइन और गुणवत्ता के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण की प्रभावशीलता और व्यापकता को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक प्रखंड में तीन से चार प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक सत्र में औसतन 25 से 30 दीदियां भाग लेंगी। जिले भर में कुल 56 प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाने की योजना है। इस संबंध में जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक चन्दन कुमार सुमन ने बताया कि यह पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण कदम है।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-57-60-25, दिनांक: 05.08.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (अभियांत्रिकी), दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा नीचे उल्लिखित विवरणों के अनुसार एसटीपी, आरयूबी/सबवे एवं विविध कार्यों के लिए 04 (चार) अदद ई-निविदायें आमंत्रित करते हैं: **क्रम संख्या:** 1। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-57-25। कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल में चांडिल में व्यापक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (01 अदद) का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,49,66,065.49। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-58-25। कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल में बॉक्स पुशिंग पद्धति द्वारा आसनसोल-चांडिल खंड के बीच प्रहरी युक्त समपार फाटक संख्या जेसी-51 के उन्मूलन के लिए आरयूबी/सबवे का निर्माण। **निविदा मूल्य:** ₹ 8,08,41,912.77। **क्रम संख्या:** 3। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-59-25। कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल में आद्रा-चांडिल के बीच प्रहरी युक्त समपार फाटक संख्या जेसी-1 के उन्मूलन के लिए आरयूबी/सबवे का निर्माण। **निविदा मूल्य:** ₹ 7,57,86,867.62। **क्रम संख्या:** 4। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-60-25। कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल में आद्रा-चांडिल खंड के बीच प्रहरी युक्त समपार फाटक संख्या जेसी-7 के उन्मूलन के लिए आरयूबी/सबवे का निर्माण। **निविदा मूल्य:** ₹ 6,88,41,507.83। **ई-निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 10.09.2025 को अपराह्न 3:00 बजे (क्रम संख्या 1 से 4 प्रत्येक के लिए)। उपर्युक्त ई-निविदाओं के विवरण के लिए कृपया वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** देखें। **(PR-486)**

कस्तूरबा विद्यालय मानगढ़ में एक्सक्यूटिव मजिस्ट्रेट दीपा खलखो का औचक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चौपारण (हजारीबाग)। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, मानगढ़ में बुधवार को एक्सक्यूटिव मजिस्ट्रेट दीपा खलखो ने औचक निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं की गहनता से जांच की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षण व्यवस्था, आवासीय सुविधाएं, भोजन की गुणवत्ता, और आधारभूत संरचना सहित सभी पहलुओं की बारीकी से समीक्षा की। दीपा खलखो ने कक्षाओं, कार्यालय कक्ष, सभी पंजी (रजिस्टर), भोजनशाला तथा छात्राओं के रहने की जगह का भी निरीक्षण किया। उन्होंने छात्राओं से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी सुविधाओं और समस्याओं की जानकारी ली। निरीक्षण के क्रम में विद्यालय की टूटी हुई बाउंड्री, जर्जर भवन, एवं अन्य संरचनात्मक कमियों पर भी विशेष ध्यान दिया गया। मौके पर उपस्थित बीआरसी से बीपीएम मो. आरिफ और बीआरपी मो. सईद के साथ मिलकर उन्होंने मिड-डे मील की गुणवत्ता की जांच की और बच्चियों के साथ भोजन कर उसकी गुणवत्ता को परखा। उन्होंने भोजन व्यवस्था को संतोषजनक पाया लेकिन कुछ सुधारात्मक निर्देश भी दिए। निरीक्षण के उपरांत मजिस्ट्रेट दीपा खलखो ने विद्यालय की व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताया और अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से सुधारात्मक कदम उठाने का निर्देश दिया। पंचायत सेवक को विशेष निर्देश दिया गया कि टूटी हुई बाउंड्री की वैकल्पिक व्यवस्था शीघ्र सुनिश्चित की जाए, जिससे छात्राओं की सुरक्षा में कोई चूक न हो। विद्यालय की छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने इस निरीक्षण को सकारात्मक पहल बताया और प्रशासन की सक्रियता की सराहना की। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में अनुशासन, स्वच्छता और पारदर्शिता का वातावरण देखने को मिला।

शिव पार्वती मंदिर में रुद्राभिषेक का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विष्णुगढ़। प्रखंड के जमुनिया नदी में स्थित शिव पार्वती मंदिर में सावन महीने के शुभ अवसर पर शंकर गोस्वामी की अध्यक्षता में रुद्राभिषेक एवं भंडारा का आयोजन किया गया। बताते चलें कि प्रखंड के जमुनिया नदी में स्थित शिव पार्वती मंदिर में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शंकर गोस्वामी की अध्यक्षता में सार्वजनिक रूप से रुद्राभिषेक, हवन तथा भंडारा का आयोजन किया गया। हवन के पश्चात भक्तगण को प्रसाद वितरण किया गया। शिव पार्वती मंदिर के अध्यक्ष शंकर गोस्वामी ने बताया कि हम लोग प्रत्येक वर्ष सावन महीने में शिव पार्वती मंदिर में सार्वजनिक रूप से रुद्राभिषेक, हवन एवं पूजा अर्चना का आयोजन करते हैं, इस दौरान काफी संख्या में भक्तगण यहां पर आते हैं और पूजा अर्चना करते हैं। मौके पर अध्यक्ष शंकर गोस्वामी, भीम पंडित, राजेश पंडित, विजय कुमार बरनवाल उर्फ गुड्डू सर, पार्वती देवी, रेखा देवी, हेमंती देवी, महादेव कांदु, अमरेश सिंहा, कुणाल कुमार, छोटन प्रसाद, पप्पू साव, विकास सोनी, दिनेश साव, विनय सोनी, गणेश वर्मा, राधा कुमारी, खुशबू कुमारी प्रमोद साव, लखन प्रसाद, सतीश सोनी, प्रकाश सोनी, रुक्मिणी देवी, आशा देवी, रूबी देवी, गिरिजा देवी, सुदामा देवी, बेबी देवी, कंचन देवी, लखिया देवी, सोमरी देवी, ललिया देवी, बसंती देवी, हेमलाल साव, दिनेश प्रसाद, मिट्ठू मिस्त्री, गणेश राम, अर्जुन विश्वकर्मा, प्रकाश सोनी, शिबू साव, सुबोध कुमार (बंटू), मधु गोस्वामी, श्रीकांत साव, मुकेश कुमार, रिंकू सोनी, आशीष कुमार (संकी), ऊषा देवी, सरयु ठाकुर समेत काफी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

हावड़ा मंडल के तहत वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों की संविदा की सुपुर्दगी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, चौथी मंजिल, रेल यात्री निवास बिल्डिंग, हावड़ा स्टेशन के निकट, पिन-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है : **कार्य का नाम:** वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों की संविदा की सुपुर्दगी। नीलामी सूचीपत्र **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दिया गया है। ● **सूचीपत्र सं. :** पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-25-24; ● **नीलामी आरम्भ होने की तारीख एवं समय:** 19.08.2025 को दोपहर 12.00 बजे। **सिक्वेंस सं.; लॉट सं.; विवरण** क्रमशः निम्नलिखित हैं: **एए/1;** एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-डब्ल्यूएसटीएमजीटी-37-25-1; तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के अधीन बारह (12) रेलवे स्टेशनों (हावड़ा-70, बर्द्धमान-25, बैण्डेल-20, बोलपुर-10, रामपुरहाट-15, खगड़घाट रोड-15, पाकुड़-10, कोन्ननगर-10, रिषड़ा-10, श्रीरामपुर-10, सेवड़ाफुली-15 एवं तारकेश्वर-15) में विज्ञापन (नॉन-डिजिटल) के अवसर के साथ 225 अदद दोहरे कूड़ेदानों के प्रावधान, स्थापना एवं रखरखाव के लिए संविदा की सुपुर्दगी। **एबी/1;** एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-एमवाईएम-एमईडीएसटीएन-34-25-1; हावड़ा मंडल के मेमारी स्टेशन में तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए मेडिकल स्टोर की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव के लिए संविदा की सुपुर्दगी। **एबी/2;** एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-पीकेआर-एमईडीएसटीएन-35-25-1; हावड़ा मंडल के पाकुड़ स्टेशन में तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए मेडिकल स्टोर की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव के लिए संविदा की सुपुर्दगी। **एबी/3;** एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-बीएलवाई-एमईडीएसटीएन-36-25-1; हावड़ा मंडल के बाली स्टेशन में तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए मेडिकल स्टोर की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव के लिए संविदा की सुपुर्दगी।

(HWH-230/2025-26) **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा**

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं. : टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2025-26-09, दिनांक 04.08.2025; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए विद्युत ठेकेदारी का वैध लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस तथा वित्तीय रूप से कार्य सम्पन्न करने की क्षमता रखने वाले अपेक्षित निविदादाताओं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा केस सं.:** टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2025-26-09, **कार्य का नाम:** पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के अधीन मेन लाइन से साइडिंगों को अलग करने के लिए लाइन सीबी का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** रु. 7,21,27,484.32; **बयाना राशि:** रु. 5,10,600; **खुलने की तारीख एवं समय:** 08.09.2025 को अपराह्न 03.00 बजे। **कार्य समापन अवधि:** स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 12 (बारह) महीने। **कार्य के लिए प्रस्ताव की वैधता:** खुलने की तारीख से 45 दिन। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

(ASN-147/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आद्रा मंडल में अनुबंध हेतु ई-नीलामी सूचना

ई-नीलामी सूचना सं.: सीओएमएमएल.-1/पीयूबी./08/25 दिनांक: 06.08.2025

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-नीलामी आमंत्रित करते हैं: विवरण नीचे दिए गए हैं: **श्रेणी: विज्ञापन। नीलामी कैटेलॉग संख्या:** एडीवीटी71। **लॉट संख्या/श्रेणी:** (1) एडीवीटी-एडीआरए-एसओएनए-ओएच-124-25-1 (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम), (2) एडीवीटी-एडीआरए-जेपीएच-ओएसएन-130-25-1 [एडवरटाइजिंग-ऑन स्टेशन प्रेमिस (नॉन-डिजिटल)], (3) एडीवीटी-एडीआरए-बीबीएम-ओएसएन-121-25-2 [एडवरटाइजिंग-ऑन स्टेशन प्रेमिस (नॉन-डिजिटल)], (4) एडीवीटी-एडीआरए-केएसएक्स-ओएसएन-128-25-1[एडवरटाइजिंग-ऑन स्टेशन प्रेमिस (नॉन-डिजिटल)]। **नीलामी शुरू (सभी लॉट):** 13.08.2025 को सुबह 11:00 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख/समय:** 13.08.2025 को दोपहर 12:00 बजे। **नीलामी कैटेलॉग संख्या:** एडीवीटी72। **लॉट संख्या/श्रेणी:** (1) एडीवीटी-ईएफएफ-248460-1-24-1 [एडवरटाइजिंग-ट्रेन एक्सटीरियर (फुल फेस)], (2) एडीवीटी-एडीआरए-सीएनआई-ओएच-5-22-1 (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम), (3) एडीवीटी-एडीआरए-बीयूआरएन-ओएसएन-108-23-1 [एडवरटाइजिंग-ऑन स्टेशन प्रेमिस (नॉन-डिजिटल)], (4) एडीवीटी-एडीआरए-जीबीए-ओएसएन-122-25-2 [एडवरटाइजिंग-ऑन स्टेशन प्रेमिस (नॉन-डिजिटल)]। **नीलामी शुरू (सभी लॉट):** 14.08.2025 को सुबह 11:00 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख/समय:** 14.08.2025 को दोपहर 12:00 बजे। **श्रेणी: एटीएम। नीलामी कैटेलॉग संख्या:** एटीएम05। **लॉट संख्या/श्रेणी:** (1) एटीएम-एडीआरए-एसएलबी-जीईएन15-25-1 (एटीएम-जनरल), (2) एटीएम-एडीआरए-बीजेई-जीईएन13-25-5 (एटीएम-जनरल)। **नीलामी शुरू (सभी लॉट):** 13.08.2025 को सुबह 11.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख/समय:** 13.08.2025 को सुबह 11.50 बजे। **नीलामी कैटेलॉग संख्या:** एटीएम06। **लॉट संख्या/श्रेणी:** एटीएम-एडीआरए-एएनआर-जीईएन14-25-1 (एटीएम-जनरल)। **नीलामी शुरू (सभी लॉट):** 14.08.2025 को सुबह 10.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख/समय:** 14.08.2025 को सुबह 10.40 बजे। **श्रेणी: एमएसएस। नीलामी कैटेलॉग संख्या:** पार्सल स्कैनर08। **लॉट संख्या/श्रेणी:** एमएसएस-एडीआरए-बीकेएससी-पीएस-15-24-1 (मिसलेनियस-स्टैटिक-सर्विसेज-पार्सल स्कैनर)। **नीलामी शुरू (सभी लॉट):** 13.08.2025 को सुबह 11.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख/समय:** 13.08.2025 को सुबह 11.30 बजे। **श्रेणी: पीएनयू। नीलामी कैटेलॉग संख्या:** डब्ल्यूआरएल06। **लॉट संख्या/श्रेणी:** पीएनयू-एडीआरए-पीआरआर-डब्ल्यूआरएल-57-25-1 (पे एंड यूज़ - लाउंज/वेटिंग/रिटायरिंग/क्लोक रूम)। **नीलामी शुरू (सभी लॉट):** 13.08.2025 को सुबह 11.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख /समय:** 13.08.2025 को सुबह 11.30 बजे।

● **पार्किंग के लिए ई-नीलामी सूचना-- श्रेणी: पार्किंग। नीलामी कैटेलॉग संख्या:** पार्क 81। **लॉट सं./श्रेणी:** पार्किंग-एडीआरए- बीबीएम-एमएक्स-64-25-1 (पार्किंग - मिक्सड)। **नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट):** 22.08.2025 को दोपहर 12.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तिथि/समय:** 22.08.2025 को दोपहर 12.30 बजे। **द्रष्टव्य:** संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट **(www.ireps.gov.in)** पर ई-नीलामी मॉड्यूल पर जाएं। पूछताछ/स्पष्टीकरण, यदि कोई हो, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से संपर्क करें।

(PR-487) **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आद्रा**

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

हेरिटेज वॉक से बिहार म्यूजियम बिनाले-2025 का आगाज

आज सीएम करेंगे उद्घाटन, इस बार 'ग्लोबल साउथः साझी विरासत' बनी थीम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम के साथ बिहार म्यूजियम बिनाले-2025 का शुभारंभ बुधवार की सुबह हेरिटेज वॉक के आयोजन से हुआ। इस वॉक की शुरुआत सुबह 6:30 बजे पटना म्यूजियम से हुई जिसे बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस वॉक में 600 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें स्कूली छात्र, इतिहासप्रेमी, कला-संरक्षक और नागरिक शामिल थे। वॉक का मार्ग पटना म्यूजियम से बिहार म्यूजियम तक तय किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने एक घंटे तक ऐतिहासिक धरोहरों को निहारा और उनके इतिहास को जाना। इस वर्ष बिएनाले की थीम 'ग्लोबल साउथः साझी विरासत' रखी गई है।

स्कूली बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ लिया हिस्सा

इस अवसर पर अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि बिहार की कला, संस्कृति और इतिहास को जानने के लिए बिहार म्यूजियम जरूर आएं, विशेषकर बच्चों को अपनी धरोहर से जुड़ना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पाटलिपुत्र कभी पूरे भारत की राजधानी था। नालंदा, विक्रमशिला, तेलहारा जैसे स्थलों की खुदाई में कई अद्‌भुत पुरावशेष मिले हैं, जो बिहार की प्राचीनता का प्रमाण हैं। इन्हीं पुरावशेष को सुरक्षित रखने के लिए इस वॉक का आयोजन किया गया है। हेरिटेज वॉक के दौरान पटना हाईकोर्ट, दुलर्भ भवन और बिहार म्यूजियम जैसे ऐतिहासिक स्थलों की वास्तुकला, स्थापना, विशेषताओं आदि की जानकारी प्रतिभागियों को दी गई। इस वॉक में बच्चों ने धरोहर हमारी क्या मांगे -थोड़ा सम्मान, थोड़ा प्यार, पूरी सफाई जैसे संदेश वाली तख्तियों के साथ शांति और उत्साहपूर्वक भाग लिया। बता दें बिहार म्यूजियम की ओर से हर दो वर्ष पर आयोजित होने वाले इस बिएनाले का यह तीसरा संस्करण है। इससे पूर्व 2021 और 2023 में इसके सफल आयोजन हो चुके हैं। इस बार इसका उद्घाटन 7 अगस्त को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किया जाएगा जिसमें देश-विदेश के राजनयिक, क्यूरेटर, विद्वान और कलाकार शामिल होंगे। अपर निदेशक अशोक कुमार सिन्हा ने बताया कि यह दुनिया का पहला बिएनाले है जो पूरी तरह म्यूजियम्स पर केंद्रित है। इसे बिहार म्यूजियम के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित किया जाता है।

कई देश ले रहे हैं भाग

इस बार बिएनाले में इंडोनेशिया, श्रीलंका, कजाखस्तान, इथियोपिया, मैक्सिको, अर्जेंटीना, इक्वाडोर, पेरू, वेनेजुएला और भारत समेत ग्लोबल साउथ के देशों के प्रतिष्ठित संस्थान भाग ले रहे हैं। ये देश अपनी समृद्ध विरासत की झलकियों के माध्यम से वैश्विक सांस्कृतिक संवाद को नया आयाम देंगे। यह महोत्सव 31 दिसंबर तक चलेगा और पटना को एक बार फिर विश्व सांस्कृतिक मानचित्र पर प्रतिष्ठित करने की दिशा में अहम भूमिका निभाएगा।

बिहार पुलिस ने एक माह में पांच मिनी गन फैक्ट्री का किया उद्भेदन

एसटीएफ और बिहार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से 16 हथियार तस्करों को दबोचा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में अवैध तरीके से हथियार बनाकर उसकी खरीद बिक्री करने वालों के खिलाफ एसटीएफ और बिहार पुलिस की टीम ने जुलाई माह में संयुक्त रूप से अभियान चलाया जिसमें अवैध तरीके से संचालित पांच मिनी गन फैक्ट्री पकड़ी गई। साथ ही इसमें शामिल 16 अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। विदित हो कि राज्य में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन काफी सख्त हो गया है। अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई करने के साथ ही अवैध तरीके से हथियार की खरीद बिक्री पर करने वालों के खिलाफ बिहार पुलिस और एसटीएफ की टीम संयुक्त रूप से छापेमारी कर रही है। बिहार पुलिस और एसटीएफ की टीम ने जुलाई माह में अभियान चलाकर पांच मिनी गन फैक्ट्रियों का उद्भेदन किया। आंकड़ों की माने तो एसटीएफ और बिहार पुलिस की टीम 28 जुलाई 25 तक भागलपुर जिले के रतिपुर दियारा नाथनगर, मधुबनी जिले के खजौली थाना इलाके के इनरवा गांव, हाजीपुर, मुंगेर जिले के नयाराम नगर में छापेमारी कर पांच मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा किया है। पुलिस टीम ने छापेमारी के दौरान 16 हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि पुलिस से बचने के लिए भागलपुर, मुंगेर के बीच दियारा इलाके में अवैध तरीके से मिनी गन फैक्ट्री संचालित की जा रही थी। इसके साथ ही विभिन्न जिलों की पुलिस टीम भी अवैध तरीके से हथियार की सप्लाई करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। एसटीएफ का आर्म्स सेल भी लगातार कार्रवाई करने में जुटी हुई है। बिहार पुलिस लोगों से सहयोग करने की अपील की है ताकि अवैध तरीके से होने वाले हथियारों की तस्करी पर रोक लग सके।

विदित हो कि राज्य के मुंगेर, लखीसराय, खगड़िया, भागलपुर और बेगूसराय जिले के दियारा इलाके में असामाजिक तत्व अपनी शरण स्थली बनाते है और वहीं से अवैध हथियारों का धंधा करते हैं।

बिहार में स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम

अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह ने सीएनजी सेमिनार का किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सीएनजी के उपयोग को प्रोत्साहित करने एवं वाहनजनित प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड के सहयोग से बुधवार को होटल मौर्या में एक दिवसीय राज्य स्तरीय सीएनजी सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वाहन निर्माता कंपनी, सीएनजी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी, विभिन्न ऑयल कंपनी, पर्यावरण विशेषज्ञ, संबंधित स्टेकहोल्डर डिपार्टमेंट के प्रतिनिधियों एवं ट्रांसपोर्टरों ने भाग लिया। इसका उद्घाटन अपर मुख्य सचिव, परिवहन विभाग मिहिर कुमार सिंह ने की। अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन के वाहनों को आसानी से सीएनजी उपलब्ध हो इसके लिए बिहार राज्य पथ परिवहन निगम सहित अन्य बस स्टैंडों पर भी सीएनजी स्टेशन स्थापित किये जायेंगे। सीएनजी को प्रोत्साहित करने के लिए परिवहन विभाग द्वारा हर संभव सहयोग किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि घरेलू उपयोगकर्ताओं के बीच पाइप्ड नेचुरल गैस को बढ़ावा देने के लिए एवं वाहनों में सीएनजी के उपयोग के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने की आवश्यकता है। अधिक से अधिक लोग जागरुक हो सकें इसके लिए बिजली विभाग के उपभोक्ता डाटाबेस का उपयोग कर इन प्रचार अभियानों को लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है।

नगर विकास एवं आवास विभाग के अपर सचिव विजय प्रकाश मीणा ने कहा कि राज्य सरकार अपशिष्ट प्रबंधन को सर्कुलर इकोनॉमी के मॉडल में परिवर्तित करने की दिशा में कार्य कर रही है जिसका उद्देश्य कचरे से संसाधन की अवधारणा को साकार करना है। इस पहल से प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होगा एवं ऊर्जा की बचत होगी। राज्य परिवहन आयुक्त आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि इस सेमिनार का उद्देश्य राज्य में वैकल्पिक, पर्यावरण-अनुकूल ईंधनों विशेषकर सीएनजी को बढ़ावा देना तथा इससे संबंधित नीतियों, चुनौतियों और संभावनाओं पर चर्चा करना था।

अमित शाह को भाजपा राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने दी बधाई

फाइल फोटो

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश के सबसे लंबे समय तक कार्य करने वाले गृह मंत्री के रूप में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है जिस ऐतिहासिक उपलब्धि पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है। श्री सिन्हा ने कहा कि कार्यकर्ताओं के प्रेरणा स्रोत, कुशल संगठनकर्ता और राष्ट्र के सजग प्रहरी अमित शाह ने गृह मंत्री के रूप में देश की आंतरिक सुरक्षा, सुशासन और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कई साहसिक निर्णय लिए हैं। उनके नेतृत्व में देश ने न केवल आतंकवाद और उग्रवाद पर निर्णायक प्रहार देखा, बल्कि सुरक्षा एजेंसियों का भी आधुनिकीकरण हुआ. ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि अमित शाह की दूरदृष्टि, नीतिगत स्पष्टता और अडिग संकल्प के कारण ही देश की सुरक्षा नीति में ठोस बदलाव संभव हो सका। उन्होंने कहा कि उनका कार्यकाल सिर्फ समय की दृष्टि से नहीं, बल्कि गुणवत्ता और प्रभाव के लिहाज से भी ऐतिहासिक रहा है।

देशरत्न राजेन्द्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में नवप्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों का परिचय सत्र आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित देशरत्न राजेन्द्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में आज बी.एड. डिग्री पाठ्यक्रम (सत्र 2025-27) के नवप्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों का परिचय सत्र बड़े उत्साह एवं गरिमा के साथ आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्त वरिष्ठ पदाधिकारी विजय प्रकाश ने अपने संबोधन में कहा नवप्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत उसी उत्साह और स्नेह के साथ किया जा रहा है जैसे किसी नवजात शिशु की 'छठ्ठी' मनाई जाती है। बिहार विद्यापीठ एक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के रूप में, 104 वर्षों के गौरवशाली इतिहास का धनी है। इसने स्वतंत्रता संग्राम, समाज सेवा एवं शिक्षा-कौशल विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है। प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रभाव के इस युग में शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, संवेदनशीलता और नई चुनौतियों को अपनाने की आवश्यकता है। सचिव, बिहार विद्यापीठ, डॉ. राणा अवधेश ने प्रशिक्षणार्थियों को ईमानदारी, नैतिकता और अनुशासन को अपने जीवन का मूलमंत्र बनाने का संदेश दिया। निदेशक, शिक्षा, संस्कृति एवं संग्रहालय, डॉ. मृदुला प्रकाश ने विद्यालय शिक्षण के अनुभव साझा करते हुए कहा प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य शिक्षा सिद्धांतों को जमीनी स्तर पर लागू करना है। गतिविधि-आधारित शिक्षण से ही शिक्षक रोल मॉडल बन सकते हैं।

आधुनिक कृषि यंत्रों की खरीद पर किसानों को मिलेगा अनुदान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार किसानों को आर्थिक लाभ दिलाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसके लिए राज्य में कृषि यांत्रिकीकरण को बढ़ावा के लिए 'सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना (2025-26)' योजना के तहत अनुदान पर कस्टम हायरिंग सेंटर/ फार्म मशीनरी बैंक/ स्पेशल कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना के लिए कृषि विभाग ने 25 जुलाई से ऑनलाइन आवेदन मांगा है। इस योजना के तहत जीविका समूह, ग्राम संगठन, क्लस्टर फेडरेशन से संबद्ध फार्मर इंटरेस्ट ग्रुप, नाबार्ड, राष्ट्रीयकृत बैंक से संबद्ध किसान क्लब, फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन (एफपीओ), फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (एफपीसी), स्वयं सहायता समूह एवं पैक्स आदि अनुदान का लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए किसानों को वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। पहली श्रेणी में सभी जिलों के किसानों को कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) योजना के तहत 10 लाख रुपये तक की लागत के साथ 35 बीएचपी तक के ट्रैक्टर पर अधिकतम 1.60 लाख रुपये एवं अन्य यंत्रों पर 40 फीसदी का अनुदान मिल रहा है जो ट्रैक्टर पर अनुदान राशि सहित कुल अधिकतम 4.00 लाख रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है।

सैनिकों व उनके आश्रितों के लिए कई योजनाओं पर काम कर रही बिहार सरकार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सरहद पर अपने प्राणों की आहूति देकर देश की रक्षा करने वाले वीर सैनिकों, उनकी विधवाओं और आश्रितों के लिए बिहार सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। फिलहाल राज्य के महज 13 जिलों में ही जिला सैनिक कल्याण कार्यालय कार्यरत हैं। सरकार ने राज्य के 12 अन्य जिलों में नए जिला सैनिक कल्याण कार्यालय की स्थापना की है। साथ ही सेना से रिटायर होने वाले अधिकारियों और सैनिकों के पुनः नियोजन की भी राज्य सरकार ने व्यवस्था की है। कुल मिलाकर राज्य के सभी 25 जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों के संचालन की पूरी जिम्मेदारी भूतपूर्व सैनिकों को सौंपी गई है।

सैनिक कल्याण निदेशालय के निदेशक ब्रिगेडियर मृगेंद्र कुमार ने बताया कि वर्ष 2023 तक राज्य के महज 13 जिलों में जिला सैनिक कल्याण कार्यालय कार्यरत थे। इनमें मात्र दो जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में ही जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारियों की तैनाती की गई थी। 0उन्होंने बताया कि राज्य के जिन 12 जिलों में नए जिला सैनिक कल्याण कार्यालय की स्थापना की जा रही है, उनमें नालंदा, बेगूसराय, सीतामढ़ी, मधुबनी, समस्तीपुर, कैमूर, औरंगाबाद, जहानाबाद, कटिहार, सहरसा, पश्चिमी चंपारण और गोपालगंज शामिल हैं।

निदेशालय के सहायक निदेशक कर्नल एसके त्रिपाठी ने बताया कि वर्ष 2024 में रिक्त 11 पदों पर रोस्टर एवं आरक्षण नीति के अनुसार सैन्य सेवा के भूतपूर्व अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। फिलहाल राज्य के नौ जिलों में जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारियों की तैनाती कर दी गई है और शेष जिलों में नियुक्ति की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है। कर्नल एस के त्रिपाठी ने बताया कि अब राज्य के कुल 25 जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों में निम्नवर्गीय लिपिक के कुल 31 पदों पर पूर्व सैनिकों की नियुक्ति की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है। बिहार कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इन नियुक्तियों के लिए प्रतियोगिता परीक्षा सम्पन्न हो चुकी है। इसी तरह इन कार्यालयों में कल्याण व्यवस्थापक के रिक्त 25 पदों पर भी भूतपूर्व सैनिकों की नियुक्ति की जा रही है। इसके लिए भी कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा सम्पन्न हो चुकी है। भूतपूर्व सैनिकों के लिए बिहार सरकार ने कार्यालय परिचारी और रात्रि पहरी जैसे पदों का भी सृजन किया है। इतना ही नहीं, जिला सैनिक कार्यालय में डाटा इंट्री ऑपरेटर के पदों पर भी भूतपूर्व सैनिकों को तैनात करने का फैसला लिया जा चुका है। इसके लिए भूतपूर्व सैनिकों के कुल 20 पर संविदा के अद्धर पर नियुक्ति की जा रही है। इन कार्यालयों में वाहन चालक के पद पर भी भूतपूर्व सैनिकों की नियुक्ति की जा रही है।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने की उच्चस्तरीय बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की गयी। बैठक के दौरान पांचों मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे। बैठक में संरक्षा, सुरक्षा, ट्रेनों के समय पालन, मानसून के दौरान उठाये जाने वाले आवश्यक सावधानियों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। एसेट मेंटेनेंस, कॉशन ऑर्डर एवं स्पीड रिस्ट्रिक्शन आदि पर विषयों पर भी बैठक में विभागाध्यक्षों एवं मंडल रेल प्रबंधकों के साथ चर्चा की गयी। बैठक के दौरान मंडल रेल प्रबंधक द्वारा उठाये गये बिंदुओं पर भी गहन चर्चा की गयी। महाप्रबंधक ने पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्री सुविधा, सुरक्षा, संरक्षा आदि के संबंध में किये जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली।

शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग की शिकायतों का समाधान 10 सितंबर तक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य के शिक्षकों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। लंबे समय से ट्रांसफर और पोस्टिंग से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए शिक्षा विभाग ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने सभी जिला पदाधिकारियों (डीएम) और जिला शिक्षा पदाधिकारियों (डीईओ) को पत्र लिखकर ट्रांसफर-पोस्टिंग से संबंधित शिकायतों के निपटारे के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पत्र के अनुसार शिक्षकों को ट्रांसफर-पोस्टिंग से जुड़ी विशेष समस्याओं के लिए ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर आवेदन दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। अब सभी प्राप्त आवेदनों का निष्पादन करने के लिए जिला स्तर पर कार्रवाई शुरू की जाएगी। विभाग ने सभी शिकायतों की समीक्षा 31 अगस्त तक और ट्रांसफर-पोस्टिंग से संबंधित कार्रवाई 1 सितंबर से 10 सितंबर 2025 तक पूरा करने का निर्देश जारी किया है। शिक्षा विभाग ने ट्रांसफर-पोस्टिंग से जुड़ी शिकायतों को जिला स्तर और अंतर-जिला ट्रांसफर के स्तर पर बांटा है। जिले के भीतर शिकायतों की समीक्षा जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्थापना समिति करेगी और नये सिरे से ट्रांसफर या पोस्टिंग के आदेश जारी किए जाएंगे। वहीं अंतर-जिला ट्रांसफर-पोस्टिंग से जुड़ी शिकायतों की समीक्षा भी जिला स्थापना समिति ही करेगी। प्राथमिक शिक्षा के निदेशक प्राप्त शिकायतों की अनुशंसाओं के आधार पर अंतर-जिला ट्रांसफर का आदेश जारी करेंगे।

हिमालया बेबीकेयर ने शुरू किया हरकदम हर मां के साथ अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत के अग्रणी बेबीकेयर ब्रांड हिमालया बेबीकेयर ने वर्ल्ड ब्रेस्टफीडिंग वीक के अवसर पर एक संवेदनशील डिजिटल अभियान हैसटैग हरकदम हर मां के साथ लॉन्च किया है। यह अभियान माताओं को सार्वजनिक स्थानों पर स्तनपान के दौरान आने वाली असुविधा और गोपनीयता की कमी को उजागर करता है। अभियान के अंतर्गत हिमालया ने एक प्रभावशाली फिल्म जारी की है, जो यह संदेश देती है कि हर माँ को अपने शिशु को कहीं भी आत्मविश्वास और सम्मान के साथ स्तनपान कराने का अधिकार है। पिछले 13 वर्षों में हिमालया बेबीकेयर ने भारतभर में 500 से अधिक सुविचारित ढंग से डिज़ाइन किए गए हिमालया ब्रेस्ट फीडिंग रूम्स स्थापित किए हैं।

पीपीयू के दस कॉलेजों में स्थायी प्राचार्य को लॉटरी से कॉलेज आवंटित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में बुधवार को प्राचार्य के लिए चयनित 10 शिक्षकों को कॉलेज अवांटित कर दिया गया। चयनित प्राचार्यों को पूरी पारदर्शिता के साथ लॉटरी के माध्यम से कॉलेज अवांटित किया गया। लॉटरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो उपेन्द्र प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में निकाला गया। मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो एन के झा, कुलाधिपति की नामित सदस्य प्रो माधुरिमा मिश्र, सीनेट सदस्य सह एम एल सी नीरज कुमार और विवि के डीन प्रो राजीव रंजन, ओ एस डी डॉ शोला चन्द्रा मौजूद थे। इसकी विडियोग्राफी और फोटोग्राफी भी करायी गयी। लॉटरी विश्वविद्यालय के चतुर्थवर्गीय कर्मी ने निकाला। राजभवन के निर्देशानुसार सबसे पहली लॉटरी अल्फावेट और स्पॉस के आधार पर निकाला गया है। इसमें दो कॉलेज ए एन कॉलेज और बीडी कॉलेज शामिल थे। इसके लिए दो उम्मीदवार थी। ए एन कॉलेज के लिए पहली लॉटरी निकाली गयी। इसमें बीडी कॉलेज की शिक्षिका रेखा कुमारी का नाम ए एन कॉलेज के निकला। वहीं दूसरी उम्मीदवार का स्वतः ए एन कॉलेज की शिक्षिका प्रो रत्ना अमृत को बी डी कॉलेज, पटना अवांटित हो गया। इसके बाद अन्य कॉलेजों के लिए एक-एक लॉटरी निकाली गई। हालांकि कुछ चयनित प्राचार्यों ने मेडिकल ग्राउंड को हटाए जाने का शुरू में विरोध किया। हालांकि बाद में पूरी पारदर्शिता से लॉटरी निकाल कर कॉलेज अवांटित कर अधिसूचना जारी कर दी गई। राजभवन के निर्देशनुसार लॉटरी प्रक्रिया से विश्वविद्यालय के दस अंगीभूत कॉलेजों में प्राचार्यों को कॉलेज आवंटित कर दिया गया। कॉलेज का आवंटन पारदर्शी तरीके से किया गया। इसमें कुलाधिपति के नामित सदस्य, एमएलसी नीरज कुमार और कमिटी के समक्ष लॉटरी निकाली गई।

मारवाड़ी हेल्थ सोसायटी का वृहद मेगा हेल्थ कैम्प 10 को

26 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सक करेंगे मरीजों की जांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मारवाड़ी हेल्थ सोसायटी राजेंद्र नगर रोड नंबर 7 में रविवार 10 अगस्त को निशुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगा। अध्यक्ष राधेश्याम बंसल ने बताया कि यह शिविर स्व. गोपाल कृष्ण कनोडिया की स्मृति में श्री सीतादेवी कानोडिया एवं बालमुकुंद परिवार के सौजन्य से आयोजित किया जा रहा है। कार्यकारी अध्यक्ष हनुमान गोयल ने बताया कि शिविर में विभिन्न रोगों के 26 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों की जांच करेंगे। मरीज प्रातः आठ बजे से 10 बजे तक जांच हेतु अपना नम्बर लगा सकेंगे। सोसाइटी के सचिव दिनेश अग्रवाल ने बताया कि इस चिकित्सा शिविर में पेट रोग विशेषज्ञ डॉ अमित बंका, हड्डी रोह विशेषज्ञ डॉ अभिनव, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अभिषेक कुमार, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ विनीत कुमार एवं डॉ विकास सिंह, एलर्जी रोग विशेषज्ञ डॉ गौतम मोदी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ चारु मोदी, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर श्रवण कुमार, जेनेरल फिजिशियन पूनम नंदन एवं डॉ मुकेश कुमार, कान, नाक एवं गला विशेषज्ञ डॉ वंदना शर्मा, न्यूरो फिजिशियन डॉ हेमंत कुमार सहित अन्य डाक्टर मरीजों की जांच करेंगे। कोषाध्यक्ष सुजीत सिंघानिया ने बताया कि शिविर में चिकित्सकों द्वारा लिखे गए सभी तरह की पैथोलॉजिकल जांच तथा इसीजी, एक्स रे, शुगर एवं बीपी की जांच उसी दिन काफी रियायति शुल्क पर किये जायेंगे तथा सभी 11 उपलब्ध दवाएं भी निःशुल्क दिए जाएंगे। एम पी जैन ने बताया कि चिकित्सकों द्वारा अनुमोदित मोतियाबिंद के मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन भी कराया जाएगा। साथ ही नजदीक पढ़ने का चश्मा भी मुफ्त में उपलब्ध करवाया जाएगा। शिविर में जांच कराने वाले सभी मरीजों को नास्ते का पैकेट भी दिया जाएगा।

श्री खाटू श्याम पधारो पटना धाम के भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। श्री खाटू श्याम पधारो पटना धाम द्वारा एकादशी द्वादशी को संध्या देवी स्थान मंदिर जहाजी कोठी के समीप कदमकुआं में विशाल भंडारा का आयोजन किया गया जिसमें करीब 1500 से 2000 लोगों ने श्याम बाबा का प्रसाद पूड़ी, कचौड़ी, सब्जी, रायता, बुंदिया, भुजिया ग्रहण किए। इस भंडारे के आयोजन में आनन्द डालमिया, मुकेश हिसारिया, शेखर बागड़िया, जीतेंद्र कुमार जीतू, राजेन्द्र मित्तल, संजय टेकरीवाल, सुनील कनोडीया, पवन शर्मा, मोनू, अनुज गुप्ता, शुभम सर्राफ, कमलेश सिंह, अनंत अगरवाल, सज्जन चौधरी, सतीश खेमानी, अजय शर्मा, केशव अग्रवाल, रिषभ अग्रवाल, गोपी मित्तल, राजेश बजाज ने सहयोग किया। संस्था के संस्थापक कन्हैया अग्रवाल (कन्नू) ने बताया सावन एकादशी के अवसर पर श्री श्री श्याम मंडल, श्री श्याम सेवा ट्रस्ट, श्री खाटू श्याम सेना, एकादशी निशान पूजन समिति के सारे सदस्यों ने भी हिस्सा लेकर श्याम बाबा के इस भव्य आयोजन में भाग लिया।

स्तनपान सप्ताह पर जयप्रभा मेदांता अस्पताल का विशेष आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जयप्रभा मेदांता अस्पताल ने स्तनपान सप्ताह के अवसर पर एक विशेष आयोजन किया जिसमें डॉक्टर निहारिका रॉय ने स्तनपान के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि स्तनपान न केवल बच्चे के लिए बल्कि मां के लिए भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। स्तनपान के महत्व को समझाते हुए डॉक्टर रॉय ने कहा स्तनपान शिशु के लिए एक सम्पूर्ण आहार है जिसमें सभी आवश्यक पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यह शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और उन्हें विभिन्न बीमारियों से बचाता है। इसके अलावा स्तनपान मां और बच्चे के बीच भावनात्मक बंधन को भी मजबूत करता है। डॉक्टर रॉय ने आगे बताया कि स्तनपान मां के लिए भी कई लाभकारी है। यह मां के शरीर को प्रसव के बाद तेजी से स्वस्थ बनाने में मदद करता है और गर्भाशय को सामान्य आकार में लाने में सहायक होता है। इसके अलावा स्तनपान करने वाली माताओं में स्तन और गर्भाशय के कैंसर का खतरा कम होता है। कार्यक्रम में भाग लेने वाली महिलाओं ने स्तनपान के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने स्तनपान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसे समाज में प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया। जयप्रभा मेदांता अस्पताल के इस आयोजन ने स्तनपान के महत्व को उजागर करने और माताओं को इसके प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अस्पताल ने इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

संपादकीय

दिशोम गुरू का महाप्रयाण

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, जुझारू आदिवासी नेता शिबू सोरेन, जिन्हें आदर से लोग दिशोम गुरू यानी मार्गदर्शक कहते थे, का जाना इस देश में स्वातंत्र्योत्तर काल में सफल आदिवासी आंदोलन के एक समूचे अध्याय का समापन होना है। हालांकि सत्ता में रहने के कारण? शिबू पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे और जेल में भी रहे, लेकिन झारखंड की आम जनता के बीच उनकी छवि हमेशा एक महानायक की रही। झारखंड के मुख्यमंत्री और शिबू के बेटे हेमंत सोरेन की यह मार्मिक टिप्पणी काफी कुछ कहती है कि आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सभी को छोड़कर चले गए हैं। आज मैं शून्य हो गया हूं। शिबू सोरेन काफी समय से बीमार थे और दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। वहीं उन्होंने अंतिम सांस ली। झारखंड के आदिवासियों को एकजुट कर महाजनी प्रथा के खिलाफ लड़ाई को एक राजनीतिक सामाजिक न्याय के संघर्ष में बदलने में शिबू की निर्णायक भूमिका थी। उनका सारा जीवन आदिवासी समुदाय के हितों की रक्षा और संघर्ष में बीता। दरअसल शिबू झारखंड में आदिवासियों की पहचान बन गए थे। झामुमो को छोड़ दें तो देश में आदिवासियों की पार्टियां शायद ही सत्ता तक पहुंच पाई हैं। स्वयं शिबू में झारखंड के तीन बार मुख्यमंत्री और संसद के दोनों सदनों के सदस्य रहे। झारखंड के संथाल आदिवासी समुदाय में जन्मे शिबू सोरेन का बचपन संघर्ष से भरा था। उनका जन्म 1942 में पैतृक गांव रामगढ़ के नेमरा में हुआ था। आदिवासियों पर होने वाले अत्याचार और शोषण से आक्रोशित शिबू सोरेन ने पढ़ाई बीच में छोड़कर आदिवासियों को संगठित कर राज्य में महाजनी प्रथा के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंक दिया। 1973 में उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा का गठन किया, जिसका उद्देश्य बिहार के जंगल और आदिवासी इलाकों से अलग झारखंड राज्य बनाना था। इसके लिए उन्होंने कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा के साथ समझौते किए। लगभग तीन दशकों के संघर्ष के बाद उनका उद्देश्य साल 2000 में हासिल हुआ था, जब अलग झारखंड राज्य बना। हालांकि पहले इसका नाम आरएसएस के सुझाव पर वनांचल रखा गया था, लेकिन बाद जनता की मांग पर झारखंड कर दिया गया। शिबू सोरेन ने अपने 6 दशक के राजनीतिक जीवन में कई उतार चढ़ाव देखे। 2019 में वो बीजेपी उम्मीदवार सुनील सोरेन के हाथों लोकसभा का चुनाव हार गए थे। राज्य से इतर केंद्र की यूपीए सरकार में भी उन्हें बतौर मंत्री काम किया। हालांकि गिरते स्वास्थ्य के कारण उन्होंने सक्रिय राजनीति से दूरी बना ली थी और उनके उत्तराधिकारी के रूप में बेटे हेमंत सोरेन को पार्टी का सारा काम सौंप दिया था। शिबू सोरेन के निधन से समूचे झारखंड में शोक की लहर छा गई। लोग अपने प्रिय नेता के अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े। इतिहास शिबू सोरेन को आदिवासियों के मुक्ति दाता भगवान बिरसा मुंडा की परंपरा के नेता के रूप में सदा याद रखेगा। बिरसा मुंडा अंग्रेजों के खिलाफ निर्णायक संघर्ष किया था, जबकि शिबू सोरेन ने आजादी के बाद आदिवासियों के हकों और शोषण के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी।

11 वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर विशेष

भारत के हथकरघा: विरासत बुन रहे हैं, भविष्य को सशक्त बना रहे हैं

पबित्रा मार्गेरिटा

हर साल 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस एक ऐसे क्षण का प्रतीक है जो भारत के अतीत को उसके भविष्य से धागे-दर-धागा, कहानी-दर-कहानी जोड़ता है। यह दिन 1905 के स्वदेशी आंदोलन का स्मरण कराता है, जब हाथ से बुना कपड़ा न केवल एक वस्त्र के रूप में, बल्कि प्रतिरोध, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान के एक सशक्त प्रतीक के रूप में उभरा। एक नई शुरुआत के रूप में प्रारंभ हुआ यह प्रतीक विरासत, कला और सामुदायिक अभिव्यक्ति के ताने-बाने में बदल गया।

हथकरघा क्षेत्र आज ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में 35 लाख से अधिक बुनकरों और संबद्ध श्रमिकों को रोजगार देता है, जिनमें से 72त्न महिलाएँ हैं। अपनी समृद्धि के कारण, यह क्षेत्र अब एक ऐसे दौर में खड़ा है, जहाँ इसे बिना किसी कमी के नवाचार, बिना किसी अभाव के तकनीक और बिना किसी हाशिए के आधुनिकीकरण की आवश्यकता है।

एक स्थायी विरासत: भारत में हथकरघा बुनाई की समृद्ध विरासत हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की प्राचीन सभ्यताओं से जुड़ी है। सहस्राब्दियों से, यह शिल्प फलता-फूलता रहा है और प्रत्येक क्षेत्र ने बुनाई, विशिष्ट तकनीकों, रूपांकनों और अर्थों का अपना तौर-तरीका विकसित किया है। असम के मुगा रेशम की सुनहरी चमक से लेकर प्रसिद्ध बनारसी रेशमी साड़ियों तक; कश्मीर की पश्मीना से लेकर तमिलनाडु की चमकदार कांजीवरम साड़ियों तक, भारत की हथकरघा परंपराएँ उतनी ही विविध हैं, जितने इसके लोग।

एक बुनकर के घर में, जहाँ करघा अक्सर रसोई या एक तरफ के ÷आँगन÷ के साथ जगह साझा करता है, प्रत्येक साड़ी या शॉल एक अनोखी कथा को संप्रेषित करने के लिए तैयार की जाती है। न्यूनतम तकनीक, लेकिन अधिकतम रचनात्मकता के साथ, बुनकर धागों को विरासत में बदल देते हैं। बिना सिले हुए कपड़े, जो भारतीय परिधानों के प्रतीक हैं, क्षेत्रीय अभिव्यक्ति, अनुष्ठानों और कहानी कहने के कैनवास बन गए हैं। हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के शब्दों में, ÷हथकरघा भारत की विविधता और अनगिनत बुनकरों व कारीगरों की कुशलता को दर्शाता है।÷

पूर्वोत्तर- अवसरों का एक करघा: देश के कुल हथकरघा श्रमिकों में से लगभग 52त्न पूर्वोत्तर क्षेत्र में निवास करते हैं और 2019-20 की हथकरघा जनगणना के अनुसार, असम 12.83 लाख से अधिक बुनकरों और 12.46 लाख करघों के साथ देश में अग्रणी है। ÷असम का मैनचेस्टर÷ कहा जाने वाला सुआलकुची, पारंपरिक बुनाई उत्कृष्टता का प्रमाण है, जबकि धेमाजी जिले में मचखोवा जैसे विकासशील केंद्र इस क्षेत्र को और बढ़ावा देते हैं।

इसके सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए, पूर्वोत्तर के लिए सरकार का समर्पित मिशन आदिवासी बुनाई को बढ़ावा देने, हथकरघा पर्यटन को प्रोत्साहित करने, निर्यात को सुविधाजनक बनाने और युवाओं को प्रशिक्षित करने पर केंद्रित है। इस क्षेत्र को एक वैश्विक डिज़ाइन केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है, जहाँ प्राकृतिक रेशे, प्राचीन ज्ञान और आधुनिक उद्यमिता का संगम होता है। राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) के अंतर्गत, पूर्वोत्तर राज्यों के 123 छोटे समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। शिवसागर में एक बड़ा हथकरघा समूह स्थापित किया गया है तथा इम्फाल पूर्व और सुआलकुची में ऐसी दो परियोजनाएँ चल रही हैं। इस क्षेत्र में लगभग 3.08 लाख बुनकरों ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के अंतर्गत सार्वभौमिक एवं किफायती सामाजिक सुरक्षा के लिए नामांकन कराया है, जिनमें असम के 1.09 लाख बुनकर शामिल हैं।

पुनरुद्धार से पुनरुत्थान तक: पिछले 11 वर्षों में, वस्त्र मंत्रालय के कई विशिष्ट कार्यक्रमों के जरिये भारत के हथकरघा उद्योग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। समूह विकास पहलों, आधुनिक उपकरणों और ऋण तक पहुँच ने बुनाई को घरेलू गतिविधियों से सूक्ष्म उद्यमों में बदलने में मदद की है।

राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और कच्चा माल आपूर्ति योजना (आरएमएसएस) ने सूत की आपूर्ति, करघा उन्नयन, कार्य शेड निर्माण से लेकर आधुनिक उपकरणों तक पहुँच प्रदान करके शुरू-से-अंत तक सहायता सुनिश्चित की है। पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई जैसी योजनाओं से अत्यंत आवश्यक वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा मिली है। बुनकरों की मुद्रा योजना के तहत रियायती ऋण और अतिरिक्त राशि (मार्जिन मनी) सहायता ने कार्यशील पूंजी तक पहुँच का विस्तार किया है।

बुनकरों और उद्यमियों के लिए लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से, उच्च क्षमता वाले क्षेत्रों में हथकरघा पार्क स्थापित करने की योजना है। इन एकीकृत स्थानों में रंगाई इकाइयाँ, तुरंत शुरू करने योग्य (प्लग-एंड-प्ले) कार्यशालाएँ, डिजिटल प्रयोगशालाएँ, शोरूम तथा सौर ऊर्जा एवं अपशिष्ट पुनर्चक्रण जैसी सतत संरचनाएँ शामिल होंगी।

साथ ही, निफ्ट, एनआईडी और अन्य डिज़ाइन संस्थानों के साथ साझेदारी में क्षेत्रीय स्तर पर डिज़ाइन और नवाचार केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जहाँ डिज़ाइनर और बुनकर बुनाई के पारंपरिक सार का सह-निर्माण, संरक्षण और दस्तावेज़ीकरण करेंगे, और सांस्कृतिक डिज़ाइनों का ऑनलाइन संग्रह तैयार करेंगे। ये अभिनव कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर भारतीय हथकरघा के सौंदर्य और व्यावसायिक आकर्षण, दोनों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

तकनीक को अपनाना ज़रूरी है, लेकिन हथकरघा की आत्मा अक्षुण्ण रहनी चाहिए। अब एआई का उपयोग रुझानों की भविष्यवाणी और डिजिटल रंग चयन के लिए किया जा रहा है, जबकि ब्लॉकचेन उत्पाद का पता लगाना सुनिश्चित करता है और जालसाजी का मुकाबला करते हुए इस क्षेत्र को नए डिजिटल युग में ज़िम्मेदारी से आगे बढ़ाता है।

संयोजन की पुनर्कल्पना- ई-कॉमर्स और बाज़ार पहुँच: विपणन और ई-कॉमर्स गेम-चेंजर के रूप में कार्य करेंगे। रणनीति सरल लेकिन क्रांतिकारी है- बिचौलियों को खत्म करना, प्रचार के माध्यम से उपस्थिति बढ़ाना और बुनकरों को प्रारंभ से ही मंचों, प्रदर्शनियों और बाज़ारों से सीधे जोड़ना। इसी क्रम में, हथकरघा बुनकरों को सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) से जोड़ा जा रहा है और एक पारदर्शी, शून्य कमीशन वाला मंच प्रदान कर रहा है, जो उचित पारिश्रमिक, वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने की निःशुल्क व्यवस्था, आसान वापसी और सुरक्षित भुगतान विकल्प सुनिश्चित करता है।

इन प्रयासों के पूरक के रूप में, 106 हथकरघा उत्पादों को पहले ही भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्रदान किए जा चुके हैं, जो उनकी अनूठी क्षेत्रीय विरासत और शिल्प कौशल का सम्मान करते हैं। %हथकरघा चिह्न% और %भारतीय हथकरघा ब्रांड% के साथ, ये उपाय हाथ से बुने हुए उत्पादों की विशिष्ट पहचान को मज़बूत करते हैं, और खरीदारों को उनकी प्रामाणिकता, गुणवत्ता और पर्यावरण-अनुकूलता का आश्वासन देते हैं।

कौशल, सुरक्षा और स्थायित्व : आने वाला कल समावेशी क्षमता निर्माण पर निर्भर करता है। विशेष रूप से पारंपरिक तकनीकों के संरक्षण की दृष्टि से युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम, वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के साथ जोड़े गए हैं - जिनमें स्वास्थ्य बीमा, शैक्षिक छात्रवृत्ति और बुनकरों के लिए पेंशन लाभ शामिल हैं।

साथ ही, पर्यावरण-अनुकूल रंग, कार्बन उत्सर्जन न करने वाले उत्पादन मॉडल और जीवन-चक्र मूल्यांकन इस क्षेत्र की स्थायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हैं, और भारतीय हथकरघा को वैश्विक हरित आंदोलन के साथ जोड़ते हैं। वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से आईआईटी दिल्ली द्वारा तैयार की गई ÷भारतीय हथकरघा क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन आकलन- विधियाँ और केस स्टडीज़÷ शीर्षक वाली नई रिपोर्ट, एक संदर्भ और मार्गदर्शिका दोनों का काम करती है, जो भारत के लिए अधिक स्थायी संस्करण का मार्ग प्रशस्त करती है। पारंपरिक हथकरघा प्रथाओं में पर्यावरणीय चेतना को समाहित करके, यह अध्ययन सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के प्रति वस्त्र मंत्रालय की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। इससे यह भी सुनिश्चित होता है कि हथकरघा मूल्य श्रृंखला न केवल जलवायु-सहनीय हो, बल्कि नैतिक उत्पादन, समान मजदूरी और सम्मानजनक आजीविका पर भी आधारित हो।

भविष्य का मार्ग- सतत, समर्थन, पैमाना: भारत के हथकरघा क्षेत्र का दृष्टिकोण आंशिक रूप से सांस्कृतिक, आंशिक रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित और पूरी तरह से मानवीय है। महत्वाकांक्षी लक्ष्यों में निर्यात में वृद्धि, नए रोजगार सृजित करना और विभिन्न समूहों के बुनकरों को डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण प्रदान करना शामिल है। भविष्य तीन स्तंभों पर टिका है- आत्मा को बनाए रखना, निर्माता का समर्थन करना और पहुँच का विस्तार करना।

पारिश्रमिक से आगे बढ़ते हुए, इस क्षेत्र का उद्देश्य फेलोशिप, स्टार्टअप अनुदान और इनक्यूबेशन केंद्रों के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा देना है तथा विशेष रूप से अग्रणी युवाओं और महिलाओं को प्रोत्साहित करना है। ब्रांडिंग, मार्गदर्शन व सहायता और व्यवसाय विकास सहायता स्वामित्व-आधारित उद्यमों को बढ़ावा देगी, जो सांस्कृतिक रूप से प्रामाणिक और व्यावसायिक रूप से व्यावहारिक दोनों होंगे।

भारत का हथकरघा क्षेत्र निरंतर विकसित हो रहा है...: हथकरघा 2047 तक विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा में एक प्रमुख प्रेरक शक्ति बना हुआ है, साथ ही देश के सांस्कृतिक लोकाचार को संरक्षित कर रहा है और स्थायित्व एवं विवेकपूर्ण उपभोग को बढ़ावा दे रहा है। प्रतिरोध के एक साधन से नवाचार के एक प्रकाश स्तंभ तक की यात्रा, हथकरघा के कालातीत महत्व को दर्शाती है, जो आने वाले युगों में एक शाश्वत छाप छोड़ती है। विरासत, नवाचार और सामूहिक प्रयास को एक साथ बुनकर, भारत का हथकरघा क्षेत्र दुनिया को प्रेरित करने और देश में लाखों लोगों को सशक्त बनाने के लिए तैयार है। जैसा कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने परिकल्पना की है, ÷आइए हम हथकरघा को अपने दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाएँ और अपने पारंपरिक हथकरघा उत्पादों को वह दर्जा दें, जिसके वे हकदार हैं।

(लेखक केन्द्रीय वस्त्र राज्य मंत्री हैं)

झालावाड़ में स्कूली हादसे से भी नहीं खुलेगी नेताओं की नींद?

(योगेंद्र योगी)

राजस्थान के शिक्षा विभाग ने हाल ही आठ हजार स्कूलों का प्रस्ताव स्कूल शिक्षा परिषद को भेजा। इनमें से महज दो हजार स्कूलों का चयन कर इनमें मरम्मत के लिए 175 करोड़ प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेज दिया, लेकिन राशि अभी तक नहीं मिली।

देश के सरकारी स्कूलों के आधारभूत ढांचे और शिक्षा की गुणवत्ता की हालत करेला और नीम चढ़ा जैसी है। हालात ये हैं घिसी-पिटी, आधी-अधूरी शिक्षा ग्रहण करने वाले इन स्कूलों में बच्चों की जान तक महफूज नहीं है। राजस्थान के झालावाड़ जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के पलोदी गांव में सरकारी मिडिल स्कूल की छत गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई। इस हादसे में करीब 30 से ज्यादा बच्चे घायल हो गए। राज्य के सैकड़ों स्कूलों के संस्था प्रधान पिछले दो साल से विभाग से भवनों की मरम्मत के लिए बजट मांगते-मांगते थक गए, लेकिन सरकारी तंत्र पर कोई असर नहीं हुआ।

राजस्थान के शिक्षा विभाग ने हाल ही आठ हजार स्कूलों का प्रस्ताव स्कूल शिक्षा परिषद को भेजा। इनमें से महज दो हजार स्कूलों का चयन कर इनमें मरम्मत के लिए 175 करोड़ प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेज दिया, लेकिन राशि अभी तक नहीं मिली। इस बार केंद्र से सिर्फ नवीन भवनों का बजट मिला। इसके चलते सरकार ने पिछले बजट में 700 स्कूलों की मरम्मत की घोषणा की। इसके लिए 80 करोड़ जारी हो गए, जिनका कार्य चल रहा है। वहीं, हाल ही बजट में 175 करोड़ स्वीकृत किए गए।

राजस्थान के शिक्षा विभाग ने हाल ही आठ हजार स्कूलों का प्रस्ताव स्कूल शिक्षा परिषद को भेजा। इनमें से महज दो हजार स्कूलों का चयन कर इनमें मरम्मत के लिए 175 करोड़ प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेज दिया, लेकिन राशि अभी तक नहीं मिली। इस बार केंद्र से सिर्फ नवीन भवनों का बजट मिला। इसके चलते सरकार ने पिछले बजट में 700 स्कूलों की मरम्मत की घोषणा की। इसके लिए 80 करोड़ जारी हो गए, जिनका कार्य चल रहा है। वहीं, हाल ही बजट में 175 करोड़ स्वीकृत किए गए। लेकिन बजट कम होने के कारण दो हजार स्कूलों को शामिल किया गया। करीब छह हजार स्कूल मरम्मत का इंतजार कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि अकेले राजस्थान में ही सरकारी स्कूलों के भवनों की ऐसी दुर्दशा है। देश में 54 हजार से अधिक सरकारी स्कूल जर्जर हालत में हैं। इन स्कूलों में लाखों बच्चे जान जोखिम में डालकर पढ़ाई कर रहे हैं। ओडिशा में 12 हजार 343, महाराष्ट्र में 8 हजार 71, पश्चिम बंगाल में 4 हजार 269, गुजरात में 3 हजार 857, आंध्र प्रदेश में 2 हजार 789, मध्य प्रदेश में 2 हजार 659, उत्तर प्रदेश में 2 हजार 238 और राजस्थान में 2 हजार 061 स्कूल जर्जर हालत में हैं। इनमें कभी भी झालावाड़ जैसे हादसे की पुनरावृत्ति हो सकती है। राजस्थान में हुए स्कूली हादसे की पुनरावृत्ति देश के कई राज्यों में पूर्व में हो चुकी है। भोपाल के एक स्कूल में छत से प्लास्टर गिरने से छात्राएं घायल हो गईं। झारखंड की राजधानी रांची में एक स्कूल की इमारत की खिड़की का एक हिस्सा टूटकर गिरा था। उत्तर प्रदेश में भी स्कूलों की दीवारों में दरारें हैं और ऑपरेशन कायाकल्प का असर नहीं दिख रहा। बिहार में कई बच्चों के पास स्कूल की इमारत तक नहीं है और वे झोपडियों में पढ़ते हैं, जहाँ पीने का पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। मध्य प्रदेश के सतना में भी प्लास्टर गिरने से एक बच्चा घायल हुआ था।

सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के साथ शिक्षा की गुणवत्ता भी खराब है। यूडाइस की रिपोर्ट और प्रधानमंत्री पोषण योजना की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल सरकारी स्कूलों में डेढ़ करोड़ बच्चे कम हुए और इस साल तो मामला और गंभीर हुआ है। 23 राज्यों में बच्चों ने सरकारी स्कूल छोड़ दिया है। इनमें से राजस्थान सहित 8 राज्य ऐसे हैं जहाँ ये घटत, एक लाख से ज़्यादा की है। अर्थात लाखों बच्चों ने स्कूल छोड़ा। इनमें उत्तर प्रदेश में (21.83 लाख), बिहार (6.14 लाख), राजस्थान (5.63 लाख) और पश्चिम बंगाल (4.01 लाख) और कर्नाटक (2.15 लाख) बच्चों ने स्कूलों से मुंह मोड़ लिया। असम, तमिलनाडु, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और गुजरात की हालत भी यही है। साल 2024-25 के इकोनॉमिक सर्वे के मुताबिक भारत में 14.72 लाख स्कूल हैं, जिनमें 24.8 करोड़ बच्चे पढ़ते हैं और 98 लाख शिक्षक हैं। अब 57.2 प्रतिशत स्कूलों में कंप्यूटर हैं, 53 प्रतिशत में इंटरनेट है। प्राथमिक कक्षाओं से 1.9 प्रतिशत, उच्च प्राथमिक से 5.2 प्रतिशत और सेकेंडरी लेवल से 14.1 प्रतिशत बच्चे हर साल पढ़ाई छोड़ रहे हैं। ये सर्वे, पहले के मुक़ाबले स्कूलों की बेहतरी दिखा रहे थे। मगर हाल में नज़र आ रही गिरावट ने ये सारी बात उलट दी। भारत में स्कूली शिक्षा की स्थिति काफी खराब है। शोध अध्ययनों से पता चला है कि छात्रों की अनुपस्थिति दर बहुत अधिक है और उसकी तुलना में आधे से भी कम शिक्षक वास्तव में पढ़ा रहे थे।

वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट बताती है कि कक्षा 5 के छात्र कक्षा 2 की पाठ्यपुस्तक नहीं पढ़ सकते हैं या साधारण गणितीय प्रश्न हल नहीं कर सकते हैं। केंद्र और राज्य सरकार ने पिछले दो दशकों में शिक्षा में अधिक धन लगाया है, लेकिन अधिक व्यय, उच्च शिक्षक-छात्र अनुपात, पाठ्यक्रम परिवर्तन और एनजीओ के प्रयासों के बावजूद, पिछले दशक में एएसईआर के परिणामों में महत्वपूर्ण सुधार नहीं हुआ है। वर्ष 2009 में भारत ने अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम स्कूल रैंकिंग में भाग लिया। इस मूल्यांकन से पता चलता है कि 15 वर्षीय स्कूली बच्चे विज्ञान-गणित और पढने में कैसा प्रदर्शन करते हैं। भारत 74 देशों में से 72वें स्थान पर रहा, जो इसकी शिक्षा प्रणाली का प्रतीक है।

टैरिफ दादागिरी के बीच 'स्वदेशी' एक जनक्रांति बने

वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि वे संकल्प लें कि अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उनका यह आह्वान न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दबाव की राजनीति' और 'टैरिफ की दादागिरी' का माकूल जबाव है बल्कि भारत को सशक्त अर्थ-व्यवस्था बनाने की बुनियाद भी है। मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान इसी सोच के साथ किया है। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि भारत को 'लोकल के लिए वोकल' बनना होगा। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक गहन आर्थिक और सांस्कृतिक रणनीति है जो हमें बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सकती है। यह वही आत्मनिर्भरता है, जिसका बीजारोपण महात्मा गांधी ने चरखे और खादी के माध्यम से किया था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वदेशी जागरण के माध्यम से कर रहा है।

(ललित गर्ग)

डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट का ही परिणाम है कि उन्होंने दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत अर्थव्यवस्था' तक कह दिया, उनका यह कहना न केवल तथ्यहीन और निराधार है, बल्कि भारत की आर्थिक संप्रभुता पर एक असभ्य एवं अक्षम्य आक्षेप भी है।

वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि वे संकल्प लें कि अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उनका यह आह्वान न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दबाव की राजनीति' और 'टैरिफ की दादागिरी' का माकूल जबाव है बल्कि भारत को सशक्त अर्थ-व्यवस्था बनाने की बुनियाद भी है। मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान इसी सोच के साथ किया है। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि भारत को 'लोकल के लिए वोकल' बनना होगा। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक गहन आर्थिक और सांस्कृतिक रणनीति है जो हमें बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सकती है। यह वही आत्मनिर्भरता है, जिसका बीजारोपण महात्मा गांधी ने चरखे और खादी के माध्यम से किया था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वदेशी जागरण के माध्यम से कर रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट का ही परिणाम है कि उन्होंने दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत अर्थव्यवस्था' तक कह दिया, उनका यह कहना न केवल तथ्यहीन और निराधार है, बल्कि भारत की आर्थिक संप्रभुता पर एक असभ्य एवं अक्षम्य आक्षेप भी है। इससे भी अधिक विडंबनापूर्ण और चिंताजनक बात यह है कि भारत के कुछ विपक्षी दलों ने इस अपमानजनक बयान को घरेलू राजनीति की 'ऑक्सीजन' मानकर इसे आंतरिक राजनीति का हथियार बनाकर न केवल प्रचारित किया, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से उसका समर्थन भी किया। अक्सर विपक्षी दल देशविरोधी नैरेटिव को बढ़ावा देने में जुट जाते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का अंग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता पर आघात के समय एकजुटता ही राष्ट्रवाद की पहचान होती है। यह वही देशविरोधी मानसिकता है जो विदेशी मंचों पर देश की छवि को चोट पहुंचाती है और राजनीतिक स्वार्थों एवं मतभेदों को राष्ट्रीय स्वाभिमान से ऊपर रखती है। भारत की अर्थव्यवस्था को जिस तरह ट्रंप ने 'मृतप्राय' कहा, वह न केवल मौजूदा आर्थिक तथ्यों की अवहेलना है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दबाने का एक रणनीतिक षडयंत्र भी है। आईएमएफ, विश्व बैंक और ओईसीडी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं भी लगातार यह संकेत देती रही हैं कि भारत विश्व की सबसे तेज़ी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी पहलों के चलते भारत की अर्थव्यवस्था ने कोरोना महामारी के बाद जिस गति से पुनरुत्थान किया है, वह अनेक विकसित देशों के लिए भी उदाहरण है। सच्चाई यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था न तो मृत है, न ही दिशाहीन। हां, चुनौतियां हैं, बेरोजगारी, महंगाई, आय असमानता, लेकिन इनसे जूझते हुए भारत आत्मनिर्भरता और नवाचार की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहा है। वैश्विक मंचों पर भारत की वाणी अब कमजोर नहीं, बल्कि दृढ़ता और आत्मविश्वास से परिपूर्ण है। ऐसे समय में जब अमेरिका जैसे देश एकतरफा फैसलों से वैश्विक व्यापार संतुलन को तोड़ने पर आमादा हैं, तब भारत को अपनी आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के मंत्र को एक संकल्प बनाकर व्यवहार में लाना होगा। अमेरिका हो या चीन, आर्थिक नीतियों में नैतिकता नहीं, स्वार्थ ही केंद्र में रहता है। इसीलिए भारत को अब यह समझना होगा कि केवल आयात पर निर्भर रहकर हम अपनी आर्थिक सुरक्षा नहीं कर सकते। जब तक हम उत्पादन, निर्माण और उपभोग के क्षेत्र में स्वदेशी विकल्प नहीं अपनाते, तब तक हम इस टैरिफ आतंकवाद और वैश्विक अस्थिरता के शिकार बने रहेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच वर्षों से यह बात दोहराते रहे हैं कि भारत की आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र 'स्वदेशी' है। यह विचार केवल देसी वस्तुओं के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है, स्वदेशी संसाधनों, तकनीकों, कौशल और संस्कृति के आधार पर विकास का रास्ता तय करना। भारत का आर्थिक इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब देश ने अपनी आंतरिक क्षमताओं पर विश्वास किया, तब-तब उसने वैश्विक मंच पर अपना प्रभुत्व सिद्ध किया। चाहे दूध उत्पादन में श्वेत क्रांति हो, अंतरिक्ष में इसरो की सफलताएं हों या कोविड काल में स्वदेशी वैक्सीन बनाना, भारत ने दिखाया है कि वह किसी से कम नहीं। स्वदेशी का मंत्र सिर्फ 'यहां बनाएं' तक सीमित नहीं है, यह 'यहां के लोगों द्वारा, यहां की सोच के साथ' बनाया गया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी का 'मेक इन इंडिया' अभियान अब 'मेड बाय इंडिया' की दिशा में अग्रसर हो रहा है। भारत को ऐसी आर्थिक संरचना बनानी होगी जिसमें विदेशी पूंजी या तकनीक की बजाय स्वदेशी नवाचार, स्वदेशी उद्योग, और स्वदेशी उद्यमिता को बल मिले। इस संदर्भ में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि जो नीतियां बनें, वे स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने वाली हों, न कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लॉबी के दबाव में चलने वाली।

आज का समय वैसा ही है जैसा 1905 में बंग-भंग आंदोलन के समय था, जब बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और अरविंद घोष जैसे क्रांतिकारियों ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई थी। आज फिर एक नई क्रांति की जरूरत है, लेकिन यह क्रांति फैक्ट्रियों में, बाजारों में, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लड़ी जाएगी। हमारे युवाओं को चाहिए कि वे स्टार्टअप, इनोवेशन और तकनीकी प्रयोगों में विदेशी नकल न करें, बल्कि भारतीय ज़रूरतों और मूल्यों के अनुरूप नए समाधान विकसित करें। यही आत्मनिर्भर भारत की आत्मा है। हर भारतीय को यह समझना होगा कि जब वह विदेशी मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, या चीनी उत्पाद खरीदता है, तो वह सिर्फ एक उत्पाद नहीं ले रहा, बल्कि वह अपने देश के एक कारीगर, किसान या उद्यमी से रोज़ी-रोटी छीन रहा है। अब समय है कि उपभोक्ता भी जिम्मेदार बने। स्वदेशी उपभोग सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति का आधुनिक रूप है। आज जब वैश्विक पूंजीवाद लड़खड़ा रहा है और पश्चिमी देशों की नीतियों में आत्मकेंद्रितता हावी हो रही है, भारत को अपनी सांस्कृतिक, आर्थिक और बौद्धिक जड़ों की ओर लौटना ही होगा। यही समय है जब 'स्वदेशी' एक आंदोलन बने, एक जनक्रांति बने और एक ऐसी नई अर्थव्यवस्था की नींव डाले जो टिकाऊ, समावेशी और पूर्णतः आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री मोदी ने जो स्वदेशी का दीप जलाया है, वह केवल सरकार का काम नहीं, यह हम सभी का नैतिक, राष्ट्रीय और आत्मिक दायित्व है। तभी हम न केवल ट्रंप जैसी टैरिफ दादागिरी का जवाब दे पाएंगे, बल्कि एक सशक्त, सम्मानित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे, अपने स्वेद, अपने स्वप्न और अपने स्वदेश के बल पर।

वर्तमान परिप्रेक्ष्यों में यह आवश्यक हो गया है कि देश की आलोचना के नाम पर विदेशी अपमान का समर्थन करने की प्रवृत्ति का जनतांत्रिक रूप से विरोध हो। लोकतंत्र की सच्ची परिपक्वता यही है कि सरकार की आलोचना करते हुए भी हम राष्ट्र की प्रतिष्ठा और आत्मगौरव की रक्षा करें। जब तक भारत के भीतर से ही भारत की आवाज़ कमजोर की जाएगी, तब तक ट्रंप जैसे बाहरी 'टैरिफ तानाशाहों' को हमारे आत्मबल पर वार करने का साहस मिलता रहेगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है। जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी। हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय अल्प बचत अभिकर्ता संघ ने केंद्रीय संचार मंत्री से मुलाकात कर समस्याओं का सौंपा ज्ञापन

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। राष्ट्रीय अल्प बचत अभिकर्ता संघ भारत देश के राष्ट्रीय अल्प बचत अभिकर्ता संघ की समस्याओं को लेकर संगठन का 7 सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल राष्ट्रीय अध्यक्ष और पी जी कुलकर्णी के नेतृत्व में केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से उनके आवास पर मिलकर सर्वर में अपडेशन को लेकर देश भर मे व्यवसाय प्रभावित हैं, इस समस्या को आज प्रमुखता से संचार मंत्री के समक्ष उठाया गया! इसके साथ ही डाकघर से आने वाली अनेक समस्याओं को संचार मंत्री के समक्ष उठाया गया संचार मंत्री जी ने आज आश्वासन दिया है कि संसद का सत्र समाप्त होने के पश्चात संगठन के पदाधिकारियों के साथ एक अधिकारिक बैठक करते हुए सभी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा किया जाएगा! आज की मुलाकात के मुख्य रुप से संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पृथ्वीस भट्टाचार्य,सहायक सचिव श्री अभय जैन,राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुश्री गायत्री दुबे,राष्ट्रीय सहायक सचिव श्री मिलिंद साने, झारखंड राज्य के सचिव श्री सत्य नारायण दुबे व गिरीडीह के जिला अध्यक्ष श्री सुधीर आनंद शामिल थे।

संगठन के प्रति त्याग तपस्या बलिदान के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं :राजेश जायसवाल

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भाजपा गिरिडीह जिला मीडिया सह प्रभारी राजेश जायसवाल ने कहा सबसे खुशी की बात हैं पूरे झारखंड में गिरिडीह जिला अध्यक्ष महादेव दुबे जी के नेतृत्व में गिरिडीह जिला में सक्रिय सदस्यता अभियान एक नंबर पर रहा 34 मंडल में जो केंद्र से लक्ष्य मिला था उसे भी जिला अध्यक्ष ने पूरा कर लिए इसके लिए जिला अध्यक्ष जी को संगठन के प्रति त्याग तपस्या बलिदान के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं और सभी जिला के कार्यकताओं का मेहनत लगन सफल रहा इसके लिए सभी कार्यकताओं को बहुत-बहुत बधाई।

शिबु सोरेन का निधन झारखंडवासियों के लिए अपूरणीय क्षति है : डॉ. अशोक वर्मा

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री झारखण्ड आंदोलन क्रांतिकारी दिसोम गुरु शिबु सोरेंन की निधन दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में कल सुबह हो गया जो सभी झारखंडवासियों के लिए अपूर्ण छत्ती है, इस पर बेरोजगार रोजगार झारखंड के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक वर्मा ने गहरी शोक व्यक्त कर बताए हैं कि झारखण्ड के निमार्ता झारखण्डी महाजनी प्रथा कॉल्माफि या, भूमाफिया व हंडिया इत्यादि के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा के बैनर तले जन आंदोलन कर एक झारखंड राज्य की माँग के लिए आंदोलन किया , जो उन्हीं के प्रयास से आज झारखंड एक अलग राज्य है, जो दिशोम गुरु जी की कड़ी मेहनत व प्रयास से एक झारखंड वासियों को एक अलग पहचान दिलाए, और इस तरह वह अपना एक बेमिसाल नाम कायम किए, इसके साथ साथ देश में भी अपना एक अलग पहचान बनाए।

शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के एक मजबूत स्तंभ थे

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। श्री रामकृष्ण महिला महाविद्यालय में दिनांक 06.08.25 को दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन होने पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें दो मिनट का मौन रखा गया। शिबू सोरेन का निधन 4.8.25 को ही हुआ था। प्राचार्या डॉ मधुश्री सेन सान्याल ने उन्हें याद करते हुए कहा कि शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के एक मजबूत स्तंभ ही नहीं बल्कि वह भारत के एक प्रखर जननायक थे। उन्होंने हमेशा आदिवासी समाज, किसानों और मजदूरों के हक और अधिकार के लिए आवाज उठाया। साथ ही प्राचार्य ने कहा कि ईश्वर उनकी शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करें। इस श्रद्धांजलि सभा में डॉ. के. एन शर्मा. डॉ. मनीषा रतन होरो, प्रो रेणुका साहू, डॉ आतिश रंजन, प्रो पूनम प्रभा,प्रो दीपिका प्रो नम्रता तिर्की,डॉ संजीव कुमार सिन्हा, डॉ ज्योति चौधरी तथा महाविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी और छात्राएं उपस्थित थे।

फरियादियों द्वारा दिए गए आवेदन और उस पर हुई कार्रवाई को सार्वजानिक करें : अवधेश सिंह

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जनता दरबार में उपायुक्त महोदय गिरिडीह द्वारा फरियादीयों के साथ अमानवीय व्यवहार करने के विरोध में किसान जनता पार्टी ने झंडा मैदान गिरिडीह में धरना दिए` धरना को संबोधित करते हुए किसान जनता पार्टी के केन्द्रीय कमिटी अध्यक्ष -सह- अधिवक्ता अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा विधि सम्मत कार्य नही किए जाने व आम जनता को कानून द्वारा प्रदत अधिकारी से वंचित करने का शिकायत साक्ष्य के

साथ जब उपायुक्त श्री राम निवास यादव के समक्ष किया जाता है तो उन्हें इतनी मिर्ची लगती है कि वे अपने गरिमामय पद को भूल जाते है और क्रूर जमींदारों की तरह चीख चिल्लाकर डराने वाले अंदाज में फरियादीयों को धमकाने लगते हैं किसान जनता पार्टी के कार्यालय सचिव विजय कुमार ने कहा कि उपायुक्त यह चाहते हैं कि आम जनता का साधारण से साधारण काम भी गिरिडीह जिला का कोई अधिकारी कर्मचारी तभी करे जब उपायुक्त कार्यालय से संबंधित अधिकारी कर्मचारी को निर्देश मिले ताकि विवश होकर आम जनता को उपायुक्त के जनता दरबार में आना पड़े और उपायुक्त महोदय पीड़ित जनता को डांट फटकार के फरियादीयों पर अपना रौब झाड़ सके और भ्रष्ट अफसरों से अपनी वाहवाही करवा सके किसान जनता पार्टी के संयोजक दासो मुर्मू ने कहा कि गिरिडीह जिला के जन प्रतिनिधियों में अगर आम जनता के प्रति थोड़ा सा भी हमदर्दी है तो उपायुक्त श्री राम निवास यादव द्वारा लगाए जा रहे जनता दरबार का लाइव प्रसारण कराने का मांग सरकार से करें।

उपायुक्त की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक

लक्ष्य के अनुरूप अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के दिए गए निर्देश

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। समाज कल्याण अंतर्गत संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा कर उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी द्वारा यह सुनिश्चित किया जाय कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषाहार की आपूर्ति रूके नहीं एवं सभी लाभुकों को स-समय पोषाहार मिले जिन प्रखंडों में आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य लंबित है, भवन निर्माण विभाग से समन्वय स्थापित कर जल्द से जल्द निर्माण कार्य को पूरा करें सभी निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों में विद्युतीकरण कार्य जैसे लाइट, बल्ब, पंखा) और पेयजल, शौचालय आदि जैसे कार्यों को भी जल्द से जल्द दुरुस्त करें सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी गुणवत्तापूर्ण कार्यों को प्राथमिकता दें और तय समय पर निर्माण कार्य को पूरा करें आज समाहरणालय सभागार में उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के क्रम में सभी निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों में विद्युतीकरण कार्य जैसे लाइट, बल्ब, पंखा, स्विच और पेयजल, शौचालय आदि जैसे कार्यों को गति के साथ पूरा करें। इसके अलावा उपायुक्त ने कहा कि जिन प्रखंडों में आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य अधूरे है या किसी समस्या के कारण लंबित है, उसे यथाशीघ्र भवन निर्माण विभाग से आपसी समन्वय स्थापित कर निर्माण कार्य में आ रही दिक्कतों का त्वरित निराकरण करें। इसके साथ ही सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण कर आवश्यक सुविधाओं का जायजा लें और गुणवत्ता पूर्ण कार्यों को प्राथमिकता दें और तय समय पर निर्माण कार्य को पूरा कराएं। इसके अलावा उपायुक्त ने समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं जैसे पोषाहार वितरण, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, कन्यादान योजना, आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल, विद्युत व शौचालय आदि मूलभूत सुविधाओं, आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं/धात्री महिलाओं एवं नवजात बच्चों को दी जाने वाली पोषाहार की जानकारी ली गई एवं पोषाहार को सुनियोजित तरीके से वितरण करने हेतु आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी द्वारा यह सुनिश्चित किया जाय कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषाहार की आपूर्ति रूके नहीं एवं सभी लाभुकों को ससमय पोषाहार मिले। इसके अलावा उपायुक्त द्वारा सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी और महिला पर्यवेक्षिका को निदेशित किया गया कि आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सुनियोजित तरीके से पोषाहार सामग्रियों की पैकेजिंग कर आंगनबाड़ी के माध्यम से लाभुकों के बीच वितरण करना सुनिश्चित करें। साथ ही इससे संबंधित रिपोर्ट/प्रगति प्रतिवेदन भेजना निश्चित रूप से सुनिश्चित करें। इसके अलावा उपायुक्त द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र के सेविका-सहायिका के चयन प्रक्रिया की जानकारी लेते हुए कहा गया कि उपायुक्त द्वारा कहा गया कि प्रखण्ड स्तर पर आंगनबाड़ी केन्द्र के लाभुकों का आधार इन्रौलमेन्ट कराकर उसे आधार से जोड़ने के कार्य में प्रगति लायी जाय एवं जिन प्रखण्डों में लाभुकों के आधार इन्रौलमेन्ट की संख्या कम है, वहाँ इसमें वृद्धि की जाय। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने समाज कल्याण में अन्य रिक्त पदों को शीघ्र भरने हेतु आवश्यक निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि सेविका/सहायिका से संबंध रिक्तियों को भरने हेतु किए जाने वाले प्रक्रिया में तेजी लाते हुए यथाशीघ्र नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी करें। बैठक के दौरान उपायुक्त ने प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करें। उपायुक्त ने कुपोषण उपचार केंद्र (एमटीसी) और सैम-मेम (सेवरेली अक्यूट मालनुट्रिशन-मोडरेट अक्यूट मालनुट्रिशन) की समीक्षा की, जिसमें कुपोषित बच्चों के उपचार और पोषण संबंधी योजनाओं की प्रगति पर चर्चा हुई। उपायुक्त ने कुपोषण उपचार केंद्रों में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को भर्ती कर समुचित इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कुपोषण उपचार केंद्रों (एमटीसी) में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों (सैम) को भर्ती करने और उनका इलाज करने पर जोर दिया। इसके अलावा उपायुक्त ने सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना 2025- 26 के तहत राज्यांश के वितरण की स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही आंगनबाड़ी सेविका/सहायिका के शेष मानदेय का भुगतान यथाशीघ्र करने का निर्देश दिया। बैठक के अंत में उपायुक्त ने कहा कि जिले में अवैध संचालित अल्ट्रासाउंड क्लीनिक का निरीक्षण करें और जांच कर अपने वरीय अधिकारी को सूचित करें बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार की बैठक की, दिए दिशा-निर्देश

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। लोगों के आवेदनों और उनके वाद को निष्पादित करने की कारवाई नियमित रूप से संचालित करें तथा वाद सूची एवं आदेश ऑनलाइन अपलोड करना भी सुनिश्चित करें आज समाहरणालय सभागार में जिला उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव की अध्यक्षता में राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार से जुड़ी बैठक आयोजित हुई। बैठक में उपायुक्त द्वारा अंतर विभागीय भूमि हस्तांतरण, म्यूटेशन, म्यूटेशन अपील, भूमि सीमांकन, किराया संग्रह, परिशोधन, पीजीपोर्टल/सीपीजीआरएएमएस, ई-राजस्व न्यायालय (आरसीएमएस) समेत अन्य के प्रतिवेदनों पर बिंदुवार समीक्षा की गई। इस दौरान जितने भी लंबित आवेदन है उन्हें कैंप लगाकर जल्द निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही भारत सरकार एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों को भूमि हस्तांतरण की समीक्षा करते

हुए उपायुक्त ने भूमि हस्तांतरण हेतु प्राप्त अधियाचना की अंचलवार अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। समीक्षा के क्रम में लंबित म्यूटेशन के आवेदनों को लेकर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा में ही आवेदनों का निष्पादन करना सुनिश्चित करें। वैसे आवेदन जो 90 दिनों से ज्यादा लंबित हैं उन्हें यथाशीघ्र निष्पादित करें। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न अंतर विभागीय भूमि हस्तांतरण मामलों को भी जानकारी लिए साथ ही उनके यथाशीघ्र निष्पादन करने को भी कहा। वहीं जिन क्षेत्रों में भूमि हस्तांतरण का कार्य लंबित है, वहां के संबंधित अंचलाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए भूमि चिह्नित कर प्रस्ताव जल्द से जल्द भेजने का निर्देश दिया। उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने सभी अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपनी अदालती कार्रवाई को नियमित चलाए, जिससे लंबित मामलों का जल्द से जल्द निबटारा हो सके एवं संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि उनके द्वारा लोगों के आवेदनों और उनके वाद को निष्पादित करने की कार्यवाही नियमित रूप से संचालित करें तथा वाद सूची एवं आदेश ऑनलाइन अपलोड करना भी सुनिश्चित करें। वहीं जितने भी शिकायत पोर्टल पर मिले हैं, उनका जल्द से जल्द निष्पादन करना भी सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने संबंधित अंचल अधिकारी को विभिन्न परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित भूमि के म्यूटेशन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का भी निर्देश दिया बैठक में अपर समाहर्ता, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता, अभी अंचलाधिकारी, जिला अवर निबंधक, सभी अवर निबंधक समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जन संघर्षों की आवाज जनजातीय अस्मिता के नायक के निधन से पूरे झारखंड में शोक की लहर : इरफान आलम

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड की संस्कृति और क्रांतिकारी विरासत की गोद में 11 जनवरी 1944 में पैदा लिए रामगढ़ के नेमरा गांव जो संघर्ष की भूमि से नवाजी गई थी जहां सूदखोर महाजनों का ताण्डव आदिवासी समाज के गरीब गुरबों को सताया जा रहा था उस संघर्ष की भूमि पर जन्म लिए दिशोम गुरु शिबू सोरेन की क्रांतिकारी मिजाज वाली शिबू सोरेन जी एक राजनेता ही नहीं थे वे झारखंड की आत्मा और झारखंडियों के स्वाभिमान तथा झारखंडी अस्मिता के प्रतीक थे सामाजिक न्याय के महान पुरोधा जनजातीय समाज का मसीहा दबे कुचलों एवं अभिवंचित वर्ग के लोगों के हक और अधिकार को दिलाने वाले महान शख्शियत राज्य सभा सांसद पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय स्व दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन का दुःखद समाचार

ताकतों से उस शोषित पीड़ित परिवार वालों को आजादी दिलाते हुए महाजनी प्रथा का अंत किया और राजनीतिक विरासत की पराकाष्ठा को स्थापित कर पूरे झारखंड की आवाज बन कर उभरना इस झारखंड वासियों के लिए वरदान साबित हुआ उनके निधन से पूरे झारखंड नहीं पूरा देश वासियों के लिए अपूरणीय क्षति है। अलग झारखंड राज्य आन्दोलन का महानायक वीर योद्धा दिशोम गुरु स्व सुनते ही पूरा राज्य में शोक संवेदनाओं और श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन करते हुए उनके पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन को लेकर अनंत शव यात्रा में सभी झारखंडी नेताओं, कार्यकताओं, समाज सेवियों, जन प्रतिनिधियों सभी झारखंडी जनता समेत लोकतांत्रिक हस्तियों का जत्था उनके पैतृक गांव नेमरा पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

आरपीएस टीचर्स ट्रेनिग कॉलेज में बीएड सत्र 2025-27 का सत्रारम्भ कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया

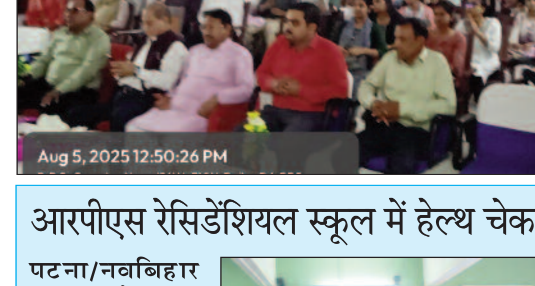

बीएड 2025-27 का सत्रारम्भ

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दिनांक 05.08.2025 को आरपीएस टीचर्स ट्रेनिग कॉलेज, दानापुर, पटना में बीएड सत्र 2025-27 प्रथम वर्ष का सत्रारम्भ कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. (डा.) विवेकानंद सिंह, प्राचार्य बीडी कालेज, पटना, प्रो. (डा.) प्रवीण कुमार, पूर्व प्राचार्य एएन कालेज, पटना, तथा प्रो. (डा.) जगन्नाथ प्रसाद, प्राचार्य आरकेडी कालेज, पटना के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य बी डी कालेज, पटना, प्रो. (डा.) विवेकानंद सिंह बीएड के प्रशिक्षुओं को शिक्षण-प्रशिक्षण की महत्ता के बारे में विस्तार से बताया। सम्मानित अतिथि के रूप में प्राचार्य प्रो. (डा.) प्रवीण कुमार, पूर्व प्राचार्य एएन कालेज, पटना तथा प्रो. (डा.) जगन्नाथ प्रसाद, प्राचार्य आरकेडी कालेज, पटना ने प्रशिक्षुओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के द्वारा विद्यालयों की शिक्षण व्यवस्था में योगदान हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन एमएड की प्रशिक्षु सोनी कुमारी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डा.) प्रभाकर तिवारी ने बीएड के प्रशिक्षुओं को महाविद्यालय की गरिमा एवं "सिलेबस" के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन प्रो. (डा.) रेखा रंजन ने किया। सत्रारंम कार्यक्रम में श्री गौरी शंकर प्रसाद सिंह, श्रीमति ईवा जी एवं अन्य शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों एंव अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

आरपीएस रेसिडेंशियल स्कूल में हेल्थ चेक अप

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दिनांक 05.08.2025 को स्थानीय आरपीएस रेसिडेंसियल स्कूल में जय प्रभा मेदांता हॉस्पीटल, पटना की टीम ने विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों के स्वास्थ्य की गहन जाँच की। विद्यालय के प्रत्येक सदस्य को उचित सलाह दी गई। टीम के प्रमुख श्रीमती डॉ प्रिया एवं सहकर्मियों को विद्यालय के प्राचार्य श्री दिलीप कुमार सिंह एवं उप प्राचार्या श्रीमती उषा सिन्हा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। श्री सुनील कुमार चिकित्सा सहायक ने भी अपनी अहम भूमिका निभायी एवं आगंतुको का भरपूर सहयोग किया ।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग तथा भूमि संरक्षण निदेशालय द्वारा अनुदान पर ट्रैक्टर वितरण

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग अंतर्गत भूमि संरक्षण निदेशालय द्वारा महिलाओं के आजीविका संवर्द्धन हेतु विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में भूमि संरक्षण पदाधिकारी रॉयलेन जीदन सोय के द्वारा दो सहायता समूह की महिलाओं के बीच ट्रैक्टर का वितरण किया गया। विओ - जमुआ प्रखंड की दो महिला समूहों- कस्तूरबा गांधी महिला स्वयं सहायता समूह और सुगंधी आजीविका सखी मंडल- को दो ट्रैक्टरों का वितरण 50% अनुदान पर किया गया इस पहल का उद्देश्य महिला स्वावलंबन को बढ़ावा देना और कृषि कार्यों में यंत्रीकरण को प्रोत्साहित करना है। ट्रैक्टर प्राप्त होने से इन समूहों की आय में वृद्धि होने की संभावना है तथा स्थानीय किसानों को भी इसका लाभ मिलेगा भूमि संरक्षण निदेशालय द्वारा संचालित यह योजना राज्य सरकार की ग्रामीण विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मौके पर संबंधित अधिकारियों और समूह की महिलाओं की उपस्थिति सराहनीय रही। हिमालय लॉ कॉलेज, पालीगंज, पटना ने आगामी सत्र 2025 के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। हिमालय लॉ कॉलेज, पालीगंज, पटना ने आगामी सत्र 2025 के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। यह संस्थान बार काउंसिल ऑफ इंडिया से अनुमोदित तथा पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना से संबद्ध एक प्रतिष्ठित विधि शिक्षण संस्थान है। कॉलेज द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में एल.एल.एम. (परास्नातक विधि), एल.एल.बी. (स्नातक विधि), बी.ए. एल.एल.बी. (कला संकाय सहित विधि) एवं बी.बी.ए. एल.एल.बी. (प्रबंधन संकाय सहित विधि) शामिल हैं। इस वर्ष कॉलेज ने बिहार सरकार की बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को निःशुल्क नामांकन एवं पढ़ाई की सुविधा प्रदान करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण विधि शिक्षा प्राप्त करने में सहूलियत होगी। कॉलेज में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हाई-टेक मूट कोर्ट एवं मल्टीमीडिया कंट्रोल सेंटर उपलब्ध हैं। संस्थान में मल्टी-इंस्टीट्यूशनल एवं मल्टीडायमेंशनल शैक्षणिक वातावरण प्रदान किया जाता है, जहाँ अनुभवी एवं इंडस्ट्री से जुड़े शिक्षकों द्वारा शिक्षा दी जाती है। विद्यार्थियों को पहले ही वर्ष से इंटर्नशिप की सुविधा दी जाती है जिससे उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है। इसके साथ ही वाई-फाई युक्त अत्याधुनिक लैंग्वेज लैब, तथा लड़कों एवं लड़कियों के लिए 24x7 सुसज्जित छात्रावास की व्यवस्था भी की गई है। विधि के क्षेत्र में एक उज्ज्वल करियर बनाने की चाह रखने वाले छात्र इस अवसर का लाभ उठाकर हिमालय लॉ कॉलेज से जुड़ सकते हैं।

दिशोम गुरू शिबू सोरेन भारत रत्न के हकदार : झामुमो

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। महाजनी प्रथा, अशिक्षा, हडिया दारू के खिलाफ लडी लड़ाई नेता ही नहीं समाज सुधारक भी थे गुरूजी झामुमो गिरिडीह के प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा ने दिशोम गुरू शिबू सोरेन को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन भारत रत्न के हकदार हैं जो उन्हें जीवनकाल में ही मिल जाना चाहिए था। शिबू सोरेन ने हमेशा निचले पायदान पर खड़े लोगों के हक-अधिकार की लड़ाई लड़ी। ये वो दौर था जब महाजनी प्रथा से गरीब लोग परेशान थे। गुरूजी ने इसके खिलाफ जंग छेड़ी और गरीबों को महाजनों के आंतक से मुक्ति दिलाई जिस दौर में शिबू सोरेन ने गरीबों-मजलूमों की आवाज बुलंद की, उस वक्त महाजन व जमींदार लोग चंद पैसों के एवज में गरीब किसानों की जमीनें रजिस्ट्री ऑफिस में कठकेवाला करवा लेते थे। कठकेवाला में एक लिखित शर्त डलवा दी जाती थी कि निर्धारित दिनों में महाजन से लिया हुआ पैसा वापस कर देंगे नहीं तो वो जमीन महाजन की हो जाएगी। गरीब किसान समय पर पैसा वापस नहीं कर पाते थे और वो जमीन महाजन ले लेता था। इसके लिए दिशोम गुरूजी ने धनकटनी अभियान चलाया और जिन जमीनों का कठकेवाला था और जिस पर महाजन लोग धान रोपते थे, फसल पकने के बाद उन्होंने धनकटनी अभियान शुरू करवाया। यानि, जिसका खेत, उसकी फसल। उन्होंने महाजनी प्रथा के खिलाफ लड़ाई लडकर इसके चंगुल में फंसे लोगों को इस तरह से मुक्ति दिलाई श्री शर्मा ने कहा कि अशिक्षा के खिलाफ भी गुरूजी ने लड़ाई लड़ी। गांव के गरीबों को, डिबिया जलाकर पढने वालों के बीच गुरूजी ने लालटेन बांटा और कहा - "पढना जरूरी है।"

उपायुक्त रामनिवास यादव के द्वारा मुख्य समारोह स्थल झंडा मैदान में प्रातः 9:00 बजे ध्वजारोहण किया जायेगा

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। स्वतंत्रता दिवस के आयोजन में प्रोटोकॉल एवं अनुशासन का ध्यान रखते हुए समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम को सफल बनायेंः- सभी पदाधिकारी निष्ठापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगें आगामी 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर आज समाहरणालय सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस का मुख्य आयोजन हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी झंडा मैदान में किया जाएगा। जहां प्रातः 9:00 बजे झंडोतोलन किया जायगा।इसके साथ ही प्रमुख चिन्हित स्थलों पर भी निर्धारित समय में झंडोतोलन किया जाएगा। विभिन्न स्थानों पर झंडोतोलन का समय निम्न प्रकार से निर्धारित किया गया है -

जिला गोपनीय शाखाः- 8:20 बजे प्रात।

2. झण्डा मैदान, गिरिडीहः- 9:00 बजे प्रातः
3. समाहरणालय परिसर, गिरिडीहः- 10:40 बजे प्रातः
4. अनुमंडल कार्यालय, गिरिडीहः- 11:00 बजे प्रातः
5. कर्मचारी महासंघ भवन, गिरिडीहः- 11:05 बजे प्रात।
6. जिला परिषद कार्यालय गिरिडीहः- 11:10 बजे प्रातः
7. सिविल सर्जन कार्यालय, गिरिडीहः- 11:15 बजे प्रातः
8. नगर निगम, गिरिडीहः- 11:25 बजे प्रातः
9. अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गिरिडीहः- 11:30 बजे प्रातः
10. पुलिस लाईन, गिरिडीहः- 11.40 बजे प्रात

समारोह में साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा सुविधा, ट्रैफिक नियंत्रण एवं आपातकालीन सेवाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए ।साथ ही, आमंत्रण पत्रों का समय पर वितरण, स्वतंत्रता सेनानियों व उनके परिजनों को आमंत्रित करने पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया।बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमामय, एवं अनुशासित ढंग से आयोजित करने हेतु विभिन्न विभागों के संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया सभी संबंधित पदाधिकारी जिन्हें जो भी दायित्व मिला है, उसका निष्ठापूर्वक निर्वहन करेंगे एवं आपसी समन्वय स्थापित कर पूरे कार्यक्रम को सफल बनायेंगें साथ ही उपायुक्त, श्री राम निवास यादव ने सभी संबंधित पदाधिकारी को प्रोटोकॉल के अनुसार जिले में सभी चिन्हित स्थलों, कार्यालयों सहित सभी सामुदायिक पुस्तकालयों, पंचायत सचिवालयों, प्रखंड मुख्यालयों में राष्ट्रध्वज फहराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया प्रभात फेरी हेतु सभी स्कूलों की छात्र/छात्राएं झंडा मैदान में एकत्रित होंगे। इस कार्य के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक एवं अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह के साथ समन्वय स्थापित कर अपने स्तर से समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। यातायात पुलिस पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि प्रभात फेरी से संबंधित मार्गो पर यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संधारित करेंगे एवं प्रभात फेरी के लिए निर्धारित समय अवधि एवं मार्ग में भारी वाहनों का प्रवेश सुबह 6:00 से दोपहर 12:00 बजे तक बंद रखेंगे स्वतंत्रता दिवस के मुख्य कार्यक्रम का आयोजन झंडा मैदान में किया जाएगा। झंडा मैदान के स्टेज, दीवार, झंडा का पाइप, पेड़ आदि का रंग-रोगन का कार्य कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल के द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में साउंड सिस्टम, बैनर, पोस्टर, की व्यवस्था जिला जनसंपर्क पदाधिकारी करेंगे ।नगर निगम शहर में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखेंगे ध्वजारोहण समारोह के परेड में निम्नलिखित विभाग / विद्यालय के टुकडियों द्वारा भाग लिया जायेगा :- 1. महिला पुलिस 2. डीएपी जवान के दो टुकड़ी 3. होम गार्ड 4. एनसीसी (सिनियर) 5. डीएभी सीसीएल. 6. कार्मेल स्कूल. 7. सुभाष पब्लिक स्कूल, 8. कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय, गिरिडीह 9. सर जे. सी. बोस बालिका उच्च विद्यालय 10 बी. एन. साहा डी. ए. वी. पब्लिक स्कूल गिरिडीह विद्यालय के छात्र-छात्राऐं भाग लेगें। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जिले के सभी शराब, भांग, गांजा, मांस, मछली आदि की दुकानें सहित कसाई खाना बंद रहेंगे।

साल का सबसे बड़ा आईपीओ ला रही टाटा की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की फाइनेंस कंपनी टाटा कैपिटल अपना आईपीओ लेकर आ रही है। कंपनी ने सेबी के पास सभी जरूरी डॉक्यूमेंट फाइल कर दिए हैं। माना जा रहा है कि इस आईपीओ का साइज 2 बिलियन डॉलर (करीब 17555 करोड़ रुपये) हो सकता है। अगर ऐसा होता है तो यह साल 2025 का अब तक का सबसे बड़ा और देश का अब तक का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ होगा। अगर आप इस आईपीओ में निवेश करने के बारे में सोच रहे हैं तो पैसा तैयार रखें।

रिजर्व बैंक ने कुछ बड़े गैर बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी को शेयर बाजार में लिस्ट होने के लिए कहा है। एनबीएफसी बैंक नहीं होती हैं, लेकिन ये लोन देने और दूसरी वित्तीय सेवाएं देती हैं। टाटा कैपिटल भी एक एनबीएफसी है, इसलिए इसे भी शेयर बाजार में आना पड़ रहा है। रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार एनबीएफसी कंपनियों को सितंबर के अंत तक लिस्ट होना जरूरी है।

- **21 करोड़ नए शेयर**– कंपनी की ओर से जमा किए गए डीआरएचपी के अनुसार, इस आईपीओ में 21 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 26.58 करोड़ शेयर ऑफर फोर सेल (ओएफएस) के तहत बेचे जाएंगे। ओएफएस में टाटा संस 23 करोड़ शेयर बेचेगी, जबकि इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन 3.58 करोड़ शेयर बेचेगा।
- **कंपनी क्या करेगी पैसे का**– नए शेयर जारी करने से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल टाटा कैपिटल अपने टीवर-1 कैपिटल बेस को मजबूत करने के लिए करेगी। इससे कंपनी को भविष्य में उधार देने जैसे कामों के लिए और पैसे मिलेंगे। टीवर-1 कैपिटल बेस का मतलब है कंपनी के पास मौजूद वह पैसा, जिसका इस्तेमाल वह नुकसान होने पर कर सकती है।

ट्रंप सेमीकंडक्टर और चिप्स पर लगाएंगे नए टैरिफ

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अगले एक सप्ताह या उसके आसपास सेमीकंडक्टर्स और चिप्स के आयात पर नए टैरिफ लागू किए जाएंगे। यह कदम उनकी सरकार की आक्रामक व्यापार नीति का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग को वापस लाना है। सीएनबीसी के स्क्वॉक बॉक्स कार्यक्रम में बोलते हुए ट्रंप ने

कहा, हम सेमीकंडक्टर्स और चिप्स पर टैरिफ का ऐलान करने जा रहे हैं, जो एक अलग श्रेणी है, क्योंकि हम चाहते हैं कि ये अमेरिका में बनें। हालांकि, उन्होंने टैरिफ रेट या लागू होने के समय के बारे में कोई डीटेल नहीं दिया। यह घोषणा ऐसे समय आई है, जब अमेरिकी वाणिज्य विभाग अप्रैल से ही संभावित शुल्कों की तैयारी के लिए सेमीकंडक्टर मार्केट की जांच कर रहा है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, इस उद्योग से वैश्विक स्तर पर लगभग 700 अरब डॉलर की बिक्री होने का अनुमान है।

किन देशों और कंपनियों पर पड़ेगा असर– दुनिया के अधिकांश एडवांस्ड सेमीकंडक्टर फिलहाल ताइवान से आते हैं, जहां प्रमुख चिप निर्माता कंपनी टीएसएमसी स्थित है। इसके ग्राहकों में एप्पल, एनवीडिया, क्वालकॉम और एएमडी जैसी तकनीकी दिग्गज कंपनियां शामिल हैं।

अटल पेंशन पर संकट

फंड 70 प्रतिशत खाली, समिति बोली-गांवों में बैंक सहयोगी बढ़ाओ

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा की वित्त संबंधी स्थाई समिति ने अटल पेंशन योजना (एपीवाई) का दायरा बढ़ाने की सिफारिश की है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2024-25 में योजना के लिए निर्धारित फंड में से सिर्फ 29.19 फीसदी का उपयोग किए जाने पर चिंता जताई है। समिति ने गांवों में बैंकों द्वारा नियुक्त किए जाने वाले व्यावसाय प्रतिनिधि आउटलेट्स की संख्या में कमी को लेकर भी गहरी चिंता व्यक्त की है। समिति का मानना है कि बीसी की संख्या कम होने की वजह से योजना के विस्तार पर असर पड़ा है। संसद में पेश की गई

रिपोर्ट में कहा गया है कि अनौपचारिक क्षेत्र को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए योजना से बड़ी संख्या में लोगों को जोड़े जाने की जरूरत है। योजना में निरंतर भागेदारी से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लोगों को दीर्घकालीन लाभ होगा। योजना का लाभ बड़ी संख्या में असंगठित क्षेत्र के लोगों को दिया जा सके, इसके लिए योजना से जुड़े प्रचार-प्रसार और नामांकन प्रक्रिया को बढ़ाने से जुड़े कार्यों पर वित्तीय वर्ष 2023-24 में आवंटित धनराशि में से 92.32 फीसदी का उपयोग किया गया, लेकिन वित्तीय वर्ष 2024-25 में दो फरवरी 2025 तक महज 29.19 फीसदी फंड का उपयोग किया गया। समिति ने इस भारी विसंगति को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्यान्वयन की दक्षता, धन के समय पर वितरण और व्यावसाय प्रतिनिधियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में गंभीर सवाल है।

सीएमआईई का दावा: बेरोजगारी 34 माह में सबसे कम

लोगों के पास रोजगार 9 साल में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रमबल भागीदारी बढ़ने से देश में बेरोजगारी दर जुलाई, 2025 में घटकर 34 महीने के निचले स्तर 6.8 फीसदी पर आ गई। 34 महीने में यह दूसरा अवसर है, जब यह दर सात फीसदी के नीचे रही। इससे पहले मई, 2025 में बेरोजगारी दर पहली बार सात फीसदी के स्तर से नीचे 6.9 फीसदी रही थी।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने कुल 43.3 करोड़ लोगों के पास रोजगार था। यह संख्या जनवरी, 2016 के बाद 9 साल में सबसे ज्यादा है।इससे पहले अप्रैल, 2025 में सर्वाधिक 43.2 करोड़ लोगों के पास रोजगार था।हालांकि, जून में यह संख्या घटकर 42.6 करोड़ रह गई।लेकिन, जुलाईके आंकड़े बताते हैं कि रोजगार में तेज सुधार दर्ज किया गया।

- **रोजगार 64 लाख बढ़ा, 33 लाख घटे बेरोजगार**–रिपोर्ट में दावा किया गया है कि श्रम बाजार से जुलाई में भले ही 30 लाख अतिरिक्त लोग जुड़े, लेकिन रोजगार की संख्या में 64 लाख की वृद्धि दर्ज की गई ।इसका मतलब है कि श्रम बाजार में शामिल होने वाले नए लोगों को तो रोजगार मिल गया, लेकिन जो बेरोजगारों की सूची में थे, उनमें से भी कई को काम मिला। इससे बेरोजगारों की संख्या में 33 लाख की गिरावट आई। श्रम बाजार के हाल के आंकड़े बताते हैं कि रोजगार मिलने की दर कार्यशील आयु वर्ग की संख्या बढ़ने की रफ्तार से कहीं अधिक तेजी से बढ़ रही है।

तार बनाने वाली मशहूर कंपनी के सीएफओ ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। पॉलीकैब इंडिया के सीएफओ गंधर्व टोंगिया ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा 27 अक्टूबर, 2025 को कारोबारी घंटे खत्म होने तक या उससे पहले लागू हो जाएगा। उन्होंने यह फैसला निजी कारणों से लिया है। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक इंदर जैसिंघानी ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

इस खबर के बाद पॉलीकैब इंडिया के शेयरों में गिरावट है। स्टॉक शुरुआती कारोबार में ही 3 फीसद से अधिक लुढ़ककर 6695 रुपये पर आ गया। गंधर्व टोंगिया के इस्तीफे की सूचना कंपनी ने शेयर मार्केट को भी दी है।

इससे पहले कहां काम किया

पॉलीकैब में आने से पहले, गंधर्व टोंगिया ने दुनिया की मशहूर ऑडिट कंपनियों अर्न्स्ट एंड यंग और डेलॉइट हस्किन्स एंड सेल्स की भारतीय शाखाओं में काम किया था। वहां उन्होंने भारत और विदेश की बड़ी कंपनियों को ऑडिट और सलाहकार सेवाएं दीं। वह इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के फेलो सदस्य हैं और इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की प्रोफेशनल प्रोग्राम परीक्षा भी पास कर चुके हैं।

- **पॉलीकैब में कितने साल काम किया**– गंधर्व टोंगिया पॉलीकैब कंपनी में साल 2018 से जुड़े हुए थे। उन्हें 19 जनवरी, 2023 को कार्यकारी निदेशक और सीएफओ की जिम्मेदारी पांच साल के लिए मिली थी, जो 18 जनवरी, 2028 तक चलनी थी। यानी उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले ही इस्तीफा दे दिया।
- **पॉलीकैब के लिए क्या किया**– टोंगिया ने कंपनी के लिए बहुत महत्वपूर्ण काम किए। उन्होंने पॉलीकैब के साल 2019 में शेयर बाजार में लिस्ट होने (आईपीओ) में अहम भूमिका निभाई।

इसके अलावा, वह कंपनी के बड़े बदलाव के कार्यक्रम प्रोजेक्ट लीप को आगे बढ़ाने में भी मुख्य रहे। वह कंपनी के वित्तीय कामकाज और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग दोनों की देखरेख करते थे।

30 सितंबर तक दोबारा करवा सकते हैं केवाईसी

जन धन खाताधारकों के लिए गांव-गांव लगेंगे कैंप

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार, 6 अगस्त को ऐलान किया कि जन धन खातों के अपडेट के लिए 30 सितंबर तक पंचायत स्तर पर खास कैंप लगाए जाएंगे। इन कैंपों में जन धन खाताधारक अपना केवाईसी दोबारा करवा सकते हैं। री-केवाईसी (जिसे नो योर कस्टमर की समय-समय पर जानकारी अपडेट करना कहते हैं) एक साधारण प्रक्रिया है। इसमें आप अपने बैंक खाते में अपना निजी और पता विवरण (जैसे नाम, पता, मोबाइल नंबर आदि) अपडेट कर सकते हैं। यह जरूरी है ताकि बैंक के पास आपके हालिया और सही विवरण रहें। अगर आपकी केवाईसी की अवधि खत्म हो गई है या आपकी जानकारी में कोई बदलाव हुआ है (जैसे पता बदलना), तो आपको नए विवरण बैंक को देना चाहिए। ऐसा न करने पर बैंकिंग नियमों का पालन नहीं हो पाएगा।

प्रधानमंत्री जन धन योजना क्या है

प्रधानमंत्री जन धन योजना देश के हर नागरिक को सस्ती व सुलभ बैंकिंग सुविधाएं देने के लिए चलाई गई एक राष्ट्रीय योजना है। इसका मकसद गरीब और बैंक सुविधाओं से वंचित लोगों को बचत खाता, रुपया भेजने की सुविधा, कर्ज, बीमा और पेंशन जैसी सेवाएं मुहैया कराना है। इस योजना के तहत, जिस व्यक्ति के पास पहले से कोई बैंक खाता नहीं है, वह किसी भी बैंक शाखा या बैंक मित्र केंद्र पर फ्री में एक बेसिक बचत खाता खोल सकता है।

बॉलीवुड सितारों के निवेश वाला आईपीओ ने किया मालामाल

पहले ही दिन तगड़ा मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड सितारों और दिग्गज निवेशक आशीष कचोलिया द्वारा समर्थित रियल एस्टेट कंपनी श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी लिमिटेड का आईपीओ आज शेयर बाजार में लिस्ट हो गया। श्री लोटस डेवलपर्स के शेयरों ने बुधवार, 6 अगस्त को शेयर बाजार में शानदार शुरुआत की और दोनों एक्सचेंजों पर लगभग 19 प्रतिशत प्रीमियम पर लिस्ट हुए। बीएसई पर, श्री लोटस डेवलपर्स का शेयर 179.10 पर खुला, जो इसके आईपीओ प्राइस 150 से 19.40 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर, श्री लोटस डेवलपर्स का शेयर 18.67 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 178 पर लिस्ट हुआ। बता दें कि इस कंपनी में शाहरुख खान से लेकर अमिताभ बच्चन समेत दिग्गजों का दांव लगा हुआ है।

कितना हुआ था सब्सक्राइब

बता दें कि इस इश्यू को तीन दिन में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। 30 जुलाई से 1 अगस्त तक चले इस इश्यू में 74.10 गुना बुकिंग हुई। रिटेल शेयर 21.77 गुना, एनआईआई 61.82 गुना और क्यूआईबी 175.61 गुना सब्सक्राइब हुआ। आईपीओ में कर्मचारी कोटा भी था, जिसके लिए 21.37 गुना बोलियां प्राप्त हुईं। श्री लोटस डेवलपर्स ने मंगलवार को संस्थागत निवेशकों से 237 करोड़ रुपये जुटाए थे। कंपनी ने आईपीओ के लिए 140-150 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है।

105 प्रतिशत बढ़ गया पावर कंपनी ट्रांसरेल लाइटिंग का प्रॉफिट

नई दिल्ली, एजेंसी। दलाल स्ट्रीट पर हाल ही में डेब्यू करने वाली कंपनी ट्रांसरेल लाइटिंग के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में आज 13 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी गई और यह शेयर 800 रुपये के इंट्रा डे हाई पर आ गया था। शेयरों में इस तेजी के पीछे जून तिमाही के शानदार नतीजे हैं। दरअसल, कंपनी ने अपनी पहली तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। पहली तिमाही में पावर कारोबार से जुड़ी कंपनी का प्रॉफिट सालाना आधार पर 105 प्रतिशत बढ़ गया।

- **क्या है डिटेल**–कंपनी के बयान के मुताबिक, जून तिमाही में उसका नेट प्रॉफिट 105 प्रतिशत बढ़ गया और यह 106 करोड़ हो गया, जबकि परिचालन से राजस्व पिछले वर्ष की इसी अवधि के 916 करोड़ से 81 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के साथ 1,660 करोड़ हो गया। रेवेन्यू बढ़ोतरी मुख्य रूप से ट्रांसमिशन एवं वितरण (टीएंडडी) खंड में मजबूत एग्जिक्यूशन के कारण हुई, जो कंपनी का मुख्य फोकस क्षेत्र बना हुआ है।

बिक रही दिवालिया कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड, मिल गया खरीदार!

नई दिल्ली, एजेंसी। जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में लगातार 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग रहा है। इसी के साथ यह शेयर 3.45 रुपये के इंट्रा डे हाई पर आ गया। इससे पहले बीते मंगलवार को भी कंपनी के शेयर में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा था। बता दें कि शेयरों में तेजी के पीछे एक खबर है। दरअसल, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने मंगलवार को कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स लि. के अधिग्रहण के लिए डालमिया भारत के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। कंपनी दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत है।

दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता के प्रावधानों के तहत, बोली प्रक्रिया में भाग लेने के लिए समाधान योजना प्रस्तुत करने को लेकर प्रतिस्पर्धा नियामक से मंजूरी एक प्रमुख आवश्यकता है। डालमिया भारत के अलावा, कई अन्य कंपनियों ने भी कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स (जेएएल) के अधिग्रहण में रुचि दिखाई है।

क्या है डिटेल

उद्योगपति गौतम अडानी के नेतृत्व वाली अडानी एंटरप्राइजेज, वेदांता समूह, जिंदल पावर और पीएनसी इन्फ्राटेक जैसी कंपनियों ने भी ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) के समक्ष अपनी-अपनी समाधान योजना प्रस्तुत करने की अनुमति को लेकर प्रतिस्पर्धा आयोग से संपर्क किया है। उच्चतम न्यायालय के एक निर्देश के अनुसार, प्रतिस्पर्धा अधिनियम के तहत किसी भी पात्र समाधान योजना पर कर्जदाताओं की समिति के मतदान करने से पहले प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी लेना अनिवार्य है। डालमिया सीमेंट (भारत) लि., डालमिया भारत लि. (डीबीएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। डालमिया भारत लि., डालमिया भारत समूह की प्रमुख कंपनी है। डीबीएल मुख्य रूप से सीमेंट के निर्माण और बिक्री के कारोबार से जुड़ी है। सीसीआई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''आयोग ने डालमिया सीमेंट (भारत) लि. द्वारा जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के प्रस्तावित अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है।'' इसके अलावा सीसीआई ने तीन कंपनियों द्वारा बेकरी और कनफेक्शनरी उत्पाद, खाद्य और पेय पदार्थों का कारोबार करने वाली थियोब्रोमा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के कुछ शेयरों के अधिग्रहण को भी मंजूरी दे दी। अधिग्रहण करने वाली कंपनियों में इनफिनिटी पार्टनर्स, एक्का इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड और एट्रीड्स इनवेस्टमेंट्स बी.वी. शामिल हैं। तीनों क्रिसकैपिटल समूह का हिस्सा हैं। बता दें कि इसी प्रक्रिया के तहत अदाणी समूह ने भी सीसीआई के समक्ष एक आवेदन किया है। जेएएल को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण, इलाहाबाद पीठ के तीन जून, 2024 के आदेश के तहत कंपनी ऋण शोधन समाधान प्रक्रिया में लाया गया था।

पीएम किसान की बढ़ेगी किस्त

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम किसान योजना के लाभार्थियों के लिए जरूरी खबर है। कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि भारत सरकार ने पीएम किसान योजना के तहत नए पंजीकरण के लिए 14 राज्यों में किसान आईडी अनिवार्य कर दी है। मंत्री ने यह भी पुष्टि की कि इस योजना के तहत प्रदान किए जाने वाले 6,000 रुपये वार्षिक लाभ को बढ़ाने का कोई प्रस्ताव फिलहाल विचाराधीन नहीं है।

2019 में शुरू की गई थी योजना– बता दें कि फरवरी 2019 में शुरू की गई, पीएम-किसान एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जिसका उद्देश्य कृषि योग्य भूमि वाले किसानों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करना है। इस कार्यक्रम के तहत, पात्र किसानों के आधार से जुड़े बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से तीन समान किश्तों में सालाना 6,000 सीधे हस्तांतरित किए जाते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, स्थापना के बाद से सरकार ने 20 किस्तों के माध्यम से 3.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वितरण किया है।

क्या है डिटेल

अंतिम छोर तक पहुंच और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, किसान-केंद्रित डिजिटल बुनियादी ढांचा विकसित किया गया है, जिससे बिचौलियों को इस प्रक्रिया से हटा दिया गया है। राज्यों ने अपने किसान रजिस्टर बनाने के लिए कई नामांकन मोड भी बनाए हैं, जिनमें स्व-पंजीकरण, सीएससी मोड, ऑपरेटर मोड (राज्य कृषि और राजस्व अधिकारियों के माध्यम से) और सहायक मोड शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि ये सिस्टम स्थानीय प्रशासन को अधिकृत क्षेत्र-स्तरीय अधिकारियों के माध्यम से पंजीकरण के दौरान शिकायतों या विसंगतियों का समाधान करने की अनुमति देते हैं। इस योजना के तहत पात्रता मुख्य रूप से कृषि योग्य भूमि पर आधारित है, जिसमें उच्च आय वाले किसानों को शामिल नहीं किया गया है।

अपने रिश्ते पर अविका गौर ने खुल कर की बात, बोलीं मैं मिलिंद को काफी डांटती हूं

अविका गौर और मिलिंद चंदवानी टीवी शो पति पत्नी और पंगा में साथ नजर आएंगे, जो इस समय दर्शकों के बीच खासा चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मौके पर कपल ने शो में भाग लेने के अपने अनुभव, रिश्ते के उतार-चढ़ाव, और अपनी जिंदगी के कई पहलुओं के बारे में खुलकर बात की। साथ ही उस किस्से को भी बताया, जब मिलिंद ने उन्हें फ्रेंड-जोन कर दिया था। अविका गौर ने बताया कि इस रियलिटी शो के लिए हां कहने का फैसला उन्होंने अकेले नहीं लिया, बल्कि मिलिंद ने उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, दिलचस्प बात यह है कि मैंने खुद यह फैसला नहीं लिया था, मिलिंद भी इस फैसले में शामिल थे। उन्होंने मुझे इसके लिए प्रोत्साहित किया। मैं इसे जबरदस्ती नहीं कहूंगी, लेकिन उनका स्पष्ट मानना था कि मुझे एक रियलिटी शो करना चाहिए ताकि जो लोग मुझे प्यार करते हैं और सराहते हैं, वे मुझे असली रूप में देख सकें। मुझे लगता है कि उनका विचार सही था। अविका ने कहा, पहले मैं अपनी छवि को लेकर काफी सजग रहती थी और हर चीज को परफेक्ट और डिप्लोमैटिक रखना चाहती थी, लेकिन मिलिंद ने मेरी इस सोच को तोड़ने में मदद की। अगर शो में मेरी कोई कमी नजर आएगी, तो मैं उसे सुधारने की कोशिश करूंगी। अविका ने कहा, मैं मिलिंद को काफी डांटती हूं, लेकिन बाद में जब मुझे लगता है कि मैं ज्यादा सख्त हो गई हूं तो माफी भी मांग लेती हूं। अपने रिश्ते की शुरुआत के बारे में बात करते हुए अविका ने कहा, हमारा रिश्ता दोस्ती से शुरू हुआ था। शुरुआत में मुझे फ्रेंड-जोन में रखा गया, लेकिन छह महीने बाद मिलिंद को अपनी भावनाओं का एहसास हुआ। अब छह साल हो चुके हैं और हमारी सगाई हो चुकी है। हमने इस पूरे सफर को बेहद खूबसूरती से जिया है। बता दें कि पति-पत्नी और पंगा कलर्स चैनल पर हर शनिवार और रविवार रात 9.30 बजे प्रसारित होगा।

शाहिद के साथ नजर आएंगी तमन्ना भाटिया

रोमियो को लेकर आई अपडेट

शाहिद कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म रोमियो को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का निर्देशन विशाल भारद्वाज कर रहे हैं। फिल्म को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। इस फिल्म के साथ अब तमन्ना भाटिया का नाम जुड़ गया है। अभिनेत्री इसमें अहम किरदार निभा सकती हैं।

तमन्ना निभाएंगी अहम किरदार

इंडिया टुडे के मुताबिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म में तमन्ना भाटिया अहम किरदार निभाएंगी। बताया जाता है कि यह फिल्म इसी साल रिलीज हो सकती है। इससे पहले खबरें थीं कि फिल्म में शाहिद कपूर के साथ तृप्ती डिमरी होंगी। अब इस फिल्म से तमन्ना का भी नाम जुड़ गया है। पहली बार साथ काम कर रहे शाहिद और तृप्ति यह पहला मौका है जब शाहिद कपूर तृप्ति डिमरी के साथ किसी फिल्म में काम करेंगे। दोनों एक दूसरे के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। वहीं दूसरी तरफ दावा है कि तमन्ना भाटिया ने इस फिल्म में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म अपने आखिरी चरण में है।

दिशा पाटनी होंगी फिल्म का हिस्सा

बताया जाता है कि यह फिल्म विशाल भारद्वाज की अब तक की सबसे बड़ी कमर्शियल फिल्म है। फिल्म में शाहिद ऐसा किरदार निभा रहे हैं जिनके कई रंग हैं। दिशा पाटनी भी इस फिल्म का हिस्सा होंगी। विशाल भारद्वाज 7 खून माफ, हैदर, कमीने पटाखा और खुफिया जैसी फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला है।

फिल्म की रिलीज डेट सामने आई

फिल्म रोमियो का नाम पहले अर्जुन उस्तरा था। बताया यह भी जाता है कि रिलीज से पहले फिल्म का जोर-शोर से प्रचार किया जाएगा। फिल्म का पोस्टर सितंबर के अंत तक आएगा। इसके बाद टीजर, फिर ट्रेलर। फिल्म 5 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सलमान खान ने मिलाया मलयालम निर्देशक से हाथ

सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवां को लेकर सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग के लिए वह बहुत मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में सलमान खान ने इस फिल्म का मोशन पोस्टर भी रिलीज किया है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक सलमान खान अभी इस फिल्म पर काम कर ही रहे हैं कि उनको एक और बड़ा प्रोजेक्ट मिला है।

सलमान खान को मिली नई फिल्म

पिंकविला के मुताबिक सलमान खान को जो फिल्म मिली है वह पीरियड थ्रिलर फिल्म है। सलमान खान ने मलयालम निर्देशक महेश नारायणन के साथ कई मुलाकातें की हैं। अब सलमान खान महेश नारायणन के साथ पीरियड थ्रिलर फिल्म पर काम करने के लिए राजी हो गए हैं। यह फिल्म 1970 से लेकर 1990 के दशक में सेट की जाएगी।

फिल्म के लिए सलमान ने ली ट्रेनिंग

बताया जाता है कि सलमान खान इन दिनों अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकल कर फिल्में करना चाहते हैं। इस फिल्म में भी वह जमकर मेहनत करने वाले हैं। इससे पहले खबरें आईं थीं कि सलमान खान ने बैटल ऑफ गलवां के लिए काफी मेहनत की है। उन्होंने अपने घर के जिम में कई बदलाव किए थे। उन्होंने फिल्म में आर्मी का किरदार निभाने के लिए आर्मी की ट्रेनिंग ली थी।

बैटल ऑफ गलवां के बारे में

आपको बता दें कि सलमान खान जल्द ही फिल्म बैटल ऑफ गलवां में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म साल 2020 में भारत और चीन सीमा पर हुई झड़प पर आधारित है। फिल्म में चित्रांगदा सिंह सलमान खान के साथ अहम किरदार में होंगी। इससे पहले सलमान खान फिल्म सिकंदर में नजर आए थे। यह फिल्म फ्लॉप साबित हुई थी।

हमारी पीढ़ी डरती नहीं है, 90 के दशक की फैशन की फैन हैं राशा थडानी

फिल्म आजाद से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली राशा थडानी अपनी मां रवीना टंडन की लीगेसी को आगे बढ़ा रही हैं। फिल्म भले ही अच्छा न कर पाई हो, लेकिन राशा ने अपनी पहचान बना ली है। अब राशा ने अपनी फैशन को लेकर बात की है। साथ ही उन्होंने अपनी जेन-जी जेनेरेशन को लेकर भी बात की और बताया कि हमारी पीढ़ी की ताकत है कि हम डरते नहीं। अपनी जेनेरशन को लेकर राशा का मानना है कि जेन-जी का हिस्सा होने से उन्हें व्यक्तित्व की ताकत सीखने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि हमारी पीढ़ी की ताकत यह है कि हम जैसे भी हैं, उससे डरते नहीं हैं। हर कोई अपन आप में कुछ न कुछ है और यह अपने आप में एक बयान बन जाता है। हमारी यह पीढ़ी कहीं न कहीं फैशन ट्रेंड के दबाव से ऊपर उठ चुकी है। हममें से कोई भी किसी चीज को सिर्फ इसलिए पहनने से नहीं डरता क्योंकि वह ट्रेंड में नहीं है। अगर आप फैशन ट्रेंड्स पर नजर डालें, तो जींस सबसे ज्यादा ट्रेंड में है और सबसे आरामदायक भी। यह बस खुद बने रहने के बारे में है और यह अपने आप में एक बयान है।

मां से प्रभावित हैं राशा

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि परफेक्ट होने का कोई लगातार दबाव नहीं है। यह सहज होने के बारे में है, क्योंकि सहजता अच्छी होती है। ट्रेंड्स का पालन करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन मुझे ट्रेंडसेटर बनना पसंद है। रशा का मानना है कि उनके पहनावे पर न केवल उनकी मां रवीना का बल्कि पूरे 90 के दशक का गहरा प्रभाव है। मेरी और मेरी मां की आदतें बहुत मिलती-जुलती हैं। मैं उनकी पसंद-नापसंद को देखते हुए और उनसे प्रभावित होते हुए बड़ी हुई हूं। इसलिए मैंने अपनी 90s शैली उन्हीं से ली है।

90 के दशक की फैशन की फैन हैं राशा

आज के फैशन को लेकर राशा का कहना है कि आज का फैशन आराम पर थोड़ा ज्यादा ध्यान देता है। लेकिन 90 के दशक का फैशन आइकॉनिक है। जिस तरह से वे एक्सेसरीज पहनते थे, बाल, मेकअप, लोग जो कुछ भी पहनते थे, वह सब बहुत खूबसूरत था। मैं 90 के दशक के फैशन की फैन हूं। मैं जितना हो सके 90 के दशक के स्टाइल को अपनाने की कोशिश करती हूं। चाहे वह स्मोकी आईज़ हो या हाई पोनीटेल, लाल बैंड। मैं अपनी पूरी जिंदगी 90 के दशक के फैशन के साथ बिता सकती हूं।

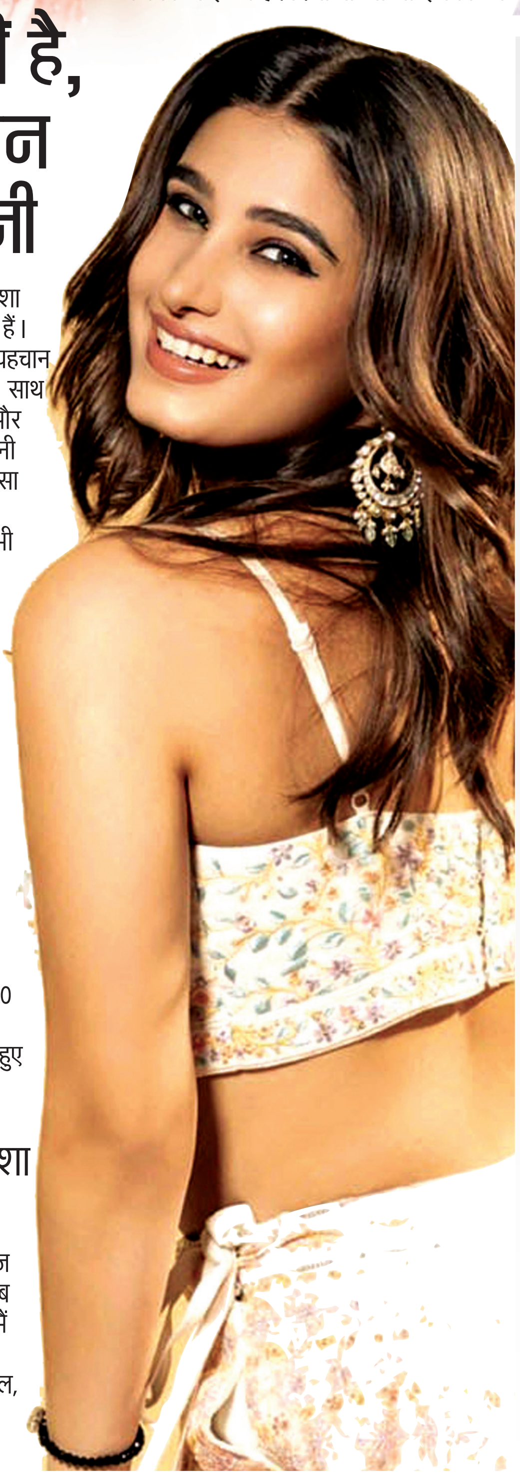

संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर में दिख सकती हैं प्रियंका

प्रि यंका चोपड़ा इंटरनेशनल स्टार बन चुकी हैं। पिछले काफी समय से बॉलीवुड में प्रियंका की वापसी को लेकर चर्चा हो रही है और अब खबर है कि वह हिंदी फिल्मों में वापसी के लिए तैयार हैं। प्रियंका को जल्द ही निर्देशक संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म लव एंड वॉर में देखा जा सकता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक... यह बॉलीवुड में उनकी वापसी का बड़ा संकेत है और काफी हद तक संभावना है कि वो भंसाली की लव एंड वॉर के स्पेशल डांस नबंर में नजर आएं।

सूत्र ने बताया कि अभी कुछ तय नहीं हुआ है लेकिन अगर सचमुच बात बन जाती है तो इसके जरिए प्रियंका की बॉलीवुड में भव्य वापसी होगी। भंसाली वैसे ही अपनी फिल्म को खास बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं और अब प्रियंका को इसका हिस्सा बनाकर वो इसे और शानदार या कहें यादगार बनाने जा रहे हैं।

लव एंड वॉर में रणबीर कपूर, विकी कौशल और आलिया भट्ट की तिकड़ी नजर आने वाली है। रणबीर सिंह, विकी कौशल और आलिया भट्ट इसमें लीड रोल में हैं

तेहरान में धमाल मचाएंगी नीरू बाजवा

पंजाबी सिनेमा की क्वीन नीरू बाजवा ने हाल ही में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन की पत्नी का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता। अब वह एक और हिंदी फिल्म 'तेहरान' में जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। नीरू के प्रशंसकों के लिए यह दोहरी खुशी का मौका है, क्योंकि वह एक के बाद एक हिंदी फिल्मों में अपनी छाप छोड़ रही हैं।

नीरू ने 'तेहरान' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए बताया कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के बारे में भी हिंट दिया। नीरू ने अपने किरदार को मजबूत और नैतिकता से भरा हुआ बताया, जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहता है।

उन्होंने कहा, लगातार हिंदी फिल्मों में काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव है। 'सन ऑफ सरदार 2' एक कॉमेडी फिल्म थी, जबकि 'तेहरान' में मेरा किरदार गंभीर, भावनात्मक और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने वाला है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताना जरूरी है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

नीरू अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करती नजर आईं। उन्होंने कहा, जॉन के साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा। वह एक ड्रीम को-एक्टर हैं, जो अपने किरदार में गहराई और प्रामाणिकता लाते हैं। उनके साथ काम करने से मेरा प्रदर्शन भी बेहतर हुआ। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमें एक साथ पर्दे पर देखना पसंद करेंगे। 'तेहरान' एक जियो-पॉलिटिकल फिल्म है, जो साल 2012 में दिल्ली में इजरायली दूतावास के पास हुए बम विस्फोट से प्रेरित है। फिल्म में जॉन अब्राहम एसीपी राजीव कुमार की भूमिका में हैं, जो एक गुप्त ऑपरेशन में शामिल होता है। यह कहानी न केवल एक्शन और ड्रामा से भरपूर है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति और नैतिक दुविधाओं को भी उजागर करती है। 'तेहरान' का निर्देशन अरुण गोपालन ने किया है और इसे मैडॉक फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में नीरू बाजवा और जॉन अब्राहम के साथ मानुषी छिल्लर और मधुरिमा तुली भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। 'तेहरान' स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जी5 पर स्ट्रीम होगी।

दुलकर सलमान की नई फिल्म डीक्यू41 का हुआ शुभारंभ

सीता रामम और लकी भास्कर जैसी तेलुगु फिल्मों से दर्शकों का दिल जीत चुके दुलकर सलमान ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी आगामी फिल्म डीक्यू41 की घोषणा की है। उन्होंने शुभारंभ की कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं। इस लॉन्च पर साउथ नेचुरल स्टार नानी भी नजर आए। हैदराबाद में एक बड़े लॉन्च इवेंट में दुलकर सलमान की नई फिल्म डीक्यू41 की घोषणा की गई। इस मौके पर साउथ स्टार नानी, जो दुलकर के अच्छे दोस्त हैं, उन्होंने शुभ मुहूर्त शॉट के लिए क्लैपबोर्ड बजाया। निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर इस इवेंट की तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें दुलकर और नानी नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा कि यह फिल्म एक दिल को छूने वाली प्रेम कहानी है, जिसका पूजा समारोह भव्य रूप से हुआ। इन शानदार तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, बहुप्रतीक्षित डीक्यू41 – एक दिल को छू लेने वाली समकालीन प्रेम कहानी – एक पूजा समारोह के साथ भव्य रूप से लॉन्च हुई। निर्देशक बुची बाबू सना ने कैमरा शुरू किया, जबकि नानी, गुन्नम संदीप और राम्या गुन्नम ने स्क्रिप्ट सौंपी। पहला शॉट रवि नेलाकुदिति ने खुद डायरेक्ट किया। इस मौके पर निर्देशक श्रीकांत ओडेला भी मौजूद थे। फिल्म की शूटिंग आज से शुरू हो चुकी है।

कैनेडियन ओपनः

टॉसन ने कीज को हराया

सेमीफाइनल में ओसाका से भिड़ेंगी

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। क्लारा टॉसन ने कैनेडियन ओपन में मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज पर 6-1, 6-4 से जीत हासिल कर 2025 के अपने दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टॉसन को पहला सेट जीतने में सिर्फ 27 मिनट लगे। दूसरा सेट टॉसन के लिए ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहा। इगा स्वियाटेक और मैडिसन कीज पर लगातार जीत के साथ क्लारा टॉसन ने अपने सातवें डब्ल्यूटीए सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। टॉसन का अगला मुकाबला चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका से होगा, जिन्होंने 10वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। ओसाका ने स्वितोलिना को आठ मैचों में पांचवीं बार हराकर अपने करियर में पहली बार कैनेडियन ओपन सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कुल मिलाकर, इस जीत के साथ ओसाका छठी बार डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। मियामी ओपन 2022 के बाद यह उनका पहला सेमीफाइनल है। टॉसन के साथ अपने सेमीफाइनल मुकाबले के बारे में बात करते हुए, ओसाका ने कहा, वह वाकई बहुत मजबूत हैं। मैंने इस साल ऑकलैंड में उनके साथ खेला था और चोटिल होने के कारण मुझे बीच में ही मैच रोकना पड़ा था। इसलिए, मैं बहुत खुश हूं कि मैं स्वस्थ हूं और मुझे उम्मीद है कि देखने आने वाले सभी लोगों के लिए यह एक अच्छा मैच होगा। ओसाका और टॉसन का सेमीफाइनल मुकाबला उनके करियर का दूसरा मुकाबला होगा। टॉसन ने इस साल की शुरुआत में ऑकलैंड में अपना पहला मैच जीता था। उस मैच में, ओसाका को पहला सेट 6-4 से जीतने के बाद रिटायर होना पड़ा था।

एशिया कप 2025 से पहले जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की होगी अग्नि परिक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में संपन्न एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारतीय टीम की सफलता के बाद जहां मेहमान टीम ने श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली थी, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अब अपने प्रमुख खिलाड़ियों का ध्यान रखना चाहता है। खास बात यह है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह का एशिया कप से पहले परीक्षण किया जा सकता है। हाल के दिनों में भारत के लिए सबसे खास श्रृंखलाओं में से एक में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज

और जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन किया। बुमराह 5 में से केवल तीन मैचों में ही खेले, लेकिन सिराज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पांचों टेस्ट में हिस्सा लेते हुए 185 से ज़्यादा ओवर फेंके और 23 विकेट लिए। पिछले दो महीनों में इतने ज्यादा कार्यभार को देखते हुए बीसीसीआई अब 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले इन दोनों खिलाड़ियों पर ध्यान दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि दोनों तेज गेंदबाज एक महीने के ब्रेक के दौरान पूरी तरह फिट रहें। उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चयन बैठक से पहले उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा, जो अगस्त के अंत में होनी है। गौरतलब है कि एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा जबकि भारत अपना पहला मैच 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ खेलेगा, जबकि फाइनल 28 सितंबर को होना है। केवल 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होने हैं, लेकिन इसके बावजूद बीसीसीआई कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि एशिया कप के तुरंत बाद भारतीय टीम 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी।

क्या मोहम्मद शमी की टेस्ट क्रिकेट में वापसी अब मुश्किल हो गई है?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट से बाहर चल रहे हैं। भारत और इंग्लैंड सीरीज के बाद क्या उनकी टेस्ट क्रिकेट में वापसी होगी। इसे लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। मोहम्मद शमी वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद इंजरी की वजह से एक साल से अधिक समय तक क्रिकेट से दूर रहे। फिट होने के बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में तीनों फॉर्मेट में खेला। उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था और इसी वजह से उन्हें टी20 और फिर वनडे फॉर्मेट में जगह दी गई। वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में उनकी वापसी अभी तक नहीं हो पाई है। न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज, ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज, इंग्लैंड टेस्ट सीरीज तीन ऐसे मौके थे, जब शमी की टेस्ट में वापसी हो सकती थी। लेकिन चाहे फिटनेस का कारण रहा हो या युवाओं को अधिक मौके देना, शमी भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं बना पाए। हाल के मैचों में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने युवा तेज गेंदबाजों को अहमियत दी है। इंग्लैंड दौरे के लिए आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज

और प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया गया। इंग्लैंड दौरे पर रवाना होने से पहले मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने स्पष्ट किया था कि शमी 100 प्रतिशत फिट नहीं हैं। उनके साथ कुछ समस्याएं हैं। टीम प्रबंधन ने शमी को लेकर जोखिम लेने से मना कर दिया।

नतीजन, युवाओं को इंग्लैंड में मौका मिला और उन्होंने इसे भुनाने की पूरी कोशिश की। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने शानदार गेंदबाजी की। आकाश दीप ने बर्मिंघम टेस्ट और प्रसिद्ध कृष्णा ने द ओवल टेस्ट में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। कृष्णा ने तीन टेस्ट में 14, आकाश दीप ने 3 टेस्ट में 13 विकेट लिए। बुमराह और सिराज टेस्ट में लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सिराज ने 5 मैचों में 23 विकेट लिए, जो सीरीज में सर्वाधिक रहे। वहीं बुमराह ने भी 3 मैच में 14 विकेट लिए।

सवाल ये है जसप्रीत बुमराह, सिराज की मौजूदगी और आकाश दीप और कृष्णा के चमकदार प्रदर्शन के बाद क्या अब भी शमी की टेस्ट टीम में वापसी संभव है?

शमी की वापसी होगी या नहीं, इसका जवाब तो बीसीसीआई दे सकती है। लेकिन, कुछ चीजें हैं, जो फिलहाल इस तेज गेंदबाज के पक्ष में नहीं दिखती। शमी के साथ इंजरी की समस्या रहती है। वह 3 सितंबर को 35 साल के हो जाएंगे। टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया मैनेजमेंट युवा तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दे रही है, जो मौका मिलने पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में फिटनेस, उम्र शमी के पक्ष में नहीं है, साथ ही युवा गेंदबाजों से कड़ी प्रतिस्पर्धा भी है। ऐसे में टेस्ट में उनकी वापसी मुश्किल हो गई है। 2013 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने वाले शमी ने 64 मैचों में 229 विकेट लिए हैं। उन्होंने आखिरी टेस्ट जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

शुभमन गिल, साई सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल एशिया कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की रेस में शामिल- रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल के अलावा यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में जगह बनानने की दौड़ में शामिल हैं जो 9 सितंबर

से शुरू होगा। भारत को सितंबर के अंत हमें वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है, लेकिन इसके बावजूद ये तीनों खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के लिए टीम में जगह बनाने की रेस में शामिल हैं। एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान अगस्त के तीसरे सप्ताह में किया जा सकता है। हालांकि गिल और यशस्वी ने व्यस्त शेड्यूल की वजह से पिछले कुछ टी20 सीरीज में भारत के लिए नहीं खेले थे, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद वो एशिया कप के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। बीसीसीआई के सूत्रों के मुताबिक टीम इंडिया के सेलेक्टर्स ने विकल्प खुले रखे हैं। एशिया कप का फाइनल मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा जबकि इसके लगभग एक सप्ताह के अंदर ही वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू हो जाएगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगा। गौरतलब है कि जायसवाल ने आईपीएल 2025 में 160 के स्ट्राइक रेट से 559 रन बनाए थे, जबकि गिल ने 15 मैचों में 155 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 650 रन बनाए थे। गुजरात टाइटंस में गिल के ओपनिंग पार्टनर साई सुदर्शन आईपीएल 2025 में 156 के औसत से 759 रन बनाकर ऑरेंज कैप विजेता रहे थे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया कि अभी पांच हफ्ते का ब्रेक है और कोई क्रिकेट नहीं होने के कारण संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा के शानदार प्रदर्शन के बावजूद इन तीनों को भी टी20 टीम में जगह मिलनी चाहिए।

Chennai Grand Masters:

एक दिन के लिए स्थगित हुआ चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट, इस कारण लेना पड़ा फैसला

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय सहित कई दिग्गज खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह इस टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण है। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट को एक दिन के लिए स्थगित किया है और अब इसका आयोजन बुधवार के बजाए गुरुवार को होगा। आयोजकों को यह फैसला इसलिए लेना पड़ा क्योंकि जिस होटल में इसे होना है वहां आग लग गई। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय सहित कई दिग्गज खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह इस टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण है। भारतीय ग्रैंडमास्टर और टूर्नामेंट के निदेशक श्रीनाथ नारायण ने एक्स पर लिखा, पिछली रात होटल में आग लग गई जहां चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स होना था। सभी खिलाड़ी सुरक्षित हैं और उन्हें पास के एक अन्य होटल में भेजा गया है। टूर्नामेंट एक दिन के लिए स्थगित किया जाता है।

खिलाड़ियों को अंततः होटल वापस लाया गया, लेकिन सुरक्षा जांच के बाद टूर्नामेंट एक दिन बाद शुरू होगा।

समय में नहीं होगा बदलाव – चेसबेस इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई के होटल हयात रीजेंसी के नौवें तल्ले पर आग लग गई जिस कारण पूरे होटल में धुआं छा गया और सभी को होटल से बाहर निकाला गया। इस दौरान वहां सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। टूर्नामेंट के आयोजकों ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि मैच का समय वही रहेगा, लेकिन अब कार्यक्रम से रेस्ट डे हटाया गया है। उन्होंने कहा, समय वही रहेगा और टूर्नामेंट 15 अगस्त को ही समाप्त होगा। बीच में एक दिन का विश्राम था और अब वह कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है।

चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स की पुरस्कार राशि एक करोड़ रुपये है। इस प्रतियोगिता में भारत के नंबर एक खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी, अनुभवी विदित गुजराती और नीदरलैंड के अनीश गिरी जैसे नामी खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी एरिगेसी अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के अवॉन्डर लियांग के खिलाफ करेंगे। पहली बार इसमें मास्टर्स और चैलेंजर्स वर्ग में क्लासिकल राउंड रॉबिन प्रारूप में नौ से अधिक दौर खेले जाएंगे। इससे पहले दो सत्र में सात दौर ही खेले जाते थे। इसमें 19 ग्रैंडमास्टर्स भाग लेंगे और फिडे सर्किट अंक भी मिलेंगे जो 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह पाने के लिए अहम होंगे। टूर्नामेंट में निहाल सरीन और जर्मनी के विंसेंट केमेर जैसे खिलाड़ी भी भाग ले रहे हैं। चैलेंजर्स वर्ग में डी हरिका, आर वैशाली, हर्षवर्धन जीबी, अभिमन्यु पुराणिक, ग्रैंडमास्टर अधिबान भास्करन भी हिस्सा लेंगे।

द हंड्रेड: 45 गेंदों में 0 रन, खेल शुरू होते ही हीरो बने राशिद खान

वॉर्नर-विलियमसन की टीम का काम तमाम

नई दिल्ली, एजेंसी। नए सीजन का आगाज राशिद खान की हीरोपंती के साथ हुआ है. 5 अगस्त को लंदन स्पिरिट और ओवल इन्विंसिबल के बीच मुकाबले के साथ द हण्ड्रेड का आगाज हुआ, जिसमें राशिद खान ने अपने नाम के मुताबिक कमाल किया. बल्लेबाजों को नाच नचा देने वाली राशिद खान की गेंदों का ही नतीजा रहा कि मेंस कैटेगरी में खेला द हण्ड्रेड का पहला मैच लो-स्कोरिंग रहा. इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि टीम में वॉर्नर-विलियमसन जैसे बल्लेबाजों के होने के बावजूद लंदन स्प्रिट ने 45 गेंदें बर्बाद की. मतलब, उन पर कोई रन ही नहीं बनाए. अब ऐसे में ओवल इन्विंसिबल को जो टारगेट मिला, वो इतना छोटा रहा कि उसे चेज करना उनके लिए आसान हो गया. पहले बैटिंग करने उतरी लंदन स्पिरिट का हाल इतना बुरा रहा कि 45 गेंदें तो उसने डॉट खेली हीं, उसके अलावा उससे अपनी इनिंग की

पूरी 100 गेंदें भी नहीं खेली गई. लंदन स्प्रिट की पारी सिर्फ 94 गेंदों में ही सिमट गई. इन 94 गेंदों में उसने सिर्फ 80 रन बनाए. लंदन स्प्रिट को डेविड वॉर्नर और केन विलियमसन से उम्मीदें थीं मगर उन दोनों की कहानी 9-9 रन से आगे नहीं बढ़ सकी. लंदन स्पिरिट की इस हाल के जिम्मेदार वैसे तो ओवल इन्विंसिबल के सारे गेंदबाज रहे. मगर राशिद खान और सैम करन की भूमिका इसमें कुछ ज्यादा रही.

खेल शुरू होते ही हीरो बने राशिद खान – द हण्ड्रेड के नए सीजन का खेल शुरू होते ही राशिद खान हीरो बन गए. ओपनिंग मैच में उन्होंने अपने कोटे की 20 गेंदों में जितने रन नहीं दिए, उससे ज्यादा गेंदें डॉट फेंकी. उन्होंने 20 गेंदों में सिर्फ 11 रन देकर 3 विकेट चटकाए. इस दौरान 15 गेंदें उन्होंने डॉट फेंकी. मतलब, उन पर कोई रन नहीं दिए. राशिद खान की ही तरह सैम करन ने भी 3 विकेट चटकाए. उन्होंने 19 गेंदें फेंकी, जिस पर 18 रन देने के अलावा 10 गेंदें उन्होंने डॉट फेंकी. बेहरेनडॉर्फ ने 20 में से 7 गेंदें डॉट फेंकी और 17 रन देकर 1 विकेट लिया ।

ये 10 भारतीय क्रिकेटर्स कभी भी कर सकते हैं संन्यास का ऐलान

वापसी अब लगभग नामुमकिन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में प्रतिस्पर्धा इतनी तीव्र हो चुकी है कि एक बार टीम से बाहर हुए खिलाड़ी के लिए वापसी की राह बेहद कठिन हो जाती है. कुछ खिलाड़ी शानदार घरेलू प्रदर्शन से वापसी कर लेते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जिनके लिए टीम इंडिया का दरवाजा लगभग हमेशा के लिए बंद हो जाता है. यहां हम बात कर रहे हैं उन 10 भारतीय क्रिकेटरों की, जिनकी राष्ट्रीय टीम में वापसी अब लगभग असंभव मानी जा रही है.

हनुमा विहारी

हनुमा विहारी ने 2021 के सिडनी टेस्ट में साहसी बल्लेबाजी कर टीम को ड्रॉ दिलाया था, लेकिन इसके बाद से उन्होंने कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है. 2022 के बाद चयनकर्ताओं ने उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है.उनका भारतीय टीम में वापसी करना अब न के बराबर है.

युजवेंद्र चहल

35 साल के हो चुके चहल फिलहाल दो साल से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. उनके स्थान पर युवा स्पिनर्स को प्राथमिकता दी जा रही है. उम्र और हालिया फॉर्म को देखते हुए भारतीय टीम में उनकी वापसी अब मुश्किल लग रही है.

अजिंक्य रहाणे

टीम इंडिया के पूर्व उपकप्तान रह चुके रहाणे को अब घरेलू टूर्नामेंट्स में भी लगातार अनदेखा किया जा रहा है. दिलीप ट्रॉफी जैसी प्रतियोगिताओं में भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, जिससे यह साफ है कि अब उनकी टीम में वापसी की संभावना बेहद कम है.

चेतेश्वर पुजारा

भारत के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा अब कमेंट्री करते नजर आ रहे हैं. उनकी क्रिकेट के मैदान से दूरी और उम्र को देखते हुए ऐसा माना जा रहा है कि वो कभी भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर सकते हैं.

विजय शंकर

विजय शंकर 2019 की वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का हिस्सा थे, लेकिन बीच टूर्नामेंट में ही चोट के बाद वो बाहर हो गए थे. उसके बाद शंकर टीम में वापसी नहीं कर सके. विजय शंकर घरेलू स्तर पर भी प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और अब भारतीय टीम में वापस चयन से दूर हो चुके हैं.

जयदेव उनादकट

34 वर्षीय तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने 2010 में भारत के लिए डेब्यू किया था और 2023 में भारत की ओर से कुछ मुकाबले भी खेले थे, लेकिन बाद में वो टीम से फिर से बाहर हो गए थे. आज के समय में भारतीय टीम में युवा पेसर्स की भरमार के बीच उनकी जगह बनना अब मुश्किल है.

अमित मिश्रा

42 साल के मिश्रा ने भले ही अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा नहीं की है, लेकिन उन्होंने अपना आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच 2017 में खेला था. भारतीय टीम में उनकी वापसी की संभावना न के बराबर है.

मनीष पांडे

मनीष पांडे 2021 के बाद से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन औसत रहा है, जिससे चयनकर्ता उन्हें टीम में दोबारा मौका नहीं दे रहे.

हर्षल पटेल

हर्षल पटेल आईपीएल में विकेट जरूर लेते हैं, लेकिन उनकी इकोनॉमी रेट हमेशा से चिंता का विषय रहा है. टीम इंडिया में इस समय तेज गेंदबाजों की लंबी कतार है, जिससे टीम में उनकी वापसी मुश्किल दिखती है.

दीपक हुड्डा

10 वनडे और 21 टी20 मैच खेलने के बाद से दीपक हुड्डा 2 साल से टीम से बाहर चल रहे हैं. आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन कुछ खाल नही रहा है, जिसके चलते उन्हें दोबारा टीम इंडिया में मौका मिलना मुश्किल लगता है.

संक्षिप्त समाचार

दिल्लीवाले ध्यान दें! अब आय प्रमाणपत्र बनवाने के ये डॉक्यूमेंट जरूरी, बदल गए नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने दिल्ली सरकार के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत आय प्रमाण पत्र जारी करने के लिए आधार संख्या को अनिवार्य किया गया है। उपराज्यपाल कार्यालय के अनुसार यह प्रमाण पत्र दिल्ली में किसी भी सरकारी योजना के तहत वित्तीय लाभ प्राप्त करने के लिए, आवेदक की पात्रता निर्धारित करता है। इस कदम का उद्देश्य आवेदकों को आय प्रमाण पत्र जारी करने में किसी भी अनियमितता या कदाचार पर रोक लगाना है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना है कि किसी योजना या वित्तीय सहायता का लाभ उसके अंतर्गत पंजीकृत वास्तविक लाभार्थियों को ही मिले। एलजी ने आधार अधिनियम, 2016 की धारा 7 के तहत आय प्रमाण पत्र जारी करने की सेवा को अधिसूचित करने को मंजूरी दे दी है। इसके तहत केंद्र या राज्य सरकार की निधि से वित्त पोषित सब्सिडी के लिए आधार-आधारित प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा अनुमोदित इस प्रस्ताव में कहा गया है कि दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र का उपयोग, विभिन्न योजनाओं और सब्सिडी के लिए लाभार्थियों की पात्रता तय करने के लिए किया जाता है। आधार के उपयोग से लाभार्थियों की पहचान प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल और कुशल बनाया जाएगा। वहीं, आधार अनिवार्य बनाने के बाद, लाभार्थी को अपनी पहचान साबित करने के लिए कई अन्य दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं रहेगी।

कांग्रेस सांसद की चेन छीनने वाला पकड़ा गया,दिल्ली पुलिस ने सुलझा लिया केस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कांग्रेस सांसद आर सुधा की चेन छीनकर फरार होने वाले बदमाश को पुलिस ने पकड़ लिया है। दिल्ली पुलिस ने छीनी गई चेन भी बरामद कर ली है। मामले की जांच जारी है। इस मामले में और जानकारी मिल सकती है। बता दें कि आर सुधा ने अपने साथ हुई इस घटना के लिए गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भी लिखा था और आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की थी। दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस सांसद से हुई चेन स्नैचिंग की घटना का खुलासा करते हुए बताया कि हमने कांग्रेस सांसद आर.सुधा के साथ हुई चेन स्नेचिंग का मामला सुलझा लिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और छीनी गई चेन बरामद कर ली गई है। मामले की जांच जारी है और जल्द ही और जानकारी मिलने की उम्मीद है। बता दें कि आर.सुधा तमिलनाडु के मयिलादुथुरई लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं। सोमवार को तमिलनाडु से कांग्रेस सांसद सुधा,तमिलनाडु भवन के पास सुबह की सैर पर थीं,तभी एक अज्ञात मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति उनकी सोने की चेन छीनकर और उनके कपड़े फाड़कर भाग गया। उन्हें मामूली चोटें भी आई हैं। उन्होंने दिल्ली की कानीन व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा था कि जब एक महिला सांसद के साथ ऐसी घटना हो सकती है,तो आमजन कैसे सुरक्षित रहेंगे।

ग्लोबल साइबर फ्रॉड मामले में ईडी का बड़ा एक्शन, दिल्ली से देहरादून तक ताबड़तोड़ छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। ईडी ने ग्लोबल साइबर फ्रॉड मामले में दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून में 11 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत सीबीआई और दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज स्न्ढ्ढक्र के आधार पर शुरू हुई है। जांच में खुलासा हुआ है कि ठगों ने विदेशी और भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया। ये धोखेबाज खुद को पुलिस या जांच अधिकारी बताकर लोगों को गिरफ्तारी की धमकी देकर उनकी संपत्ति हड़प लेते थे। इतना ही नहीं, कुछ ठगों ने माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी कंपनियों के टेक सपोर्ट एजेंट बनकर भी लोगों को ठगा। पीड़ितों से लूटी गई रकम को क्रिप्टोकरेंसी में बदला गया और फिर उसे आरोपी व्यक्तियों तक पहुंचाया गया। श्वष्ठ की जांच में पता चला कि आरोपियों ने 260 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि बिटकॉइन के रूप में कई क्रिप्टो-वॉलेट्स में जमा की।

केजरीवाल ने जिसे फांसी घर बताया, भाजपा ने उसे टिफिन रूम कहा

दिल्ली विधानसभा में तीखी बहस

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विधानसभा में मंगलवार को भाजपा और आप के बीच तीखी बहस हुई। मुद्दा बना विधानसभा परिसर स्थित एक कमरा। इस कमरे को अरविंद केजरीवाल ने फांसी घर बताया था, लकिन बीजेपी का कहना है कि यह टिफिन रूम था। भाजपा विधायकों ने अरविंद केजरीवाल से माफी मांगने की मांग की।

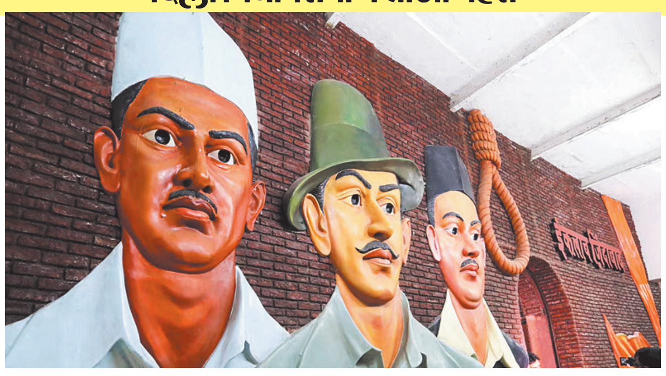

दिल्ली विधानसभा में मंगलवार को भाजपा और आप के बीच उस समय बहस छिड़ गई जब अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन को बताया कि तथाकथित ब्रिटिशकालीन फांसी घर मूल रूप से एक टिफिन रूम था। 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसे फांसी घर बताते हुए नवीनीकरण कराने के बाद विधानसभा परिसर में इसका उद्घाटन किया था। लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने पिछली आप सरकार पर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाया और कहा कि कमरे में लगी स्वतंत्रता सेनानियों की तस्वीरें हटा दी जाएंगी।

भाजपा ने सदन को गुमराह करने के लिए आप प्रमुख केजरीवाल से माफी की मांग की। वहीं, आप विधायकों ने अध्यक्ष से ऐसे समय में यह मुद्दा उठाने पर सवाल उठाया जब राष्ट्रीय राजधानी कई गंभीर समस्याओं से जूझ रही है। इस मुद्दे को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। ब्रिटिश संसद के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी इस नजारे को देखा। नक्शे से यह भी पता चलता है कि वर्तमान अध्यक्ष कक्ष पहले सदस्यों का पुस्तकालय था और उपसभापति का कमरा ब्रिटिश शासन के दौरान वायसराय का कमरा था। उन्होंने कहा कि नक्शे में पुराने समय में एक धूम्रपान कमरे की मौजूदगी का भी संकेत दिया गया है। उन्होंने 9 अगस्त 2022 को भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर टिफिन रूम का फांसी घर के रूप में उद्घाटन करने के लिए पिछली आप सरकार की आलोचना की। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इतिहासकारों के साथ एक बैठक भी हुई, जिन्होंने कहा कि तथाकथित फांसी घर और उससे जुड़ी संरचना वास्तव में एक टिफिन रूम और एक लिफ्ट थी। हमें उपलब्ध कराए गए राष्ट्रीय अभिलेखागार के दस्तावेजों ने भी इसे साबित कर दिया है। अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा से लालकिला तक सुरंग होने का दावा भी गलत है। इतिहासकारों का कहना है कि पुराने समय में ऐसी इमारतों में भूमिगत वेंटिलेशन नलिकाएं होती थीं। विधायकों ने मांग की कि आप सुप्रीमो और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल झूठे दावों से लोगों को गुमराह करने और इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने के लिए माफी मांगें। भाजपा विधायक अजय महावर ने इस मामले में आम आदमी पार्टी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने का प्रस्ताव रखा। अध्यक्ष ने विपक्षी आप विधायकों से अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। उन्होंने आप विधायकों को बुधवार को तथ्यों और दस्तावेजों के साथ अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया। आप विधायक जरनैल सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने की कोशिश कर रही है और चैटजीपीटी से मिली जानकारी का हवाला देकर विधानसभा परिसर में फांसी घर होने के दावे का बचाव करने की कोशिश की।

मेरी नहीं हुई तो किसी और की भी नहीं होने दूंगा; दिल्ली में ब्रेकअप से नाराज युवक ने की लड़की की हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में मंगलवार को हुई एक सनसनीखेज वारदात में ब्रेकअप से नाराज एक युवक ने 15 वर्षीय लड़की की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि यह वारदात एक स्थानीय बाजार में हुई, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान 20 वर्षीय युवक आर्यन के रूप में हुई है, जिसका कहना है कि लड़की ने उसके साथ ब्रेकअप कर लिया था, इसी बात से नाराज होकर उसने वारदात को अंजाम दिया। हालांकि लड़की के परिजनों का कहना है कि आरोपी पीड़िता को परेशान कर रहा था। उन्होंने बताया कि आरोपी उससे कहता था अगर तुम मेरी नहीं हुई, तो मैं तुम्हें किसी और की भी नहीं होने दूंगा और उसकी मां भी इसमें शामिल है। आरोपी ने इस वारदात को तब अंजाम दिया, जब पीड़िता अपनी सहेली के साथ स्थानीय बाजार में नाश्ता करने आई थी। इसी दौरान आरोपी उसके पास पहुंचा और सबके सामने बहुत पास से उसे कई गोलियां मार दीं। जिसके बाद उसे बीजेआरएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि, आर्यन ने ही पीड़िता को मिलने के लिए बाजार में बुलाया था। इसी दौरान जब वह एक क्लिनिक के सामने खड़ी थी, तभी उसने उस पर पहली गोली चलाई। गोली उसके कंधे के पास लगी और वह खुद को बचाने के लिए क्लिनिक के अंदर भागी। इसी दौरान आरोपी ने उस पर फिर से गोली चला दी और इस बार गोली पीड़िता के सिर में लगी। पुलिस का कहना है कि पीड़िता और आरोपी एक ही ट्यूशन क्लास में पढ़ते थे और पिछले एक साल से रिलेशनशिप में थे। इस दौरान आर्यन पीड़िता पर लगातार हक जताने लगा था और हर बात पर टोकाटाकी करने लगा था। यहां तक कि उसने पीड़िता को बिना उसकी इजाजत के घर से बाहर निकलने के लिए भी मना कर रखा था, क्योंकि उसे और उसके एक साथी को शक था कि पीड़िता किसी और से भी बात करती है।

पापा से कहती थी कि कॉल सेंटर में जॉब, हर रात 8-10 ग्राहक को खुश करना होता था; 16 साल की एक बच्ची

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने देह व्यापार में धकेली गई एक 16 साल की बच्ची को मुक्त कराया है। वह कैसे इस धंधे में धकेली गई और किस तरह इतनी छोटी उम्र में उसे जुल्म का सामना करना पड़ा? लड़की ने जो बातें बताई वह चौंकाने वाली हैं। एसोसिएशन फॉर वालंटरी ऐक्शन की सूचना पर मुक्त कराई गई नाबालिग लड़की ने बताया कि उसे साल भर पहले इस काली दुनिया में धकेला गया जहां उसे हर रात 8 से 10 ग्राहकों को खुश करना पड़ता था। पुलिस ने मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और इस गिरोह में शामिल अन्य संदिग्धों के बारे में तहकीकात जारी है।

पीड़ित बच्ची ने बताया कि दर्द की शिकायत करने पर उसे दर्द निवारक गोलियां दी जाती थीं और फिर ग्राहकों के पास भेज दिया जाता था। इस काम के लिए उसे 500 रुपए दिए जाते थे लेकिन ये पैसे भी उसे कभी-कभार और मांगने पर ही मिलते थे। जब उसने खुद को छोड़ देने की विनती की तो ट्रैफिकिंग गिरोह के सदस्य उसे उसके रिकॉर्ड किए गए वीडियो दिखाकर धमकाते थे कि अगर उसने इस काम से मना करने या भागने की कोशिश की तो इसे सार्वजनिक कर दिया जाएगा।

पीड़ित बच्ची को उसकी एक सहेली ने बहला-फुसला कर इस धंधे में धकेला था। सहेली ने बच्ची से कहा था कि वह उसे किसी ऐसे आदमी से मिलवाएगी जो रुपए-पैसे की उसकी सभी समस्याएं चुटकियों में दूर कर देगा। बच्ची ने बताया, सहेली ने मुझे एक भईया से मिलवाया जिन्होंने मुझे ढेर सारे पैसे कमाने के सब्जबाग दिखाए। तब मुझे समझ में नहीं आया कि मुझे किस दलदल में धकेला जा रहा है। जैसे ही मुझे समझ में आया, मैंने इससे बाहर निकलने की कोशिश की। लेकिन उन लोगों ने चुपके से रिकॉर्ड किए गए वीडियो दिखाकर मुझे मुंह बंद रखने की धमकी दी।

यूट्यूबर एल्विश यादव को सांप के जहर वाले वीडियो और रेव पार्टी मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी।
यूट्यूबर एल्विश यादव को सांप के जहर वाली वीडियो और रेव पार्टी की मेजबानी करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई करते हुए एल्विश यादव के खिलाफ ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही एल्विश की याचिका पर यूपी पुलिस को नोटिस भी जारी किया गया है। आगे जानिए क्या था पूरा मामला।

दरअसल कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एल्विश यादव हाथ में सांप लेकर सांप और उसके जहर से जुड़ी बातें करते दिखाई दे रहे थे। इसके बाद उन पर सांप के जहर का इस्तेमाल करने का आरोप लगा था। साथ ही साथ उनके ऊपर रेव पार्टियों की मेजबानी करने का भी आरोप है, जहां विदेशी नागरिकों ने कथित तौर पर जहर और अन्य नशीले पदार्थ की सप्लाई की थी।

इसके चलते ट्रायल कोर्ट में उनके खिलाफ मामला चल रहा था। मामला देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, एल्विश की तरफ से याचिका भी लगाई गई। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने का आदेश दिया है।

इसके साथ-साथ एल्विश द्वारा दायर की गई याचिका पर यूपी पुलिस को नोटिस भी जारी किया गया है। नोएडा पुलिस ने एल्विश यादव के खिलाफ जहरीले सांपों की तस्करी और नागिन डांस पार्टी में सांपों के उपयोग को लेकर एफआईआर दर्ज की थी। यह मामला साल 2023 का है। आरोप था कि एल्विश यादव की पार्टियों में ज़हरीले सांपों का इस्तेमाल होता था। इसमें वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के उल्लंघन की बात थी। एल्विश यादव अपने देशी अंदाज़ और फनी वीडियो के लिए जितने लोकप्रिय हैं, उतने ही विवादों में भी रह चुके हैं। एल्विश पर कई बार अपने वीडियो में आपत्तिजनक भाषा और महिलाओं के प्रति असंवेदनशील व्यवहार का आरोप लगा है। कुछ लोग उनके कंटेंट के लिए उन्हें मिसोजिनिस्ट (महिला विरोधी) भी बताते हैं।

पाकिस्तान में बड़ा हादसा, यात्रियों से भरी बस बेकाबू होकर तालाब में गिरी; 2 की मौत और 13 घायल

नारोवाल , एजेंसी।
पाकिस्तान के अहमदाबाद में एक दर्दनाक हादसा देखने को मिला। कई यात्रियों के भरी बस अचानक तालाब में पलट गई। मंगलवार को हुए इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई और 13 से अधिक लोग घायल हैं।

पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार, बस गुजरांवाला से जफरवाल जा रही थी, तभी ड्राइवर ने बस से कंट्रोल खो दिया और बस बेकाबू होकर तालाब में पलट गई।

इस हादसे के दौरान बस में मौजूद कई यात्री अंदर ही फंसे रह गए, जिन्हें रेस्क्यू ऑपरेशन के चलाकर बाहर निकाला गया। हादसे की सूचना मिलते ही जिला आपातकाल अधिकारी मोहम्मद औरंगजेब मौके पर पहुंचे। तुरंत बचाव कार्य शुरू किया गया और

सभी घायलों को बाहर निकाल लिया गया है।

हालांकि, इस हादसे में 30 वर्षीय शोएब और 38 वर्षीय सादिया बिबी की मौत हो गई। उनके शवों को भी बस से बाहर निकाला गया। हादसे में 13 लोग घायल थे, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इनमें से 2 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बस काफी तेज रफ्तार में थी और सड़क की हालत बदतर थी। ऐसे में बस का संतुलन बिगड़ गया और बस सड़क किनारे बने तालाब में जा गिरी।

इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर अमेरिका में प्रदर्शन, आसिम मुनीर को सुनाई खरी-खोटी

वॉशिंगटन, एजेंसी।
पाकिस्तान में जारी अंतरकलह अब दुनिया भर में सामने आने लगी है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग लेकर प्रदर्शनकारी अलग-अलग देशों में प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी क्रम में पीटीआई यानी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के समर्थकों ने पार्टी के संस्थापक और पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर पाकिस्तानी दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

पीटीआई समर्थक फराज अली खान ने कहा, सेना के बुद्धिजीवी क्या सोचते हैं? क्या उन्हें लगता है कि वे इस तरह से आगे बढ़ सकते हैं? किसी न किसी दिन इसे खत्म होना ही है, फिर आसिम मुनीर कहां जाएंगे? मैं उनसे पूछना चाहता हूँ कि 10, 15 या 20 साल बाद वे कहां जाएंगे। वे तो बस सबके साथ युद्ध छेड़ रहे हैं। ये बलूचिस्तान में जंग कर रहे हैं। ये पंजाब के लिए सबसे जंग कर रहे हैं। ये हिंदुस्तान से जंग कर रहे हैं। इनके 25 करोड़ लोगों के पास खाने को कुछ नहीं है और ये जंग कर रहे हैं। हमें तो हिंदुस्तान से कोई समस्या नहीं है। हमारे साथ कई भारतीय काम कर रहे हैं। हमें आज तक कोई समस्या नहीं हुई। बस एक ही समस्या है- हमारी (पाकिस्तान की) सेना लगातार राजनीतिक मामलों में दखल दे रही है। यही सेना समस्या है। मुझे समझ आ गया है कि इस तरह से काम नहीं चलेगा। युद्ध लड़ते रहो। आसिम मुनीर को यह समझना होगा कि राजनीतिक प्रक्रिया चलती रहेगी। आप तो बस एक मोहरा हैं, सिंहासनों के खेल में।

रमजान से पहले होंगे बांग्लादेश के आम चुनाव, मोहम्मद यूनुस ने कर दिया ऐलान

ढाका, एजेंसी। शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को एक साल पूरा हो चुका है। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने मंगलवार को कहा कि अगला संसदीय चुनाव अगले वर्ष फरवरी में होगा। यूनुस छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध आंदोलन की पहली वर्षगांठ पर राष्ट्र के नाम एक टेलीविजन संबोधन के दौरान की। इस आंदोलन को जुलाई विद्रोह का नाम दिया गया है। यूनुस ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, अंतरिम सरकार की ओर से मैं मुख्य चुनाव आयुक्त को एक पत्र भेजूंगा जिसमें चुनाव आयोग से अनुरोध किया जाएगा कि वह आगामी रमजान से पहले फरवरी 2026 में राष्ट्रीय चुनाव कराए।रमजान का महीना अगले साल 17 या 18 फरवरी से शुरू होगा। इससे पहले, बांग्लादेश में आम चुनाव अगले वर्ष अप्रैल के पहले पखवाड़े में होने वाले थे। बता दें कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने जिस तरह से आवामी लीग पर प्रहार किया है उससे बांग्लादेश में खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी का ही बोलबाला है। वहीं शेख हसीने के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमनिनेशन ने भी पार्टी गठित कर दी है जिसका नाम नेशनल सिटीजन पार्टी दिया गया है। एनसीपी ने अपने घोषणापत्र में कहा है कि वह बांग्लादेश को दूसरा गणतंत्र बनाएगी और 1972 के बाद के संविधान को ही बदल डालेगी।

जब आसमान से आफत बनकर गिरा था अमेरिका का परमाणु बम, एक झटके में लाखों जिंदगियां हो गई तबाह

टोक्यो , एजेंसी।
6 अगस्त 1945... दुनिया के लिए यह वो काला दिन था, जब एक विनाशकारी परमाणु बम आसमान से आफत बनकर जापान के हिरोशिमा में गिरा और एक ही झटके में लाखों लोगों को निगल गया। इस बम धमाके ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया। 1,40,000 लोगों की मौत के बाद जापान का एक पूरा शहर विरान हो गया था।

हिरोशिमा में इस भयंकर त्रासिदी का मंजर आज भी लोगों के रोंगटे खड़े कर देता है। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका ने जापान के 2 बड़े शहरों नागासाकी और हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराया था, जिसका असर अब भी देखने को मिलता है। हिरोशिमा बम धमाके को आज 80 साल पूरे हो चुके हैं।

इन 80 सालों में बेशक जापान का नाम विकसित देशों की फेहरिस्त में शुमार हो गया। मगर, दुनिया पर अभी भी परमाणु का खतरा बना हुआ है। कई देश आज भी परमाणु बम की धमकियां देते नजर आते हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता निहोन हिडानक्यो का कहना है-

हमारे पास ज्यादा समय नहीं बचा है। दुनिया बहुत तेजी से परमाणु खतरे की तरफ बढ़ रही है। परमाणु बम वाले देशों को बदलना हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। 6 अगस्त 1945 को

अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा में परमाणु बम गिराया, तो पलक झपकते ही 1 लाख 40 हजार से ज्यादा जिंदगियां मौत के घाट उतर गईं। इस घटना को 3 दिन ही बीते थे कि अमेरिका ने नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिरा दिया, जिसमें 70 हजार से ज्यादा लोग मारे गए। इस हमले ने जापान के पैरों तले से जमीन खींच ली। दूसरे विश्व युद्ध में जीत की कगार पर पहंचे जापान ने 15 अगस्त को घुटने टेक दिए और इसी के साथ दूसरा विश्व युद्ध खत्म हो गया। अमेरिका ने तड़के सुबह ठीक 8ः15 बजे हिरोशिमा में बम ब्लास्ट किया था। इस दिन को जापान में आज भी शोक सभा की तरह देखा जाता है। इसी समय जापान में पीस बेल बजाई जाती है। साथ ही मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। इन परमाणु हमलों में कई लोगों ने अपनों को हमेशा के लिए खो दिया था। परमाणु बम से फैले रेडिएशन का असर आज भी नागासाकी और हिरोशिमा शहर के लोगों में देखा जाता है। इस हमले के बाद जापान ने अपनी सेना खत्म करने का फैसला लिया और अमेरिका के संरक्षण में चला गया।

डीसी-एसपी ने बोकारो स्थित दिशोम गुरु के आवास की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर वन-सी स्थित झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन के आवास की सुरक्षा व्यवस्था का उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने बुधवार शाम संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण क्रम में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने आवासीय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, साफझसफाई सहित अन्य जरूरी पहलुओं की समीक्षा किया। मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि आवास परिसर एवं आसझपास के क्षेत्रों में समुचित सुरक्षा सुनिश्चित करें। द्वय पदाधिकारियों ने प्रतिनियुक्त पुलिस बल झ अंग रक्षक से अन्य जरूरी जानकारी प्राप्त की। मुख्य द्वार के समीप बनाएं गए पोस्ट पर बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने को कहा। वहीं, आवास के आस झ पास की झाड़ियों/गंदगी की साफ-सफाई को लेकर बीएसएल नगर प्रशासन एवं नगर निगम चास को जरूरी दिशा झ निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान मौके पर सीटी डीएसपी आलोक रंजन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य पदाधिकारी एवं पुलिस बल उपस्थित थे।

शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की घोषणा करे सरकार : जेएमएम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आदिवासियों के सबसे बड़े नेता राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन मंगलवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। उनके निधन पर राज्य में शोक की लहर है। उनके निधन के बाद अब उन्हें भारत रत्न देने की मांग जोर पकड़ने लगी है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के द्वारा आज नया मोड़ के बिरसा चौक में जिला कमेटी के तरफ से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला कमेटी और केंद्रीय समिति सदस्यों के साथ-साथ कार्यकताओं ने शिबू सोरेन को श्रद्धा सुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा। इस दौरान सभी नेताओं ने भारत सरकार से शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग की है। नेताओं ने कहा कि शिबू सोरेन ने आदिवासी दलित और पिछड़े और असहाय लोगों के लिए जिंदगी भर लड़ाई लड़ी और लोगों को एक सहारा भी दिया। उनसे बड़ा आदिवासी नेता आज तक देश में कोई नहीं हुआ। ऐसे में उनके संघर्ष और उनके बताए रास्तों पर हमें चलना होगा। गुरुजी के कद को देखते हुए भारत सरकार जल्द से जल्द उन्हें भारत रत्न देने की घोषणा करें, ताकि उनके जाने का गम आदिवासी समाज में कुछ काम हो सके।

'टुवड्र्स जीरो हार्म की' लक्ष्य प्राप्ति के लिए बीएसएल द्वारा दो दिवसीय 'अरिष्ट' सम्मेलन का शुभारम्भ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। 06 अगस्त को बीएसएल के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में बीएसएल के सुरक्षा अभियंत्रण विभाग के तत्वावधान में "टुवड्र्स जीरो हार्म के "लक्ष्य प्राप्ति की थीम पर दो दिवसीय 'अरिष्ट' नामक राष्ट्रिय स्तर के सम्मेलन का शुभारम्भ हुआ. सम्मलेन के उदघाटन सत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के महानिदेशक श्री ललित गभाने, बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ अधिशासी निदेशक (सेल सेफ्टी आगेर्नाइजेशन) श्री अनूप कुमार बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे. उदघाटन सत्र में बीएसएल के अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी , अधिशासी निदेशक (परियोजनाएँ एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) श्री अनीष सेनगुप्ता, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर के सेंटर ऑफ सेफ्टी एक्सीलेंस के प्रमुख श्री जगदीश वी, रीजनल लेबर इंस्टिट्यूट कोलकाता के निदेशक श्री रविंद्र पी भावे, बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) श्री बी के सरतापे सहित अन्य मुख्य महाप्रबंधक तथा वरीय अधिकारी उपस्थित थे. इस सम्मलेन में सेल के विभिन्न संयंत्रों के साथ टाटा स्टील, जे एस डब्लू स्टील लिमिटेड, सीमेंस एनर्जी इंडिया, एबीबी, डीप नेट एनालिटिक्स, एम एन दस्तूर, वेसुवियस इण्डिया लिमिटेड, कोर इएचएस सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं. उद्घाटन सत्र में सम्मलेन की स्मारिका का लोकार्पण भी किया गया. सम्मलेन के उदघाटन सत्र में बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी के द्वारा सभी को सुरक्षा शपथ दिलाने के उपरांत मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) श्री बी के सरतापे ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया तथा बोकारो स्टील प्लांट के वर्चुअल रियलिटी आधारित सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम, सुरक्षा नियमों का अनुपालन, शून्य हानि जैसे प्रयासों और प्रतिबद्धता के बारे में बताया. राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के महानिदेशक श्री ललित गभाने ने कहा कि सुरक्षा के तीन प्रमुख कारकों संगठन संस्कृति, मानवीय कारक तथा कार्यस्थल की स्थिति को अपने संगठन के कोर वैल्यूज में शामिल कर सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करना और दूसरों को भी शिक्षित व जागरूक करना आवश्यक है. निदेशक-प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी ने सम्मेलन में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हमें इस्पात उद्योग से जुड़े सुरक्षा पहलुओं में एक दूसरे के साथ ज्ञान और अनुभव को साझा करते हुए शून्य दुर्घटना के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए लगातार इसे अपने व्यवहार में शामिल करना है. उन्होंने आगे कहा कि टुवड्र्स जीरो हार्म के लक्ष्य प्राप्ति के लिए अन्य प्रयासों के साथ-साथ हमें अपने संगठन में सुरक्षा सांस्कृतिक परिवर्तन की दिशा में भी आगे बढ़ना आवश्यक है. अधिशासी निदेशक (परियोजनाएँ एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) श्री अनीष सेनगुप्ता ने अपने सम्बोधन में कहा कि बीएसएल द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, थर्मल इमेजिंग, डिजिटल सिमुलेशन, रोबोटिक संचालन और ठेकेदार सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली जैसे पहल किए जा रहे हैं. सेल सेफ्टी आगेर्नाईजेशन के अधिशासी निदेशक श्री अनूप कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि सम्मेलन की थीम "अरिष्ट" को प्राप्त करने के लिए हमें सुरक्षा संस्कृति के व्यावहारिक पहलू पर तीव्रता के साथ प्रयास करने की जरुरत है. सम्मेलन के पहले दिन तकनीकी सत्रों के प्रथम सेशन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर के सेंटर ऑफ सेफ्टी एक्सीलेंसके प्रमुख श्री जगदीश वी के द्वारा भारत में उन्नत अग्नि सुरक्षा के लिए वीआर/एआरआधारित प्रशिक्षण और खतरों का अनुकरण विषय पर तथा रीजनल लेबर इंस्टिट्यूट, कोलकाता के निदेशक श्री रविंद्र पी भावे द्वारा प्रौद्योगिकी और स्मार्ट पी पी ई के बारे चर्चा की गयी. दूसरे सेशन के दौरान सीमेंस लिमिटेड, टाटा स्टील, एम एन दस्तूर, डीप नेट एनालिटिक्स तथा राउरकेला स्टील प्लांट द्वारा विविध सुरक्षा सम्बंधित विषयों पर प्रस्तुतीकरण किया गया. सम्मलेन के दूसरे दिन 7 अगस्त को जे एस डब्लू स्टील, सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड, वेसुवियस इंडिया लिमिटेड, टाटा स्टील तथा कोर ई एच एस द्वारा इस्पात उद्योग के सुरक्षा सम्बंधित पहलुओं पर गहन चर्चा की जाएगी. कार्यक्रम के उदघाटन सत्र का संचालन प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) सुश्री तनुप्रिया तथा धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (सुरक्षा) श्री विकास गुप्ता द्वारा किया गया.

निःशुल्क कोचिंग एवं कौशल विकास कार्यक्रम हेतु जिला प्रशासन व बीएसएल की संयुक्त पहल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला प्रशासन एवं बोकारो स्टील लिमिटेड (बीएसएल) की संयुक्त पहल कौशल विद्या मंदिर के अंतर्गत विस्थापित गाँवों के वैध पंजीकृत प्रमाणपत्र धारक युवाओं के लिए एक दिवसीय परामर्श एवं आवेदन शिविर का आयोजन 11 अगस्त को अपराह्न 3 बजे से टाउन हॉल, बोकारो में किया जाएगा। इस शिविर का उद्देश्य युवाओं को विभिन्न निःशुल्क प्रशिक्षण और कोचिंग कार्यक्रमों से जोड़कर उन्हें रोजगार, स्वरोजगार एवं सरकारी/ प्राइवेट नौकरियों के लिए तैयार करना है। चयन संस्थान द्वारा परामर्श, दस्तावेज सत्यापन एवं प्रवेश परीक्षा के आधार पर किया जाएगा।

उपलब्ध कार्यक्रम इस प्रकार हैंः - सरकारी / पीएसयू / निजी क्षेत्र की नौकरियों हेतु निःशुल्क कोचिंग। - रोजगारोन्मुखी कौशल विकास प्रशिक्षण (प्लेसमेंट सहायता सहित)। - स्वरोजगार हेतु उद्यमिता विकास कार्यक्रम। पात्रताः- केवल वे युवा जिनके पास वैध विस्थापित पंजीकरण प्रमाणपत्र है। - वैध विस्थापित पंजीकरण प्रमाणपत्र संख्या- आधार कार्ड - शैक्षणिक प्रमाणपत्र (10वीं / 12वीं / स्नातक)- जाति प्रमाणपत्र - पासपोर्ट आकार के नवीनतम फोटो सीटें सीमित हैं, अतः अभ्यर्थियों का चयन संस्थान द्वारा आवश्यक परामर्श, दस्तावेजों के सत्यापन और प्रवेश परीक्षा के आधार पर किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

हेल्थ केयर मॉल का विधायक रागिनी सिंह ने किया उद्घाटन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को बैंक मोड़ के न्यूटेक ग्रैंड परिसर में टास्कर इंडिया'स फर्स्ट हेल्थ केयर मॉल का झरिया विधायक रागिनी सिंह ने फीता काटकर उद्घाटन किया। रागिनी सिंह ने टास्कर मॉल के शुभारंभ के मौके पर कही की इस जन उपयोगी पहल को क्षेत्र के स्वास्थ्य सेवाओं में एक नया अध्याय है।टास्कर ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड एक बहु-उद्देशीय हेल्थकेयर मॉल के रूप में सभी चिकित्सा आवश्यकताओं को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराता है। इस स्वास्थ्य केन्द्र में एलोपैथिक, आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक उपचारझसामग्री एक साथ उपलब्ध है।

हाईवा की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग पर बुधवार की सुबह केंदुआडीह थाना क्षेत्र में श्री राम टी एंड स्वीट्स दुकान के समीप तेज रफ्तार हाईवा ने एक व्यक्ति को कुचल दिया। घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।. मृतक की पहचान 55 वर्षीय जगदीश सिंह के रूप में हुई. यह घटना सुबह 7:00 बजे के आसपास की है । सुबह जगदीश सिंह रोज की तरह टहलने निकले थे. और डिवाइडर के कट से सड़क पार कर रहे थे. इसी दौरान धनबाद की ओर से आ रहा तेज रफ्तार हाईवा ने उन्हें जबरदस्त टक्कर मार दी. उनका सिर बुरी तरह कुचल गया और मौके पर ही मौत हो गई. धक्का मारने के बाद चालक हाईवा लेकर फरार हो गया. घटना के विरोध में आक्रोशित लोग सड़क पर उतर गए और धनबाद- केंदुआ मार्ग को जाम कर दिया. प्रदर्शनकारी हाईवा परिचालन पर रोक लगाने ,चालक की गिरफ्तारी और हाईवा मलिक को बुलाकर मृतक को उचित मुआवजा दिलाने की मांग करने लगे. सड़क जाम होने के बाद पुलिस पहुंची, तब जाकर हालात पर नियंत्रण पाया जा सका.

मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय धनबाद में मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक अमित कुमार ने बैठक में उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया। धनबाद मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक के दौरान यात्रियों को प्रदान की जा रही सुविधाओं, संरक्षा उपायों और विभिन्न विकास योजनाओं पर गहन चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने भी यात्रियों की समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को बैठक में साझा किया, जिन पर सकारात्मक विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर मंडल के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। बैठक का उद्देश्य रेल उपभोक्ताओं की सुविधा को और बेहतर बनाना तथा रेल सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाना है।

रक्षाबंधन के अवसर पर राखी निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन

क्रिया आधारित शिक्षा से होता है बच्चों का सृजनात्मक विकास : राजेंद्र कामत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9डी बोकारो में कक्षा तृतीय से द्वादश तक के भैया - बहनों के बीच राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने बताया कि विद्या भारती विद्यालयों में इस प्रकार के क्रियान्वयन से बच्चों के अंदर सृजनात्मक विकास होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी क्रिया आधारित शिक्षा पर जोड़ दिया गया है, जो विद्या भारती विद्यालयों में पूर्व से ही अपनाई जा रही है। बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु इस प्रकार की गतिविधियां आवश्यक है। इससे बालकों में क्रियात्मक सोच का बढ़ावा मिलता है और वह पढ़ाई के साथ-साथ अन्य क्रियाकलापों में भी आगे बढ़ते हैं । इस कार्यक्रम की प्रमुख शिखा भारती ने बताया की यह प्रतियोगिता शिशु वर्ग, बाल वर्ग, किशोर वर्ग एवं तरुण वर्ग जैसे चार वर्गों में आयोजित की गई ।

उपायुक्त ने बेलगड़िया के विकास के लिए बीसीसीएल के साथ की बैठक

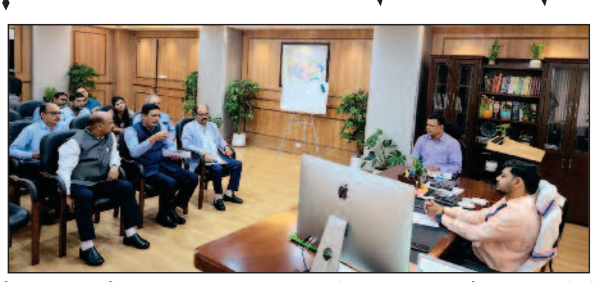

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने झरिया मास्टर प्लान (जेएमपी) के अंतर्गत बेलगड़िया में कौशल - सह - आजीविका विकास कार्यक्रम के लिए आज भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के निदेशक मंडल के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि बेलगड़िया टाउनशिप के निवासियों को स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, पानी, बिजली सहित सभी मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए। जिससे उनको किसी प्रकार की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। बैठक में बेलगड़िया में सूक्ष्म उद्यम के विकास, विभिन्न संरचना की स्थापना के लिए आवश्यक भूमि, आजीविका गतिविधि के साधन के रूप में ई-रिक्शा प्रदान करने, बेलगड़िया में एक प्राथमिक और एक मिडिल स्कूल में स्मार्ट क्लासरूम परियोजना पर चर्चा की गई। साथ ही एलटीएच का सत्यापन और गैर-एलटीएच परिवारों के प्रमाणीकरण के लिए जागरूकता अभियान में तेजी लाने, 6 मेगावाट पावर ग्रिड की स्थापना, रूफ टॉप सोलर की स्थापना, 2 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन, मुकुंदा और सुरंगा मौजा में एनटीएसटी परियोजना के भूमि अधिग्रहण से संबंधित आर एंड आर मुद्दे पर भी चर्चा हुई। बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, निदेशक (तकनीकी ऑपरेशन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (प्रोजेक्ट एंड प्लानिंग) मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, झरिया मास्टर प्लान के महाप्रबंधक राजीव चोपड़ा, जेआरडीए सलाहकार डीएन माहापात्रा के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

पैक्स को झारसेवा आईडी उपलब्ध कराने का निर्देश

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट ई-गवर्नेंस सोसायटी के कार्यकारिणी की बैठक आज उनके कार्यालय कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में उपायुक्त ने जिले के सभी 46 पैक्स को झारसेवा आईडी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वहीं जिले के 1723 कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) में झारसेवा आईडी देने से पूर्व संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं संबंधित अंचल अधिकारी से जांच कराने के बाद ही झारसेवा आईडी देने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि झारसेवा आईडी मिल जाने के बाद पैक्स में जाति, आवासीय, इनकम, ओबीसी, ई.डब्ल्यू.एस., मैरिज सर्टिफिकेट इत्यादि बनाने की सुविधा लोगों को मिलेगी। उपायुक्त ने डिस्ट्रिक्ट ई-गवर्नेंस सोसायटी के अकाउंट्स का ऑडिट कराने, सभी सरकारी कर्मियों को सरकार के विभिन्न मोबाइल एप्लीकेशन का प्रयोग करने का प्रशिक्षण देने का भी निर्देश दिया। बैठक में आईएसएम के मैनेजमेंट स्टडीज विभाग के सेवानिवृत प्रोफेसर प्रमोद पाठक ने कर्मियों को तकनीक की ओर प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें मानव कौशल व व्यवहारिक कौशल का प्रशिक्षण देने का प्रस्ताव दिया। बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, डीएसपी मुख्यालय 1 शंकर कामती, जिला सहकारिता पदाधिकारी वेद प्रकाश, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी सुनीता तुलस्यान, आईएसएम के सेवानिवृत प्रोफेसर प्रमोद पाठक, यूआईडी मैनेजर अमित कुमार, डीएमएफटी टीम लीडर शैलेश तिवारी, सीएससी मैनेजर अंजार हुसैन, सुमित कुमार व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स ने स्व. शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स की झारखंड इकाई ने झारखंड आंदोलन के नायक और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। बोकारो के सिविल कोर्ट परिसर में आयोजित एक शोक सभा में वकीलों ने उनके योगदान को याद किया और उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया।

आई ए एल के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने कहा कि "दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने झारखंड के आदिवासियों और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनके नेतृत्व में झारखंड को अलग राज्य का दर्जा मिला, जो उनके अथक संघर्ष का परिणाम है।" उन्होंने जोर देकर कहा कि कअछ उनके द्वारा स्थापित सामाजिक न्याय के मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। शोक सभा में वरिष्ठ अधिवक्ता राम सिंहासन राम ने कहा, "शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष और समर्पण का प्रतीक था। उन्होंने न केवल राजनीतिक, बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को सशक्त करने का कार्य किया।" सभा में उपस्थित वकीलों ने दो मिनट का मौन रखकर उनके प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने बयान में कहा कि वे शिबू सोरेन के आदर्शों को प्रेरणा मानकर कानूनी क्षेत्र में समाज के कमजोर वर्गों को न्याय दिलाने के लिए कार्य करते रहेंगे। संगठन ने यह भी घोषणा की कि वे जल्द ही एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करेंगे, जिसमें शिबू सोरेन के सामाजिक योगदान पर चर्चा की जाएगी।

इस अवसर पर शोक सभा में अधिवक्ता रंजन कुमार मिश्रा, फटीक चंद्र सिंह, संजय कुमार प्रसाद, सुनील चांडक, हसनैन आलम, वंशिका सहाय, संजीत कुमार सिंह, दीपिका सिंह, दीप्ति सिंह, रीना कुमारी, निखिल कुमार डे, सुभाष नायक, राणा प्रताप शर्मा, संदीप पूर्ति, अनुराग सिंह, विकाश प्रजापति, विनोद करकेटा, कमल कुमार सिन्हा, इंद्रनील चटर्जी, विष्णु चरण महाराज समेत सैकड़ो अधिवक्ता मौजूद थे।

स्वदेशी जागरण मंच ने शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्वदेशी जागरण मंच बोकारो के द्वारा दिवंगत शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन प्रभात कालोनी, चास में किया गयाक श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए मंच के क्षेत्रीय संयोजक अमरेंद्र सिंह ने कहा कि उन का जीवन संघर्ष पूर्ण रहा। महाजनी प्रथा के बलि चढ़े उनके पिता की हत्या के बाद उन्होंने विद्रोह कर दिया। महाजनी प्रथा का विरोध और समाज को जागरूक करने के लिए अपने आप को अर्पित कर दिया। पढ़ाई छोड़ समाज सेवा की तरफ मुड़ गए। उन्होंने समाज की बुराई दूर करने का संकल्प लिया और महुआ माडी के नशे में डूबा आदिवासी समाज को जागरूक करने एवं समाज को आगे बढ़ाने के लिए पढ़ो और लड़ो का नारा बुलंद किया। आंदोलन का गुंज न केवल पटना में बल्कि दिल्ली तक सुनाई पड़ा। एक समय तो ऐसा था कि उन्हें पुलिस के भय से पारसनाथ पहाड़ी के जंगलों में भी शरण लेना पड़ा । बागी बनकर नेमरा से निकले गुरुजी का मंजिल कहीं और था राजनीतिक क्षेत्र में लाने लाने में मित्रों का बहुत सहयोग रहा । सन 1972 में उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा का गठन किये फिर पीछे मुड़कर नहीं देखे विधायक मुख्यमंत्री सांसद केंद्रीय मंत्री दायित्व निभाते हुए आज हमसब के बीच नहीं रहे। उद्योगपति एवं समाजसेवी श्रीमान जगन्नाथ शाही जी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा की राजनीति से लेकर समाज के हर वर्ग में शिबू सोरेन जी का पैठ था उनके निधन एक अपूरणीय क्षति है। वे न केवल झारखंड आंदोलन के जनक एंव मार्गदर्शक थे, बल्कि आदिवासी अधिकारों के लिए आजीवन संघर्षरत रहे। उन्हें झारखंडी अस्मिता का प्रतीक, आदिवासी चेतना की आवाज और सामाजिक न्याय का प्रहरी माना जाता है। उनकी संघर्षगाथा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी, दिशोम गुरु शिबू सोरेन अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी विचारधारा, आदर्श और बलिदान झारखंड की आत्मा में सदैव जीवित रहेंगे। श्रद्धांजलि सभा में प्रांत के मेला प्रमुख दिलीप वर्मा, अजय कुमार चौधरी, जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा, प्रेम कुमार एवं नवीन कुमार सिन्हा कार्यालय प्रमुख ददन प्रसाद, जयशंकर प्रसाद सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल हुए ।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com